खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 17 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-256

भारत ने नहीं माना था अमेरिकी मध्यस्थता का प्रस्ताव

पाकिस्तान के कुबूलनामे से खुली ट्रंप के दावे की पोल

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई। वे कहते हैं कि उन्होंने दोनों देशों को धमकी दी थी कि अगर जंग नहीं रुकी तो व्यापार बंद कर देंगे। लेकिन अब पाकिस्तान के ही विदेश मंत्री इशाक डार ने ट्रंप की पोल खोल दी है। डार ने साफ कहा कि भारत ने कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं मानी। सब कुछ द्विपक्षीय था, यानी सिर्फ भारत और पाकिस्तान के बीच।

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने अल जजीरा को इंटरव्यू में ट्रंप के दावे को झूठा साबित कर दिया। डार ने कहा, हम तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के खिलाफ नहीं, लेकिन भारत ने हमेशा कहा कि ये द्विपक्षीय मुद्दा है।

डार ने बताया कि मई में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था। रुबियो ने कहा था कि किसी तीसरी जगह पर बातचीत होगी, लेकिन 25 जुलाई को वॉशिंगटन में रुबियो से मिले तो रुबियो से उन्होंने भारत से बात के बारे में पूछा। इस पर रुबियो ने जवाब दिया, भारत ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। भारत ने कहा कि ये उनका द्विपक्षीय मामला है।

सीजफायर का निर्णय भारत-पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई बातचीत से हुआ

डार ने जोड़ा, हम किसी से भीख नहीं माँग रहे। पाकिस्तान शांति चाहता है। डायलॉग ही रास्ता है, लेकिन बातचीत दोनों तरफ से हो। अगर भारत तैयार हो तो हम बात करने को तैयार हैं। डार ने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिका से कोई मदद नहीं माँगी।

हालाँकि डार ये कह रहे हैं कि पाकिस्तान ने मदद नहीं माँगी, लेकिन भारत ने साफ कहा है कि पाकिस्तान ने पहले घुटने टेके और ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष से गुहार लगाई थी। खैर, दावे अमेरिका की तरफ से भी हुए, पाकिस्तान की तरफ से भी। लेकिन हकीकत क्या है, ये सारी दुनिया देख चुकी है। भारत ने पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर में न सिर्फ पंगु कर दिया था, बल्कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली को पंगु करते हुए अंदर तक जोरदार हमले किए। अभी तक पाकिस्तान के सभी एयरबेस ऑपरेशन नहीं हो पाए हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि अमेरिका की मध्यस्थता से दोनों देशों ने पूर्ण युद्धविराम कर लिया। ट्रंप कहते रहे हैं, मैंने दो न्यूक्लियर देशों की जंग रोकी। लाखों लोग मर सकते थे। ट्रंप ने दावा किया था कि व्यापार की बात करके भारत को मनाया। लेकिन भारत ने हमेशा इनकार किया।अब डार के बयान ने सबकुछ साफ कर दिया है। डार का बयान ट्रंप के लिए बड़ा झटका है। पहले पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे का समर्थन किया था, लेकिन अब डार ने पलट दिया। भारत ने हमेशा कहा कि आतंकवाद पर बात होगी,

▶10 पर

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प

2047 तक खत्म होगा खतरा : अमित शाह

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नज़दीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें।

शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है।

अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे,

▶10 पर

ब्राजीली संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक संदेश में लिखा

मोदी की उपस्थिति में एक शक्ति है

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उनकी उपस्थिति में एक शक्ति है- एक अदृश्य बल जो उनके आसपास के वातावरण को बदल देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति यह भाव है ब्राजील के संस्कृत और वैदिक ज्ञान के अध्येता और अध्यापक आचार्य जोनास मेसेत्ती का ।

पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित आचार्य मेसेत्ती ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक संदेश में लिखा, मेरी दृष्टि में श्री मोदी केवल राजनीतिक नेता ही नहीं बल्कि उनके अंदर कोई बड़ी शक्ति है। कोई उनसे भी बड़ी चीज जो उनका मार्गदर्शन करती है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद ब्राजील की सेना में पांच साल की सेवा छोड़ कर आज रियो डी जनेरियो में विश्व विद्या संस्थान का संचालन कर रहे श्री मेसेत्ती ने

अपने अनुभवों के आधार पर लिखा है , उनकी उपस्थिति में एक शक्ति है, एक अदृष्य शक्ति जो उनके आस पास का पूरा वातावरण बदल देती है।

उनके अनुसार मोदीजी का नेतृत्व न केवल राजनीतिक, बल्कि अति शांत और प्रमाणिक तरीके से गहन रूप से आध्यात्मिक है। वह साधारण पृष्ठभूमि से ऊपर उठे हैं, इसके पीछे किसी विशेषाधिकार की भूमिका नहीं रही है बल्कि उनके उद्देश्य ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है। ब्राजीली विद्वान ने लिखा है कि श्री मोदी 75 वर्ष की अवस्था में एक दीपस्तंभ की भांति हैं- जो यह बताता है कि सही मायने में व्यक्ति की महानता उसकी पदवी नहीं बल्कि वह उद्देश्य है जिसके लिए वह जीता है।

उनका कहना है अपने उद्देश्य के प्रति श्री मोदी की अडिग प्रतिबद्धता उनकी इस सोच को दर्शाती है कि भारत का भविष्य केवल आर्थिक और भूराजनीतिक स्थिति पर ही नहीं बल्कि धर्म, अस्मिता और उसकी आत्मा पर टिका है।

आचार्य मेसेत्ती ने कहा है कि उन्हें श्री मोदी को एक नहीं कई बार नजदीक से देखने का अवसर मिला है और हर बार उनका यही अनुभव रहा है कि उनके सामने कोई राजनेता नहीं बल्कि किसी बड़ी आंतरिक शक्ति का धनी व्यक्तित्व उपस्थित है और जिसे उससे भी बड़ी कोई शक्ति दिशा दिखा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की तमिलनाडु सरकार को फटकार

विवाहघर बनाने के लिए श्रद्धालु मंदिरों को दान नहीं देते

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के दान से विवाहघर बनाने को लेकर तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि श्रद्धालु विवाह घर बनाने के लिए मंदिरों में दान नहीं देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें कहा गया था कि मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भी तमिलनाडु में विभिन्न स्थानों पर पांच मंदिरों के धन से विवाह हॉल के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था।

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि भक्त इन विवाह

हॉलों की स्थापना के लिए मंदिर को अपना धन नहीं देते हैं। यह मंदिर के सुधार के लिए हो सकता है। अगर मंदिर परिसर में विवाह समारोह चल रहा है और अश्लील गाने बजाए जा रहे हैं, तो क्या मंदिर की भूमि का यही उद्देश्य है? शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग शिक्षा जैसे धर्मार्थ कार्यों और चिकित्सा संस्थानों के लिए किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा कि मुद्दा यह है कि सरकार द्वारा लिया गया निर्णय सही था या गलत। इसके बाद कोर्ट ने चुनौती पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि हम इस मामले पर सुनवाई करेंगे। हम याचिकाकर्ताओं को कोई स्थगन आदेश नहीं दे रहे हैं।मद्रास हाईकोर्ट का यह फैसला मंदिर निधि से विवाह हॉल के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर आया। हाईकोर्ट ने 19 अगस्त के अपने आदेश में कहा था कि विवाह समारोहों के लिए किराये पर विवाह हॉल बनाने का सरकार का निर्णय धार्मिक उद्देश्यों की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता।

सरकारी आदेश में हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री के बयान का खुलासा किया गया है। उन्होंने विधानसभा में बजट भाषण के दौरान 80 करोड़ रुपये की मंदिर निधि खर्च

▶10 पर

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने माना

ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का परिवार मारा गया

इस्लामाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार माना है कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए।

जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए।भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में हमला किया था। ऑपरेशन के दौरान बहावलपुर समेत पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

बहावलपुर में हुए भारतीय हमले में मसूद के परिवार के 10 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 4 सहयोगियों की भी मौत हुई थी। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल हैं।इसके अलावा मसूद के 4 सहयोगी भी मारे गए थे।

▶10 पर

उत्तराखंड की टोंस नदी में ट्रैक्टर बहा-8 लोगों की मौत

देहरादून में बादल फटा, 4 लोगों की जान गई

शिमला, देहरादून, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

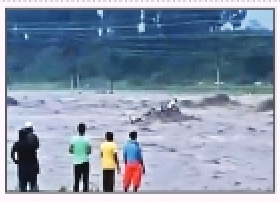

उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के कई इलाकों के घरों, दुकानों और मंदिरों में 5-6 फीट तक पानी भर गया। कई सड़कें भी बह गईं।

विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज होने से मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग लापता हैं। वहीं, मालदेवता में सौंग नदी में 5 लोग बह गए, जिसमें से 4 के शव मिल गए हैं जबकि एक लापता है। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया।

▶10 पर

राजनाथ सिंह का आह्वान

सेना बनेगी टेक-फ्रेंडली, भविष्य के युद्धों की तैयारी तेज

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

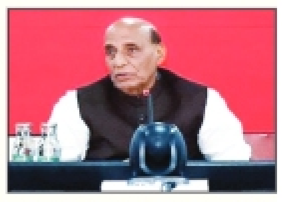

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से आगे बढ़कर सूचना, वैचारिक, पारिस्थितिक और जैविक युद्ध जैसे अपरंपरागत खतरों से उत्पन्न अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया है। 16 सितंबर को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने अशांत वैश्विक व्यवस्था, क्षेत्रीय अस्थिरता और उभरते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए, दुनिया भर में हो रहे बदलावों और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर उनके प्रभाव के निरंतर आकलन की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार विकसित हो रही है, और हाल के वैश्विक संघर्षों ने एक प्रौद्योगिकी-अनुकूल सेना की प्रासंगिकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आज के युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित होते हैं कि उनकी अवधि का अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है।

▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्तूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा।

तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

देशभर में एक साथ एसआईआर होने पर हट जाएंगे 15 करोड़ मतदाताओं के नाम?

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार में हो रहे एसआईआर में जिस तरह 65 लाख मतदाताओं के नाम हटे और उसे ठोस चुनौती भी नहीं मिली उससे यह भी आकलन लगाया जाने लगा है कि पूरे देश में एसआईआर हुआ तो लगभग पंद्रह करोड़ ऐसे मतदाताओं के नाम हट सकते है जो या तो मृत हो चुके है या फिर दोहरा इपिक रखे हुए हैं या स्थानांतरित हो चुके हैं।

यह अनुमान इसलिए भी लगाया जा रहा है क्योंकि बिहार में एसआईआर के दौरान करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट गए है। इनमें बड़ी संख्या में मृत,स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं के अतिरिक्त बांग्लादेश व नेपाल आदि देशों से आए विदेशी नागरिक भी शामिल है।

मौजूदा समय में देश की मतदाता सूची में करीब सौ करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज है। मतदाता सूची से इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों के हटने का अनुमान इसलिए

लगाया जा रहा है क्योंकि देश के अधिकांश राज्यों में इससे पहले एसआईआर बिहार के साथ 20 वर्ष पहले यानी वर्ष 2003 से 2005 के बीच हुआ था।

चुनाव आयोग से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक ऐसे में बिहार जैसी स्थिति देश के दूसरे राज्यों में भी देखने को मिलेगी। जहां मतदाता सूची में शामिल बड़ी संख्या में मृत, स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाता मिलेंगे। इनमें भी पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल,ओडिशा और उत्तर प्रदेश में ऐसे मतदाताओं की संख्या बिहार से भी अधिक देखने को मिल सकती है। इसकी वजह स्थानांतरण और घुसपैठ दोनों है।

आयोग के मुताबिक बिहार में एसआईआर से पहले मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ थी, जबकि ड्राफ्ट सूची में इनमें से कुल 7.24 करोड़ मतदाताओं को जगह मिली। यानी इनमें से 65 लाख पहले दौर में ही बाहर हो गए। संदिग्ध नागरिकता के आधार पर ही तीन लाख लोगों को नोटिस दिया गया है। सूत्रों का दावा है कि ड्राफ्ट सूची पर किए गए दावे-आपत्तियों में भी करीब तीन लाख से अधिक दावे-आपत्तियां नाम काटने के लिए ही किए गए है। ऐसे में माना जा रहा है कि ड्राफ्ट सूची से भी और भी मतदाता अलग-अलग वजहों से बाहर हो सकते है। एक अनुमान के मुताबिक करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मौजूदा मतदाता

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,950/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,32,230/- (प्रति किलोग्राम)

वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिका का अभियान जारी, नाव पर हमला कर तीन को मारा

वाशिंगटन,16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल के खिलाफ अभियान जारी है। अमेरिकी सेना ने इस महीने दूसरी बार एक नाव पर हमला किया। इस बार सेना ने तीन लोगों को मार गिराया। वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल को अमेरिका में फेंटेनाइल की खेप किसी भी कीमत पर नहीं पहुंचाने दी जाएगी। ट्रंप ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुआ और इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमान का जिक्र करते हुए लिखा, सुबह मेरे आदेश पर अमेरिकी सैन्य बलों ने साउथकॉम के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में स्पष्ट रूप से पहचाने गए असाधारण रूप से हिंसक ड्रग तस्करी कार्टेल और नार्कोटेररिस्ट के खिलाफ दूसरा काइनेटिक स्ट्राइक किया। उन्होंने दावा किया कि नाव अमेरिका की तरफ आ रही थी। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों की पहचान कर ली गई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक 27 सेकंड का वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें हवाई निगरानी के कई क्लिप हैं। इसमें एक स्पीडबोट पानी में उछलती हुई दिखाई दे रही है और फिर एक भीषण विस्फोट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। उधर, पेंटागन ने सोमवार को ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए हमले के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने जरूर कहा कि यह एक विशेष अभियान था। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2 सितंबर के हमले की निंदा करते हुए इसे एक जघन्य अपराध और नागरिकों पर सैन्य हमला बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका को लगता है कि नाव के यात्री ड्रग तस्कर थे तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के आठ युद्धपोत कैरिबियन में तैनात हैं और पेंटागन ने प्यूर्टो रिको को सशस्त्र एमक्यू -9 रीपर ड्रोन और एफ-35 लड़ाकू विमानों सहित अन्य विमान देने का आदेश दिया है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने पिछले हफ्ते प्यूर्टो रिको का अघोषित दौरा किया। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने सोमवार को ट्रंप के आदेश की आलोचना की। सशस्त्र सेवा समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट और रोड आइलैंड के सीनेटर जैक रीड ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की कार्रवाई कानून का घोर उल्लंघन और संविधान पर एक खतरनाक हमला है।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल में प्रदर्शन के दौरान मारे गए 10 छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया

काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दस छात्रों का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया गया है। इनमें से नौ शवों को महाराजगंज के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में और एक को पाटन अस्पताल में रखा गया था। नेपाल की अंतरिम सरकार ने एक दिन पहले सोमवार को जेन-जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को आधिकारिक तौर पर शहीदों का दर्जा देने का फैसला लिया था। सरकार ने इनके सम्मान में एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है और सार्वजनिक अवकाश दिया है। मृत छात्रों के बलिदान का सम्मान करने के लिए अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया, जिसकी शुरुआत शिक्षण अस्पताल से हुई और दाह संस्कार से पहले रिंग रोड पर इस शव यात्रा को घुमाया गया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय की प्रवक्ता काली प्रसाद रोज्यारा के अनुसार काठमांडू के बाहर रहने वाले मृतकों के शवों को उनके गंतव्य तक भेज दिया गया है। काठमांडू के 10 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले काली मंदिर पर धावा, मूर्तियां तोड़ीं

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में नवरात्रि और दुर्गा पूजा से पहले एक हिन्दू मंदिर पर की गई तोड़फोड़ से अल्पसंख्यक समुदाय भयभीत है। बताया गया है कि रविवार रात कुश्तिया के मीरपुर उप जिला स्थित स्वरूपदाह पालपारा श्री श्री रखा काली मंदिर में बदमाशों ने दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। बदमाश तोड़फोड़ करने के बाद एक सीसीटीवी और एक मेमोरी कार्ड अपने साथ ले गए। रिपोर्ट के अनुसार, मीरपुर थाना प्रभारी मोमिनुल इस्लाम ने बताया कि घटना रविवार रात 8:00 बजे से 8:30 बजे के बीच हुई होगी। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही कोई शिकायत दर्ज की गई है। घटना की जांच की जा रही है। मंदिर समिति के पूर्व सचिव बादल कुमार डे ने कहा कि हम लोग पिछले तीन साल से यहां दुर्गा पूजा का आयोजन करते आ रहे हैं। दुर्गा पूजा से पहले हुई इस घटना से सभी लोग दहशत में। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने मंदिर का सुरक्षा कैमरा और उसका मेमोरी कार्ड लूट लिया। कुश्तिया के उपायुक्त अबू हसनत मोहम्मद अराफिन ने सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर में मौजूदा सुरक्षा उपायों के बारे में पूछे जाने पर अराफिन ने कहा कि नए कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, अंसार के सदस्य चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा, स्थिति अब सामान्य है।

गाजा युद्ध पर विवाद : स्पेन के प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय खेलों से इजराइल को प्रतिबंधित करने की मांग की

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि गाजा युद्ध के चलते इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेल

प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह बयान तब दिया जब फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने स्पेन की सबसे बड़ी साइकिल रेस वुएल्टा ए एस्पान्या का अंतिम चरण बाधित कर दिया। सांचेज ने 14 सितंबर को हुई इस घटना पर प्रदर्शनकारियों की गहरी प्रशंसा व्यक्त की और कहा कि इजराइल पर भी वही कार्रवाई होनी चाहिए, जैसी रूस पर यूक्रेन पर हमले के बाद की गई थी। उन्होंने कहा कि हमारी स्थिति स्पष्ट है – जब तक यह बर्बरता जारी है, रूस और इजराइल दोनों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग नहीं लेना चाहिए। करीब एक लाख प्रदर्शनकारी मैड्रिड में जुटे और साइकिल रेस के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने शुरुआत में रोकने की कोशिश की, लेकिन बाद में शांतिपूर्ण ढंग से सड़क पर कब्जा करने दिया। विरोध प्रदर्शन का मुख्य निशाना इजराइल-प्रीमियर टेक टीम रही, जो इस प्रतिष्ठित रेस में शामिल थी। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन साआर ने सांचेज पर प्रदर्शनकारियों को उकसाने का आरोप लगाते हुए उनकी सरकार को स्पेन की शर्म बताया। स्पेन की विपक्षी पॉपुलर पार्टी ने भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी है। स्पेन के यहूदी समुदाय संगठन एफसीजेई ने भी बयान जारी कर हिंसा को जायज ठहराने और यहूदियों के खिलाफ घृणा फैलाने की निंदा की। वुएल्टा रेस के निदेशक जेवियर गुइलेन ने इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और कहा कि भविष्य में ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। उन्होंने साथ ही 2026 में बार्सिलोना से शुरू होने वाले टूर डी फ्रांस पर भी सवाल उठने की आशंका जताई।

इजराइल का गाजा में बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू, हमलों में 41 लोगों की मौत

गाजा पट्टी,16 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल ने गाजा में आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इन हमलों में 41 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। गाजा शहर पर धीरे-धीरे नियंत्रण के साथ आगे बढ़ रही इजराइली सेना ने निवासियों से अन्यत्र चले जाने का आह्वान किया है।

गाजा के अस्पतालों के अधिकारियों ने कहा कि रातभर हुए इजराइली हमलों में गाजा शहर में 37 मध्य गाजा में चार लोग मारे गए हैं। भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू ने अदालत में अपना पक्ष रखने के दौरान कहा कि हमने कल गाजा में अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। सुरक्षा बल महत्वपूर्ण चरण पर पहुंच गए हैं। इसके परिणाम सुखद होंगे।

इजराइली सेना ने निवासियों से गाजा शहर खाली करने का आह्वान करते हुए कहा कि वह इस एन्क्लेव के सबसे बड़े शहरी केंद्र में हमास के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अरबी प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर कहा, गाजा शहर को एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में रहना आपको जोखिम में डालता है। आईडीएफ ने निवासियों को वाहन या पैदल अल-रशीद स्ट्रीट से होते हुए गाजा शहर के दक्षिण की ओर जितनी जल्दी हो सके जाने का निर्देश दिया है।

संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने चेतावनी दी थी कि गाजा शहर पर इजराइल के आक्रमण का मतलब वहां रहने वाले लगभग 10 लाख फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापित होने का खतरा होगा। इस बीच नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के एक सम्मेलन के दौरान मध्य यरुशलम में दर्जनों प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्त करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे इजराइली लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने कहा कि लड़ाई बढ़ने से और अधिक बंधकों की मौत होगी। गाजा पर कब्जा करने से जीवित बंधकों की हत्या हो जाएगी और मृतक लापता हो जाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन का कहना है कि गाजा में इजराइल के उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल गाजा में अपने अभियान के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल हमास की सैन्य क्षमता को खत्म करने, गाजा में हमास के शासन को समाप्त करने, 48 इजराइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गाजा की स्थित पर स्वास्थ्य अधिकारियों और सहायताकर्मियों ने बताया कि उत्तरी गाजा में चिकित्सा सेवाएं चरमरा गई हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति और दवाइयां तत्काल पहुंचाने का आह्वान किया है।

गाजा शहर के अल-शिफा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सलमिया ने कहा कि अगर अस्पतालों और चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा नहीं की गई तो समय से पहले जन्मे शिशुओं सहित कई नागरिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। सलमिया ने एक ही इनक्यूबेटर में छह शिशुओं की तस्वीर के साथ कहा, गाजा शहर के इनक्यूबेटरों में समय से पहले जन्मे शिशुओं की यह स्थिति है। इन शिशुओं को गाजा पट्टी में कहीं भी नहीं रखा जा सकता। उनकी जान को वास्तविक खतरा है।

बलोचिस्तान में आईईडी विस्फोट में कैप्टन समेत पांच सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद,16 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान के केच जिले में सुरक्षा बलों पर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किए गए हमले में एक कैप्टन समेत पांच सैनिक मारे गए। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सोमवार देररात बताया कि दोपहर के वक्त केच के शेर बांदी में सैनिकों की टुकड़ी के आगे बढ़ने पर आईईडी विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक कैप्टन समेत देश के पांच बहादुर सपूतों की जान चली गई।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए सैनिकों में लोरलाई के 25 वर्षीय कैप्टन वकार अहमद, डेरा गाजी खान के 35 वर्षीय नायक असमत उल्लाह, सुक्कुर के 29 वर्षीय लांस नायक जुनैद अहमद, मर्दन के 29 वर्षीय लांस नायक खान मोहम्मद और स्वाबी के 28 वर्षीय सिपाही मोहम्मद जहूर शामिल हैं।

आईएसपीआर ने कहा, हमारे बहादुर अधिकारियों और सैनिकों की शहादत हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल देश से आतंकवाद को खत्म करने के लिए राष्ट्र के साथ कदम से कदम मिलाकर दृढ़ हैं।

इससे पहले, 13 और 14 सितंबर को खैबर-पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने एक अभियान में 31 आतंकवादियों को ढेर कर दिया था। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, 10 से 13 सितंबर के बीच खैबर-पख्तूनख्वा में चलाए गए तीन अलग-अलग खुफिया अभियानों में कुल 19 सैनिक मारे गए। इस दौरान सुरक्षा बलों ने 45 आतंकवादी मार गिराए।

सुशीला कार्की पर भड़के सुदन गुरुंग

काठमांडू। नेपाल में भले ही हिंसा का दौर खत्म हो गया है लेकिन भीतर ही भीतर आग अभी भी सुलग रही है। इसकी बानगी उस वक्त देखी गई जब, सुदन गुरुंग नेपाल की कमान संभाल रहीं सुशीला कार्की पर भड़क गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जिस तरह से पद पर बिठाया था ठीक उसी तरह हटा भी सकते हैं। कैबिनेट मंत्रियों के चुनाव को लेकर हुई ये नाराजगी यूं बढ़ गई कि बात कुर्सी से उतारने और इस्तीफा मांगने तक पहुंच गई। नेपाल की राजनीति में इस वक्त बिल्कुल नया मोड़ आ गया है। नेपाल के युवा वर्ग ने विद्रोह और हिंसक प्रदर्शनों के बाद केपी ओली की सरकार हटाई और खुद ही नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को चुना। वैसे को सुशीला कार्की जेन जेड प्रदर्शनकारियों की ही नेता हैं, लेकिन अब वे उनसे भी नाराज हो गए हैं। जेन जेड प्रदर्शन के अगुवा रहे सुदन गुरुंग ने तो ये तक कह दिया कि कुर्सी पर बिठाकर उतार भी सकते हैं।

चीन के समर्थन के बिना रुस युद्ध में ज्यादा दिन तक नहीं रह सकता
ट्रंप के विशेष दूत केलॉग ने रूस-चीनी गठजोड़ की आलोचना की

कीव,16 सितंबर (एजेंसियां)।

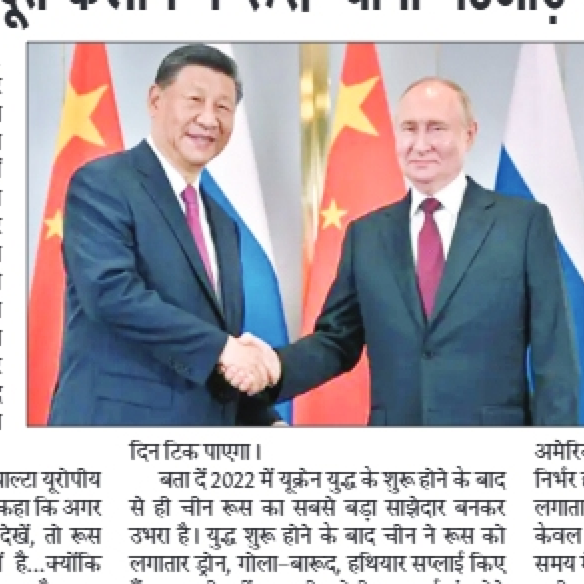

रूस-यूक्रेन युद्ध यूरोप और अमेरिका के लिए गले की हड्डी बना गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्ध को खत्म करने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन बार-बार नाकाम हो रहे हैं। हाल ही में युद्ध के जारी रहने पर यूक्रेन में ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने रूस और चीनी गठजोड़ की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रूस चीनी समर्थन के बिना ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रह सकता है। अगर बीजिंग, मॉस्को को समर्थन देना बंद कर दे तो यूक्रेन का युद्ध कल ही खत्म हो जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक कीव में याल्टा यूरोपीय रणनीति कार्यक्रम में कीथ केलॉग ने कहा कि अगर आप चीन और रूस को एक साथ देखें, तो रूस छोटा साझेदार है। चीनी छोटे नहीं है...क्योंकि चीनियों के पास आर्थिक और सैन्य ताकत है...स्पष्ट रूप से उनके पास इतिहास और राजनैतिक नेतृत्व भी है। अगर चीन, रूस को समर्थन देना बंद कर दे तो युद्ध कल ही खत्म हो जाएगा। मुझे नहीं लगता कि चीन के समर्थन के बिना रूस इस युद्ध में ज्यादा दिन टिक पाएगा।

बता दें 2022 में यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद से ही चीन रूस का सबसे बड़ा साझेदार बनकर उभरा है। युद्ध शुरू होने के बाद चीन ने रूस को लगातार ड्रोन, गोला-बारूद, हथियार सप्लाई किए हैं। इतना ही नहीं रूस की यूरोपीय सप्लाई बंद होने के बाद चीन ने रूसी तेल और गैस की खरीद को बढ़ाया है और उसके अलावा बाकी सामान के लिए भी बाजार खोल दिए हैं। रूसी तेल का चीन सबसे बड़ा खरीददार है और भारत भी रुस से तेल खरीदी कर रहा है जिसके लेकर अमेरिका नाराज है।

केलॉग ने इसके अलावा रूस की तरफ से लड़ने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों का उतरना यह दर्शाता है कि रूसी सैन्य ताकत उतनी भी मजबूत नहीं है, जितना की पुतिन दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर रूसी सेना इतनी ही ताकतवर होती तो उसे उत्तर कोरिया के 10 हजार सैनिकों की जरूरत नहीं पड़ती।

बता दें इस युद्ध में अमेरिका और रूस के तरफ के दो पक्ष हैं। एक तरफ अमेरिका जहां रूस के चीन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर होने की आलोचना करता है तो वहीं रूस भी लगातार दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता को बढ़ाकर केवल चीन पर ही डिपेंडेंट नहीं रहना चाहता। के समय में चीन जहां उसके कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीददार है, तो दूसरे नंबर पर भारत है। रूस अपने आप में एक बहुत बड़ा हथियार उत्पादक देश है। इसके अलावा युद्ध के शुरुआती समय में आई रिपोर्ट के मुताबिक चीन के अलावा रूस को उत्तर कोरिया की तरफ से भी हथियार सप्लाई हो रहे हैं।

बाइडेन प्रशासन पर फोड़ा ठीकरा, कहा-आरोपी क्यूबा भेज देते तो यह हत्या नहीं होती

वाशिंगटन,16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की पत्नी और बच्चे के सामने गला काटकर नृशंस हत्या की निंदा अमेरिकी राष्ट्रपति भी कर चुके हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन हत्या की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने हत्यारे को राक्षस बताते हुए कहा कि इस अपराध को रोका जा सकता था। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने ठीकरा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सिर पर फोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि अगर बाइडेन प्रशासन में ही आरोपी क्यूबा के नागरिक कोबोस मार्टिनेज को वापस उसके देश भेज दिया गया होता तो यह अपराध नहीं होता। आरोपी कोबोस ने 50 साल के भारतीय मूल के एक होटल मैनेजर नागामलैया की हत्या कर दी थी। उसने नागामलैया की पत्नी और बच्चे के सामने ही सिर धड़ से अलग कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने सिर को लात मारी और फिर उसे उठाकर कूड़ेदान में फेंक दिया था। जानकारी के मुताबिक दोनों के

बीच वॉशिंग मशीन को लेकर बहस हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि आरोपी हत्याकर गर्दन पर तब तक वार करता रहा जब तक कि सिर धड़ से अलग नहीं हो गया। घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। क्यूबा के नागरिक कोबोस को पहले भी चोरी और बच्चों के शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका था। हालांकि जब उसे क्यूबा वापस भेजने की बात उठी तो उसे जेल से ही छोड़ दिया गया। बाइडेन प्रशासन ने कहा कि उसे वापस भेजने के लिए क्यूबा कि पर्याप्त उड़ानें नहीं हैं। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने कहा कि वह अपराधी हमारे देश में ना होता तो यह हत्या ही ना होती। क्यूबा ने आरोपी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था क्योंकि वह ऐसे अपराधी को अपने देश लाना नहीं चाहते। वहीं जो बाइडेन प्रशासन ने ढील दी और उसे जेल से छोड़ दिया गया। बता दें भारतीय मूल के शख्स की हत्या को लेकर ट्रंप ने भी कहा था कि अब अवैध प्रवासियों पर नरमी के दिन लद गए हैं।

कतर पर हमले के बारे में इजरायल ने हमें नहीं बताया, वह उसका फैसला थाः ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कतर में हमास नेताओं पर हमला करने से पहले उन्हें कोई सूचना नहीं दी थी। उन्होंने साफ कहा कि यह हमला पूरी तरह से इजराइल का खुद का फैसला था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवल ऑफिस में ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इजरायल ने हमें इस बारे में नहीं बताया था। उन्होंने कहा कि कतर अमेरिका का खास मित्र है और उन्होंने दोहा को भरोसा दिलाया कि इजराइल फिर कतर पर हमला नहीं करेगा। साथ ही कहा कि दोहा एक बहुत अच्छा सहयोगी है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि कतर में हमास नेताओं पर हमला पूरी तरह से इजरायल की ओर से की गई स्वतंत्र कार्रवाई थी, साथ ही कहा कि इस हमले की योजना इजरायल ने खुद बनाई थी और इसे अंजाम भी इजरायल ने ही दिया। हम पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उधर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि कतर को संघर्ष समाधान में सहयोगी की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कतर से कहा कि वह गाजा में बचे 48 बंधकों को छुड़ाने, हमास के हथियार डालने और गाजा के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए मदद करे। रुबियो ने नेतन्याहू के साथ मिलकर दोहा को रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

नीतीश कुमार के राज में बदल गया बिहार, अब किसी की आतंकित करने की हिम्मत नहीं : ललन सिंह

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और जनता दल यूनाईटेड के नेता राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने आज कहा कि, मोकामा के एक रक्षक नीतीश कुमार तो दूसरे अनंत सिंह हैं। नवंबर 2005 में नीतीश कुमार जी बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। तब क्या था बिहार में? यही मोकामा है जहां रेल से रात के 12 बजे उतरने के बाद लोग अपने घर जाने का साहस नहीं करते थे। अब ऐसा नहीं होता है। यह परिवर्तन नीतीश कुमार जी ने किया। ललन सिंह ने यह बात मोकामा के मोर में आयोजित किए गए एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में कही।

ललन सिंह ने कहा कि, बिहार में कहीं सड़क नहीं थी, गड्ढे थे। नीतीश कुमार ने सभी जगह सड़कें बनवाई। बिहार में किसी भी कोने से मोकामा आईए, पांच घंटे से अधिक समय आपको नहीं लगेगा। कल ही हम आए। पूर्णिया में प्रधानमंत्री जी की रैली थी। रैली खत्म होने के बाद हम सवा पांच बजे पूर्णिया से चले और साढ़े दस बजे पटना में अपने घर पहुंच गए। यह परिवर्तन आ गया है।

उन्होंने कहा कि, लालू जी के राज में क्या होता था। गाड़ी में पार्टी के लोग पीछे बैठते थे। बाईं और दाईं ओर के शीशे उतारकर दो राइफल लिए लोग बाएं और दाहिने ओर बैठते थे। वे स्कार्पियों में जाते थे और लोगों को आतंकित करते हुए चलते थे। नीतीश कुमार के राज में किसी माई के लाल में ताकत है बोलेरो और स्कार्पियो की शीशा उतारकर राइफल निकालकर चलेगा।

किसी में यह ताकत नहीं है कि यह साहस करेगा। जो यह साहस करेगा वह जेल जाएगा।'' उन्होंने कहा कि ''पहले बिजली दिन में घंटे दो घंटे मिलती थी, आज नीतीश कुमार के राज में हर घर में बिजली पहुंच गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, पाकिस्तान हम पर गोला दागेगा तो हम पाकिस्तान की धरती में घुसकर गोला दागेंगे। पाकिस्तान में ड्रोन से हमला हमारी सेना ने किया। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सुरक्षा मजबूत है। प्रधानमंत्री ने देश का मान, सम्मान और स्वाभिमान जो दुनिया में बढ़ाया है, वह इतिहास बना है। पहले देश के प्रधानमंत्री किसी देश में जाते थे तो वहां के प्रधानमंत्री के सामने सिर झुकाकर बात करते थे। आज नरेंद्र मोदी किसी देश में जाते हैं तो वहां के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से आंख से आंख मिलाकर बात करते हैं। यह वही आदमी कर सकता है जिसमें आत्मबल है, जिसने यह संकल्प लिया हो कि हम देश को आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे। हम देश को विकसित भारत बनाएंगे।

सिंह ने कहा कि, आज हमारा देश आत्मनिर्भर हुआ है। जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तब देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। मोदी जी के 11 वर्ष के कार्यकाल में यह 11वें से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। मोदी जी ने कहा है कि अगले पांच साल में हम पांच नंबर से तीन नंबर पर पहुंच जाएंगे। आज पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं गिर रही हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि, मोदी जी के मंत्रिमंडल ने मोकामा से मुंगेर तक साढ़े चार हजार करोड़ की फोर लेन सड़क स्वीकृत की है। पटना से मोकामा सवा घंटे में पहुंच जाते हैं, यह नरेंद्र मोदी जी की सरकार की देन है। अभी उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर कितना ही दबाव हो हम देश के किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।

मोकामा विधानसभा क्षेत्र के मोर में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के इस कार्यकर्ता सम्मेलन में शाहनवाज हुसैन,अशोक चौधरी और अनंत सिंह मंच पर मौजूद थे। सम्मेलन में मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह का स्वागत किया गया। सम्मेलन में उनके दोनों बेटे भी मौजूद थे।

कुलगाम के काजीगुंड में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी पुराना आतंकी ठिकाना बरामद

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके में स्थित चुराट गांव में सुरक्षाबलों ने एक पुराना आतंकी ठिकाना बरामद किया है। यह कार्रवाई मंगलवार को की गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम ने चुराट गांव में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गांव में एक पुराना छिपा हुआ आतंकी ठिकाना मिला।

अधिकारी ने बताया कि ठिकाने को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया, जबकि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आसपास कोई और संदिग्ध गतिविधि न हो। दक्षिण कश्मीर के इलाकों में सुरक्षाबलों द्वारा लगातार तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि शांति व्यवस्था को बनाए रखा जा सके और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

बारिश-बाढ़ से दालों की 94 फीसदी खेती बर्बाद, बाहरी राज्यों से पूरी होगी प्रदेश की मांग

जम्मू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बारिश और बाढ़ से प्रदेश में दालों की 94 फीसदी फसल बर्बाद हुई है। इस बार प्रदेश की मांग पूरी करने के लिए पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ेगा। प्रदेश में 26755 मीट्रिक टन दालों की पैदावार होती है। इसमें पांच फीसदी उत्पादन जम्मू संभाग तो दस फीसदी कश्मीर में होता है। बारिश के कारण जम्मू संभाग में ज्यादा नुकसान हुआ है।

कृषि विभाग ने अपनी रिपोर्ट राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) को सौंप दी है। सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर सहित अन्य जिलों में हुआ है। कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में 32070 हेक्टेयर में दालों की खेती होती है। इसमें 30 हजार हेक्टेयर बर्बाद हो गई है। इस बार मात्र 1605.3 टन पैदावार के आसार हैं। इससे किसान मुश्किल से अपनी ही जरूरत पूरी कर सकेंगे। बाकी खपत के लिए बाहर से दालें मंगवानी पड़ेंगी। बता दें कि प्रदेश में मूंग, काले माह, काले चने, मसर, काले मसर की बिजाई की जाती है।

सरसों तेल भी बाहर से खरीदना पड़ेगाबारिश से तिलहन की खेती भी बर्बाद हो गई है। प्रदेश में 98,916 हेक्टेयर में खेती की गई थी। इसमें से 90 हजार हेक्टेयर में बर्बाद हो गई है। इससे इसकी मांग भी बाहरी राज्यों से पूरी करनी होगी। फसल बर्बाद होने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ट्रेडर्स फेडरेशन ऑफ वेयरहाउस के अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में करीब 40 टन दालों की रोज आपूर्ति होती है। इस बार दालों की फसल बर्बाद होने से ज्यादातर बाहरी राज्यों से मांग पूरी करनी पड़ेगी। कनक मंडी में दालों के थोक व्यापारी आशू ने बताया कि पड़ोसी राज्यों से दालें मंगवाकर प्रदेश की मांग पूरी करनी पड़ेगी।

बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना नहीं: गिरिराज सिंह

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस बार हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा सप्ताह के रूप में नहीं, बल्कि 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाएंगे। इस दौरान उन्होंने यह दावा किया कि बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावना नहीं है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन बिहार में आज से नहीं, कई सालों से मनाया जा रहा है। हम लोग उनका जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। उनके जन्मदिन को मनाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही हमें स्वीकार्य नहीं है। इस बार प्रधानमंत्री के जन्मदिन के मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि इस खास मौके पर हम लोग गरीबों के बीच में जाकर सेवा करेंगे। 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण करेंगे। हम 'ब्लड डोनेशन कैंप' का भी आयोजन करेंगे। हम लोग स्वच्छता का भी काम करेंगे। हम लोग भगवान से आशीर्वाद भी प्राप्त करेंगे।

इसके अलावा, उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी घर में बैठकर गाना गाएंगे या सड़क पर घूमते हुए कहेंगे कि दिल के अरमा आंसुओं में बह गए। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी के लिए सब कुछ कर दिया, लेकिन स्थिति देखिए कि राहुल गांधी ने एक बार भी तेजस्वी यादव का नाम लेना जरूरी नहीं समझा। आज तेजस्वी यादव की हालत किसी से छुपी नहीं है। मैं तो कहता हूं कि इन दोनों ही नेताओं की स्थिति अप्रासंगिक होती जा रही है। दोनों ही नेताओं के बीच छक्का पंजा की स्थिति बनी हुई है। दोनों के बीच किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावनाएं नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार में 1971 से घुसपैठियों को शरण दी जा रही है, जिसे अब मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मैं समझता हूं कि घुसपैठियों को न किसी विशेष राज्य, बल्कि देश के किसी भी कोने में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित तौर पर इन सभी लोगों की पहचान होनी चाहिए और इन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। गिरिराज सिंह ने 'बंगाल फाइल्स' का भी जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल की स्थिति बहुत ही खराब है। यह राज्य अब गजवा-ए-हिंद की राह पर चल पड़ा है। वहां आज हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं। ममता बनर्जी के राज में हिंदुओं का जीना मुहाल हो चुका है, लेकिन ये लोग ऐसे नेताओं को बचाने के लिए वोट चोरी का शिगूफा छोड़ रहे हैं। मैं एक बात कह देना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार बनेगी तो किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को बख्शा नहीं जाएगा। सभी को चिन्हित कर देश की सीमा से बाहर खदेड़ा जाएगा।

व्यापारियों ने उठाई सिंगल विंडो सिस्टम की मांग

एक एनओसी खत्म, दूसरी की शुरुआत नहीं

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा व्यापार सुगमता पर जोर दिए जाने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में उद्यमियों को नौकरशाही संबंधी देरी और जटिल प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा है। व्यावसायिक संचालन के लिए अनुमोदन में कई महीने लग जाते हैं। होटल व्यवसायियों को विभिन्न विभागों से कई एनओसी लेनी होती है लेकिन एक एनओसी प्राप्त होने तक दूसरी समाप्त हो जाती है।

ऐसे में प्रक्रियात्मक बाधाओं का एक लंबी श्रृंखला बन जाती है। हमारा अनुरोध है कि सिंगल विंडो सिस्टम का पालन मजबूती से कराया जाए।यह बातें कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल

ने सोमवार को संसदीय स्थायी समिति के साथ बैठक के दौरान कही। चैंबर की तरफ से वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशिक हुसैन शांगलू और संयुक्त महासचिव उमर नजीर तिब्बत बकल ने ज्ञापन भी सौंपा।

बैठक की अध्यक्षता संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष डोला सेन कर रही थीं। उनके साथ संसद सदस्य रेणुका चौधरी, अवस्थी रमेश, यूसुफ पठान, डॉ. शिव पाल सिंह पटेल, सदानंद म्हालू शेट तनावड़े, संतोष पांडे, प्रसून बनर्जी और डॉ. प्रशांत यादोराव पडोले सहित कई अन्य सांसद मौजूद रहे।

केसीसीआई के पदाधिकारियों ने बताया कि दशकों में पहली बार जम्मू-कश्मीर में कोई औद्योगिक प्रोत्साहन योजना लागू नहीं है। 28,400 करोड़ की नई केंद्रीय क्षेत्र योजना सितंबर 2024 तक समाप्त हो गई थी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अतिरिक्त 75,000 करोड़ की मांग की है। केसीसीआई ने कहा कि समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए नई योजना में स्थानीय उद्यमियों के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत कोटा आरक्षित होना चाहिए।

केसीसीआई ने एक लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना और अतिरिक्त पार्सल ट्रेनें चलाने की सिफ़ारिश की। खासकर फलों की कटाई और सर्दियों के महीनों में। चैंबर के पदाधिकारियों ने बताया कि लॉजिस्टिक्स पार्क और वेयर हाउसिंग केंद्र का अभाव व्यापार को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है।

बताया कि अधिमान्य खरीद नीति के अस्तित्व में होने के बावजूद, इसके कमज़ोर कार्यान्वयन ने स्थानीय निर्माताओं को व्यापारियों के पक्ष में अनुबंधों से वंचित कर दिया है। औद्योगिक आधार की रक्षा के लिए स्थानीय इकाइयों को प्राथमिकता देने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कम या गलत सिबिल स्कोर के कारण उद्यमियों को ऋण न दिए जाने पर भी चिंता जताई। आरबीआई और बैंकों से जम्मू-कश्मीर के लिए एक रियायती ढांचा बनाने का आग्रह किया, जिससे ऋण की पहुंच और भी बेहतर हो।

केसीसीआई ने वैश्विक व्यापार मेलों में आईटी स्टार्टप्स की भागीदारी और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों में कश्मीरी उद्यमियों को शामिल करने की सिफारिश की। ताकि उन्हें वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने में मदद मिल सके।

मांझी का तेजस्वी पर तंज

राहुल गांधी ने सीएम फेस नहीं बनाया तो अकेले निकल पड़े

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव के बयान का जवाब देते हुए कहा कि महागठबंधन के नेता बिना किसी ठोस आधार के बयानबाजी कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा था कि 'बीजेपी के दो गुजराती नेताओं ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है।'

गयाजीः केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार किया। तेजस्वी ने कहा था कि 'बीजेपी के दो गुजराती नेताओं ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है,' जिस पर मांझी ने कहा कि महागठबंधन के नेता गलत बयानबाजी करते हैं और उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है।गया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को जीतन राम मांझी ने कहा कि महागठबंधन ने राहुल गांधी के हाथों में सब कुछ बेच दिया है, और जब राहुल गांधी ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाया, तो तेजस्वी यादव अकेले यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस तर्क नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने पूर्णिया में हुए विकास कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में 40 हजार करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है, जिससे विकास की गति तेज हुई है।मांझी ने यह भी घोषणा की कि पहली बार गया के बोधगया में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय का एक बड़ा महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पूरे बिहार से लोग जुटेंगे और उन्हें 'पीएम विश्वकर्मा' योजना के तहत टूलकिट और आर्थिक सहायता दी जाएगी। मांझी ने बताया कि यह आयोजन 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू किया जाएगा। मांझी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे 100 वर्ष तक जिएं। उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जब से उन्होंने अपनी मां के अंतिम संस्कार में कंधा दिया, तब से उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली।

चिराग पासवान ने सीएम पद को लेकर तोड़ी चुप्पी, कहा-

किसी के कहने से कुछ नहीं होता है, सबकी सहमति जरूरी

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद किसी एक पार्टी के कहने से तय नहीं होता, बल्कि इसके लिए पूरे गठबंधन की सहमति जरूरी होती है।

चिराग पासवान ने एक निजी टीवी चैनल के दिए इंटरव्यू में स्पष्ट किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

उन्होंने कहा कि इस पद के लिए कोई 'वैकेंसी' नहीं है, और सभी

सहयोगी दल नीतीश कुमार के नाम पर सहमत हैं।

चिराग पासवान ने यह बयान अपने उन समर्थकों और कार्यकर्ताओं के जवाब में दिया है, जो उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे हैं और रैलियों में 'हमारा सीएम कैसा हो, चिराग पासवान जैसा हो' जैसे नारे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वह एनडीए में वापस आए थे, तभी यह तय हो गया था कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

चिराग पासवान ने यह भी कहा कि फिलहाल उनकी मुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य ध्यान 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान पर है, जिसका लक्ष्य बिहार को जल्द से जल्द एक विकसित राज्य बनाना है।

इससे पहले एनडीए में मुख्यमंत्री पद को लोजपा आर के कई सांसदों और कई नेताओं की ओर से चिराग पासवान के सीएम फेस बताने की कोशिश की गई।

निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे दिखाई करियर की कुछ झलकियां

टीवी इंडस्ट्री की चमकती सितारा निया शर्मा ने अपने अभिनय करियर के 15 साल पूरे कर लिए हैं। अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर निया ने इस खास मौके को धूमधाम से मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी जर्नी की शानदार झलकियां साझा कीं।निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनकी 15 साल की मेहनत और सफलता को दर्शाती हैं। पहली वीडियो में उनकी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा दिखाई गई है, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 15 साल पूरे! दूसरी वीडियो उनके किसी फैन ने लगाई थी, जिसको निया ने रिपोस्ट किया।वीडियो में उनके सीरियल्स, म्यूजिक वीडियो और अवॉर्ड शो के खास पल शामिल हैं।

तीसरी पोस्ट में निया एक खूबसूरत केक काटती नजर आईं, जिस पर उनकी तस्वीर छपी थी। एक अन्य वीडियो में निया ने मजाकिया अंदाज में कहा, ये केक इतना प्यारा है कि मेरा मन इसे काटने को नहीं कर रहा!

निया ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में स्टार प्लस के धारावाहिक ''काली – एक अग्निपरिक्षा' से की थी, जिसमें उन्होंने अनु का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'एक हजारों में मेरी बहना है' में मानवी चौधरी के किरदार में नजर आई थीं, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था।इसके बाद निया ने 'जमाई राजा' में रोशनी पटेल और 'इश्क में मरजावां' और 'नागिन 4' में बृंदा पारेख जैसे किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के साथ-साथ निया ने रियलिटी शो में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वह 'खतरों के खिलाड़ी 14' और 'झलक दिखला जा 10' का हिस्सा रह चुकी हैं। निया हाल ही में 'लाफ्टर शेफ्स – अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे। शो में भारती सिंह और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज थे।

रूश सिंधु ने जीता मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025 का ताज, टोक्यो में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

नागपुर शहर की होनहार मॉडल रूश सिंधु ने प्रतिभा और मेहनत के दम पर 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वे अब भारत का प्रतिनिधित्व 'मिस इंटरनेशनल 2025' प्रतियोगिता में करेंगी, जो 27 नवंबर को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होगी।रूश की यह जीत न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे नागपुर और देश के लिए गर्व का पल है।

रूश सिंधु ने इससे पहले 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' में टॉप-6 फाइनलिस्ट में जगह बनाई थी। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें इस ऊंचाई तक पहुंचाया। नागपुर लौटने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ, जिसमें परिवार, दोस्त और प्रशंसक शामिल थे। इस मौके पर रूश ने अपनी खुशी और भावनाएं भी व्यक्त कीं।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश और आभारी हूं। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे देश और दुनिया भर से मिल रहे प्यार और समर्थन ने भावुक कर दिया। आप सभी का साथ मेरे लिए अनमोल है। यह पहली बार है, जब मैं ताज जीतने के बाद अपने परिवार से मिल रही हूं। अपने माता-पिता और अपनों के बीच होना बहुत खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना सपना था। अब मैं इसे जी रही हूं।रूश ने कहा, हर प्रतियोगिता में चुनौतियां होती हैं, लेकिन सही तैयारी ही सफलता की कुंजी है। हमें हर पहलू पर ध्यान देना होता है, ताकि हम एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में उभर सकें। मेरी कोशिश यही है कि मैं हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार रहूं।

उन्होंने कहा, मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना बेहद जरूरी है। कोविड-19 महामारी ने हमें यह सिखाया कि अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना कितना महत्वपूर्ण है। मैंने मनोविज्ञान में पांच साल तक अध्ययन किया है, जिससे मुझे भावनात्मक बुद्धिमत्ता की गहराई समझ में आई। अगर हम अपने मन को समझें, तो हम उसका सही उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा, हर उस लड़की को, जो मॉडलिंग या ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती है, मैं यही कहूंगी कि अपने माता-पिता का समर्थन जरूर लें। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक अनमोल अनुभव है। खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। अगर आप खुद पर यकीन करेंगी, तो आपका परिवार और पूरी दुनिया आपका साथ देगी।रूश केवल ब्यूटी पेजेंट तक सीमित नहीं हैं। वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं और खासकर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही हैं।

ट्रेंड्स नहीं, क्रिएटिविटी के लिए काम करना ही मेरा मकसद : सबा आजाद

अभिनेत्री और गायिका सबा आजाद इन दिनों अपनी नई सीरीज सॉन्स ऑफ पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस से अपने करियर के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे उन्होंने खुद को इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने से बचाए रखा।सबा एक प्रोफेशनल वॉयस ओवर आर्टिस्ट और सिंगर भी हैं। उन्होंने रॉकेट बॉयज, बंदर, मुझसे दोस्ती करोगे जैसी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन काम किया है। सबा से जब पूछा गया कि अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए हैं, यह किसी प्लानिंग का हिस्सा है या फिर अपने आप उन तक ऐसे किरदार पहुंचे।इसका जवाब देते हुए सबा ने कहा, मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनने की कोशिश करती हूं, जो मुझे रोमांचित करें। शुक्र है कि हर प्रोजेक्ट एक-दूसरे से अलग रहा है, जिससे मुझे हर काम में खुद को पूरी तरह झोंकने और कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है।

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कलाकारों को एक ही तरह के किरदार ऑफर होते हैं या उन्हें वैसे रोल्स तक सीमित कर दिया जाता है। इससे वो कैसे बचीं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं ट्रेंड्स का पीछा नहीं करती, बल्कि सृजन की खुशी ही मेरे काम की सबसे बड़ी वजह है। क्रिएटिविटी के लिए ही मैं काम करना पसंद करती हूं।सबा आजाद इन दिनों बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। कुछ समय पहले लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया था और कहा था कि ऋतिक की गर्लफ्रेंड हो, तुम्हें काम करने की क्या जरूरत? उन्होंने ट्रोल्स को करारा जवाब देकर उनकी बोलती बंद कर दी थी। सबा आजाद ने 2008 में डायरेक्टर अनिल सीनियर की फिल्म 'दिल कबड्डी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सबा आजाद बहुत जल्द फिल्म 'बंदर' में दिखाई देंगी। इसे टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) के 50वें संस्करण में प्रीमियर किया गया था। इसकी कहानी बलात्कार के आरोपी एक सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कानूनी व्यवस्था में व्याप्त अन्याय को उजागर करती है। इसे निखिल द्विवेदी और अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। इसमें बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे सितारे भी हैं।

शिल्पा शेट्टी ने सिखाया भ्रामरी योग, बोलीं गुनगुनाकर पाएं मन की शांति

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस, आकर्षक व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली के लिए जानी जाती हैं। वे लंबे समय से योग, स्वस्थ खानपान और नियमित व्यायाम को बढ़ावा देती रही हैं। सोमवार को उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए सोशल मीडिया पर भ्रामरी प्राणायाम सिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया।इस वीडियो के जरिए शिल्पा ने न केवल इस योग क्रिया को करने का आसान तरीका बताया, बल्कि इसके फायदों को भी उजागर किया।

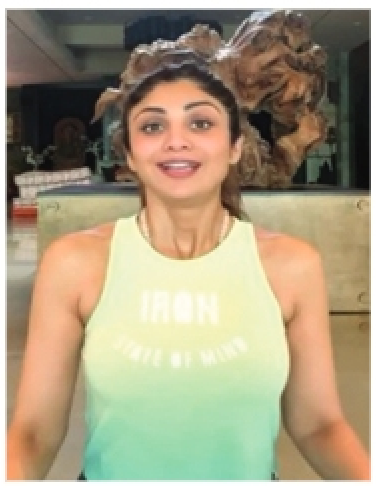

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में बताया कि यह एक ऐसी योग क्रिया है, जिसमें हल्की गुनगुनाहट के साथ सांस ली और छोड़ी जाती है।शिल्पा के मुताबिक, नियमित रूप से भ्रामरी करने से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और जीवन में संतुलन बना रहता है। यह योग मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ एकाग्रता बढ़ाने में भी मददगार है।

इस संदेश के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को इस सरल योग क्रिया को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

शिल्पा ने यह भी बताया कि भ्रामरी प्राणायाम न केवल मन को सुकून देता है, बल्कि यह नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

शिल्पा शेट्टी लंबे समय से फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली की प्रबल समर्थक रही हैं। वह अपने सोशल मीडिया पर नियमित रूप से योगासन, व्यायाम के टिप्स और पौष्टिक खानपान से जुड़े नुस्खे साझा करती रहती हैं।

इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह एरोबिक्स स्टेप वर्कआउट करती दिख रही थीं। इसी के साथ उन्होंने इसके फायदे के बारे में भी बताया था।इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, कूदो, झुको, लेकिन कभी रुको मत। शिल्पा जल्द ही कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में दिखेंगी। इसके निर्देशक प्रेम हैं। फिल्म में शिल्पा के साथ ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीश्मा नानैया और नोरा फतेही जैसे सितारे नजर आएंगे।

तमन्ना भाटिया : डू यू वाना पार्टनर महिला उद्यमियों की अलग तस्वीर पेश करेगा

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं।डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा।

तमन्ना भाटिया ने कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं।ह्लतमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो 'एली मैकबील' था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है।

'डू यू वाना पार्टनर' कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई। वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा। 'डू यू वाना पार्टनर' में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं।

आज विश्वकर्मा पूजा

पूजा में भूलकर भी न करें ऐसी गलती वरना पछताएंगे पूरे साल

पूजा हर साल सूर्य के कन्या राशि में आने पर आयोजित होता है। आमतौर पर 17 सितंबर के दिन सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करते हैं। इस साल भी सूर्य 16 तारीख की मध्यरात्रि के बाद रात 1 बजकर 47 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में 17 सितंबर को पूरे देश में विश्वकर्मा पूजा किया जाएगा।

विश्वकर्मा पूजा क्यों मनाते हैं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विश्वकर्मा का जन्म अश्विन संक्रांति के दिन हुआ है। इसलिए हर साल इसी दिन विश्वकर्मा जयंती पर विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया जाता है। भगवान विश्वकर्मा का हर युग में सम्मान रहा है। देवी देवता भी भगवान विश्वकर्मा का आदर करते हैं। ऐसी कथा है कि सृष्टि के निर्माण के लिए यह उलझन हुई कि सृष्टि बनेगी तो पृथ्वी का आकार कैसा होगा। तब भगवान विश्वकर्मा ने ही पृथ्वी को आकार दिया था।

विश्वकर्मा पूजा का महत्व

जब देवताओं को वृत्रासुर ने पराजित कर दिया था उस समय देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विश्वकर्मा ने ही महर्षि दधीचि की अस्थियों से देवताओं के लिए अस्त्र शस्त्र का निर्माण किया था। देवराज इंद्र का वज्र भी भगवान विश्वकर्मा ने ही बनाया था। जिससे देवताओं ने वृत्रासुर का वध करके वापस स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। भगवान विश्वकर्मा सूर्यदेव के भी रिश्तेदार लगते हैं। भगवान विश्वकर्मा की पुत्री का विवाह सूर्यदेव से हुआ है इसलिए रिश्ते में भगवान विश्वकर्मा सूर्यदेव के ससुर लगते हैं। सूर्यदेव का तेज पहले और भी अधिक था जिसे इनकी पत्नी सहन नहीं कर पा रही थी। ऐसे में सूर्यदेव के तेज को छाँटकर आकार देने का काम भी भगवान विश्वकर्मा ने किया। द्वापर में भगवान विश्वकर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण ने बुलाने पर द्वारका नगरी का निर्माण किया था। अब कलियुग में सबकुछ मशीन और कलपुर्जे से चलने वाले हैं। ऐसे में भगवान विश्वकर्मा का महत्व और बढ़ गया है। क्योंकि लगभग हर घर में कुछ न कुछ उपकरण, वाहन, और मशीनरी होती है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा कलियुग में हर किसी को करना चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा के लाभ

भगवान विश्वकर्मा को देव शिल्पी कहा जाता है। भगवान विश्वकर्मा ही कलपुर्जे और मशीनरी के देवता माने जाते हैं। इनकी पूजा से शिल्पकारों, बढ़ई, मैकेनिक और मिस्त्री के काम में दक्षता आती है। ऐसा माना जाता है कि जैसे देवी सरस्वती विद्यार्थियों को ज्ञान और विद्या देती हैं उसी प्रकार भगवान विश्वकर्मा अपने भक्तों को कार्यक्षेत्र में दक्षता प्रदान करते हैं। भगवान विश्वकर्मा की पूजा से वाहन, मशीनरी आदि सुचारू रूप से काम करते हैं और उनमें कम खराबी आती है जिससे कमाई बढ़ती और मशीनरी पर खर्च भी कम आता है। वाहन आपको रास्ते में खराब होकर परेशान नहीं होने देता है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा भक्ति भाव से करनी चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा में भूल कर भी नहीं करें यह भूल

विश्वकर्मा पूजा करने वाले लोगों को विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने औजारों को धोकर अथवा साफ करके पूजा स्थल पर भगवान विश्वकर्मा के सामने रखना चाहिए और पूजा के बाद औजारों की भी पूजा करें।

घर में जो भी उपकरण हैं उनकी साफ सफाई विश्वकर्मा पूजा के दिन जरूर करें। पूजा के बाद सभी उपकरण पर स्वास्तिक का चिह्न बनाना चाहिए।

आपके पास वाहन है तो वाहन की सफाई करें। वाहन में कोई दिक्कत है तो उसे पहले ही ठीक करवा लें। वाहन की पूजा करें और वाहन पर भी स्वास्तिक का चिह्न सिंदूर अथवा रोली से बनाएं। वाहन में भगवान विश्वकर्मा का वास मानकर माला पहनाएं। पूजा के बाद वाहन को स्टार्ट जरूर करें। और भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना करें कि वाहन के कलपुर्जे कुशलता से काम करते रहें। कभी रास्ते में धोखा न दे।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा के दिन अगर संभव हो तो पूजा के बाद मशीनरी को बंद रखें। अगले दिन की पूजा के बाद ही मशीनरी को फिर से चालू करें।

विश्वकर्मा पूजा के दिन किसी भी शिल्पकार, मैकेनिक, मिस्त्री, के साथ गलत बात व्यवहार करने से बचें। अगर संभव है तो जहां भी विश्वकर्मा पूजा किया जा रहा हो वहां अपनी ओर से कुछ सहयोग कर देना चाहिए।

विश्वकर्मा पूजा के दिन सूर्य संक्रांति भी होती है इसलिए इस दिन भगवान सूर्य की भी पूजा करनी चाहिए और अन्न, वस्त्र का दान किसी बुजुर्ग व्यक्ति को करना चाहिए। अगर आप अपने ससुरजी को दान देंगे तो यह अधिक उत्तम रहेगा।

विश्वकर्मा पूजा सामग्री लिस्ट इन चीजों के बिना अधूरी रह सकती है आपकी पूजा

विश्वकर्मा जयंती हर साल भाद्रपद मास में जब सूर्य सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं तब मनाई जाती है। इस विशेष तिथि पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा विधि-विधान से की जाती है। वहीं, लोग अपने औजारों, फैक्ट्री, मशीनों, दुकान, वाहन आदि की पूजा भी करते हैं। साथ ही, इस दिन औजार से जुड़ा काम करने वाले लोग अपने औजारों का प्रयोग नहीं करते हैं। इस दिन पूजा के लिए कुछ जरूरी सामान का होना बेहद आवश्यक है, अन्यथा आपकी पूजा अधूरी रह सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें विश्वकर्मा पूजा के लिए किन-किन चीजों की जरूरत पड़ती है।

विश्वकर्मा पूजा के लिए आपको इन चीजों की आवश्यकता होगी

भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर, अक्षत, कुमकुम, गुलाल, सुपारी, फूल, रक्षासूत्र, फल, मिठाई, धूप, दही, दीपक, लकड़ी की चौकी, लाल या पीला वस्त्र आसन के लिए, पंचामृत, इलायची, जल से भरा कलश, गंगाजल और पंचमेवा।

विश्वकर्मा पूजा विधि : अपने पूजा स्थल को पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके बाद, वहां लकड़ी के चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर विश्वकर्मा भगवान की तस्वीर रखें। इसके बाद, अपने औजारों, मशीनों आदि को भी अच्छी तरह साफ करके रख लें। अब कुमकुम, अक्षत, फूल, गुलाल, धूप आदि से विधि-विधान से भगवान की पूजा करें। साथ ही, उन्हें पंचमेवा, मिठाई और फल भी जरूर चढ़ाएं। पूजा स्थल पर एक जल से भरा कलश भी जरूर रखें और उस पर रोली व अक्षत लगाएं। साथ ही, अपने मशीनों और औजारों पर भी तिलक व अक्षत लगाएं। सभी औजारों पर फूल चढ़ाकर विश्वकर्मा भगवान की आरती करें और आखिर में सभी में प्रसाद बांटें।

ज्योतिष शास्त्र भाग्य बताने का साधन नहीं!

कर्मशील बनने और अपने पुरुषार्थ से भविष्य को सँवारने का देता है संदेश!

व्यक्ति अपने अतीत को नहीं बदल सकता, वर्तमान से नहीं बच सकता, केवल भविष्य का निर्माण करना उसके हाथों में है, जो पुरुषार्थ द्वारा ही संपन्न किया जा सकता है। हम भाग्य को मानें अथवा न मानें, प्रत्येक दशा में हमारा कर्तव्य शुभ कर्म संपादन हेतु निरंतर पुरुषार्थ करते रहना चाहिए।

भविष्यवाणी की दो संभावित प्रतिक्रियाएं- लोग अपना भाग्य जानने के लिए प्रायः ज्योतिषियों का सहारा लेते हैं। इस प्रक्रिया का परिणाम प्रायः दो रूपों में मिलता है। कुछ लोग ग्रह दशा के अनुसार अपने कार्यक्रम, अपने पुरुषार्थ की दिशा को निर्धारित कर लेते हैं, इस प्रकार वे अपने ऊपर आए अनिष्ट ग्रहों के कुप्रभाव को मंद तथा शुभ प्रभाव को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास करते हैं, जबकि अन्य कुछ लोग भावी अच्छे प्रभाव की संभावना में भविष्य के प्रति निश्चित हो जाते हैं और इस प्रकार से पुरुषार्थ रहित होकर लाभ से वंचित हो जाते हैं, क्योंकि वे कर्म करना बन्द कर देते हैं। दूसरी तरह के लोग भावी बुरे प्रभाव को अवश्यंभावी मानकर उसी क्षण से चिंताग्रस्त हो जाते हैं और हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं, जो निष्क्रियता को जन्म देता है।

ज्योतिष शास्त्र का मूल उद्देश्य- आकाश में ग्रह-नक्षत्रों की गति मनुष्य के जीवन पर सूक्ष्म प्रभाव डालती है, किंतु उनका असर तभी फलदायी बनता है जब हम स्वयं कर्मशील बने रहें। ज्योतिष शास्त्र का उद्देश्य आपको निष्क्रिय बनाना नहीं है, बल्कि पुरुषार्थ की सही राह दिखाना है। ज्योतिष और भाग्यफल की शरण में जाने का उद्देश्य पुरुषार्थ होना चाहिए, न कि निष्क्रिय होकर बैठ जाना। ज्योतिष शास्त्र भाग्य बताने का साधन भर नहीं है, बल्कि यह हमें कर्मशील बनने और अपने पुरुषार्थ से भविष्य को सँवारने का संदेश देता है।

चेतावनी और प्रेरणा देने का साधन- यदि हम अशुभ फल की संभावना से भयभीत होकर निराशा में डूब जाएं तो हमारी मानसिक ऊर्जा क्षीण हो जाती है और जीवन ठहराव का शिकार हो जाता है। ज्योतिष वास्तव में मनुष्य को चेतावनी और प्रेरणा देने का साधन है। यह हमें बताता है कि कौन-सा समय हमारे प्रयासों के लिए अनुकूल है और किन परिस्थितियों में हमें अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। दिशा दिखाना और मार्ग बताना ही ज्योतिषी का कार्य है, चलना तो मनुष्य को स्वयं ही पड़ता है। अतः आवश्यक है कि मनुष्य ज्योतिष को मार्गदर्शक मानते हुए सतत पुरुषार्थ करता रहे।

इंदिरा एकादशी व्रत कथा, सभी पापों से मिलेगी मुक्ति और व्रत का पूर्ण फल होगा प्राप्त

युधिष्ठिर ने पूछा- मधुसूदन! कृपा करके मुझे यह बात बताइए कि आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में कौन-सी एकादशी आती है?कृष्ण पक्ष में इंदिरा नाम की एकादशी आती है, जिसके व्रत के प्रभाव से बड़े-बड़े पापों का नाश हो जाता है। वहीं, नीच योनि में पड़े हुए पितरों को भी यह एकादशी सद्गति देने वाली मानी जाती है। राजन! पूर्व काल की बात है, सत्य युग में इन्द्रसेन नामक एक राजकुमार थे, जो माहिष्मती पुरी के राजा होकर धर्म पूर्वक प्रजा का पालन करते थे। उनका यश चारों ओर फैल हुआ था। राजा इन्द्रसेन भगवान विष्णु की भक्ति में तत्पर हो गोविंद के मोक्ष दायक नामों का जाप करते हुए अपना समय निकालते थे और विधिपूर्वक अध्यात्म तत्त्व के चिंतन में लगे रहा करते थे। एक दिन राजा राजसभा में सुखपूर्वक बैठे हुए थे, तभी देवर्षि नारद आकाश से उतरकर वहां आ पहुंचे। उन्हें आता हुआ देखकर राजा हाथ जोड़कर खड़े हो गए और विधिपूर्वक पूजन करके उन्हें आसन पर बिठा दिया, इसके बाद, उन्होंने बोला- मुनिश्रेष्ठ! आपकी कृपा से मेरी सर्वथा कुशल है। आज आपके दर्शन से मेरी सभी यज्ञ-क्रियाएं सफल हो गई हैं। देवर्षे, आप अपने आने का कारण बताकर मुझ पर कृपा कीजिए।

नारदजी ने कहा- नृपश्रेष्ठ! सुनो, मेरी बात तुम्हें आश्चर्य में डालने देंगी, मैं ब्रह्म लोक से यमलोक में आया था, तभी वहां एक श्रेष्ठ आसन पर बैठा और यमराज ने मेरी भक्ति पूर्वक पूजा की। यमराज की सभा में मैंने उस वक्त तुम्हारे पिता को भी देखा। वे व्रत भंग के दोष से वहां आए हुए थे। राजन, उन्होंने तुम्हें एक संदेश देने के लिए कहा था, उसे सुनो। उन्होंने कहा, बेटा। मुझे इंदिरा' एकादशी के व्रत का पुण्य देकर स्वर्ग में भेज दो। उनका यही संदेश बताने के लिए मैं तुम्हारे पास आया हूं। राजन, अपने पिता को स्वर्ग लोक की प्राप्ति कराने हेतु 'इंदिरा' एकादशी का व्रत करो।

इंदिरा एकादशी 2025 व्रत कथा

राजा ने सवाल किया- भगवन, कृपा करके इंदिरा' व्रत की विधि मुझे बताएं। किस पक्ष में, किस तिथि को और किस विधि से इसका व्रत करना चाहिए।

नारद जी ने कहा- राजेन्द्र, सुनो, मैं तुम्हें इस व्रत की शुभ कारक विधि बताता हूं। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में दशमी तिथि के उत्तम दिन पर श्रद्धायुक्त मन से प्रातःकाल स्नान करें। फिर, मध्याह्नकाल में खान करके एकाग्रचित्त हो एक समय भोजन ग्रहण करें तथा रात्रि के समय भूमि पर शयन करें। रात्रि के अंत में निर्मल प्रभात होने पर एकादशी व्रत के दिन दातुन करके मुंह धो लें। इसके बाद, भक्ति के भाव से निप्रामित मंत्र पढ़ते हुए उपवास का नियम ग्रहण करें। अद्य स्थित्वा निराहारः सर्वभोगविवर्जितः । श्श्रो भोक्ष्ये पुण्डरीकाक्ष शरण मे भवाच्युत ।। कमलनयन भगवान नारायण, आज मैं सभी भोगों से अलग हो निराहार रहकर कल भोजन करूंगा। अच्युत । आप मुझे शरण दीजिए।

इस प्रकार नियम करके मध्याह्नकाल में पितरों की प्रसन्नता के लिए शालग्राम शिला के सामने विधिपूर्वक श्राद्ध करें और दक्षिणा से ब्राह्मणों का सत्कार करके उन्हें भोजन कराना चाहिए। पितरों को दिए हुए अन्नमय पिंड को सूंघकर विद्वान पुरुष गाय को खिला दें। इसके बाद, धूप और गंध आदि से भगवान हृषीकेश का पूजन करें व रात्रि के समय उनके समीप जागरण करें। तत-पश्चात सुबह होने पर द्वादशी के दिन दोबारा भक्ति पूर्वक श्री हरि की पूजा करनी चाहिए। फिर, ब्राह्मणों को भोजन कराने के पश्चात भाई-बंधु, नाती और पुत्र आदि के साथ स्वयं मौन होकर भोजन करना चाहिए।

राजन, इस विधि से आलस्य रहित होकर तुम 'इंदिरा' का व्रत करो। ऐसा करने से तुम्हारे पितर भगवान विष्णु के वैकुण्ठ-धाम में चले जाएंगे।

भगवान कृष्ण कहते हैं- राजन, राजा इन्द्रसेन से इस बात को कहकर देवर्षि नारद अन्तर्धान हो गए । राजा ने उनके द्वारा बताई हुई विधि से अन्तःपुर की रानियों, पुत्रों और भृत्यो सहित उस उत्तम व्रत का अनुष्ठान किया। कुन्तीनन्दन, व्रत पूरा होने पर आकाश से फूलों की वर्षा होनी शुरू हो गई। इन्द्रसेन के पिता गरुड़ पर आरूढ़ होकर श्रीविष्णु धाम की ओर चले गए और राजर्षि इन्द्रसेन भी अकण्टक राज्य का उपभोग करके अपने पुत्र को राज्य सौंपकर स्वयं स्वर्ग लोक चले गए। इस प्रकार मैंने तुम्हारे सामने इन्दिरा व्रत के महात्म्य का वर्णन किया है। इसे पढ़ने और सुनने से मनुष्य सब पापों से मुक्ति पा लेता है।

मृत व्यक्ति के लिए रोना-धोना छोड़कर पिंडदान, श्राद्ध आदि कर्म करें

चूंकि मृत व्यक्ति के लिए शोक, दुःख, विलाप करने वाले बन्धु-बान्धव उसका कुछ भी उपकार नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें चाहिए कि वे रोना-धोना छोड़कर स्वस्थ होकर यथाशक्ति उसके कल्याण के निमित्त और्ध्वदैहिक पिंडदान, श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन, दान आदि सत्कर्म करें। इससे प्रेत, प्रेतत्व से मुक्त होकर सद्गति प्राप्त करता है। केवल रोना, विलाप करना, शोक मनाना तथा पिंड दान आदि कुछ भी कर्म न करना अज्ञानता है तथा मृत व्यक्ति अधोगति प्रदान करना है।

शोचन्तो नोपकुर्वन्ति मृतस्येह जना यतः।
अतो न रोदितव्यं हि क्रियाः कार्याः स्वशक्तिः।।

जन्मदाता, माता-पिता एवं परिजनों को मृत्योपरांत लोग विस्मृत न कर दें इसलिए उन्हें याद कर श्रद्धांजलि का विधान पितृपक्ष में बनाया गया है। पितृपक्ष में पितृगण ही आराध्य देवता माने गए हैं, पितरों की प्रसन्नता के बाद ही देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, ऐसा धर्मशास्त्रों में वर्णित है। पितृपक्ष में पितरों को श्रद्धांजलि देने से न केवल पितरों बल्कि श्रद्धांजलि देने वाले का परिवार सहित कल्याण होता है। पितृपक्ष में पितरों के निमित्त किया गया कोई भी धार्मिक कार्य, दान-पुण्य, कर्म व्यर्थ नहीं जाता है, पितरों को संतुष्ट कर वंशजों को उनका आशीर्वाद दिलाता है।

जन्मदाता, माता-पिता एवं परिजनों को मृत्योपरांत लोग विस्मृत न कर दें इसलिए उन्हें याद कर श्रद्धांजलि का विधान पितृपक्ष में बनाया गया है। पितृपक्ष में पितृगण ही आराध्य देवता माने गए हैं, पितरों की प्रसन्नता के बाद ही देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, ऐसा धर्मशास्त्रों में वर्णित है। पितृपक्ष में पितरों को श्रद्धांजलि देने से न केवल पितरों बल्कि श्रद्धांजलि देने वाले का परिवार सहित कल्याण होता है। पितृपक्ष में पितरों के निमित्त किया गया कोई भी धार्मिक कार्य, दान-पुण्य, कर्म व्यर्थ नहीं जाता है, पितरों को संतुष्ट कर वंशजों को उनका आशीर्वाद दिलाता है।

श्राद्ध में कुतुप काल क्या होता है ? इस समय श्राद्ध नहीं किया तो मिलते हैं ये बुरे परिणाम

पूर्वजों का ऋण चुकाने के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। श्राद्ध पितरों की आत्मा की शांति होता है और शास्त्रों में इसे करने का एक निश्चित समय बताया गया है। श्राद्ध कर्म के लिए कुतुप काल सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। क्या है कुतुप काल, इस दौरान श्राद्ध नहीं करने पर क्या होता है आइए जानते हैं।

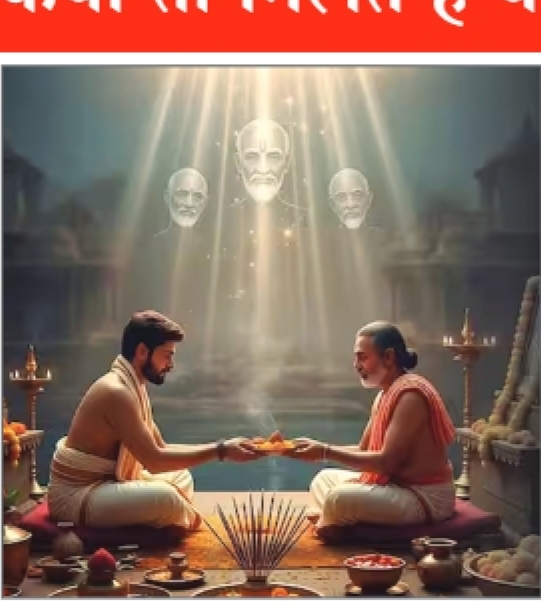

कुतुप काल क्या है?

पुराणों के अनसुरा पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध उचित वक्त पर करने से ही फलदायी होते हैं। श्राद्ध के लिए कुतुप काल को सबसे उचित मुहूर्त माना जाता है ये दिन का आठवां मुहूर्त होता है। जो तकरीबन सुबह 11।30 से 12।42 के बीच होता है।

इस दौरान अग्नि के जरिए पितरों को भोग लगाना शुभ होता है क्योंकि मान्यता है कि इस वक्त पितरों का मुख पश्चिम की ओर हो जाता है, पितर अपने वंशजों के जरिए श्रद्धा से लगाए भोग को बिना किसी कठिनाई के ग्रहण कर लेते हैं। श्राद्ध के लिए दोपहर का समय क्यों है श्रेष्ठ

पुराणों के अनुसार सूय के जरीए ही श्राद्ध हमारे पितरों तक पहुंचता है। इसलिए पुराणों में सूर्य का एक नाम पितर भी बताया गया है। दोपहर के समय सूर्य अपने पूरे प्रभाव में होता है जिससे पितरों को श्राद्ध ग्रहण करने में आसानी होती है।

कुतुप काल में श्राद्ध नहीं करने पर क्या होता है?

कहा जाता है कि कुतुप मुहूर्त में पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म ना करने से अनुष्ठान अधूर रह जाता है। साथ ही पितरों की आत्मा बिना तृप्त हुए वापस लौट जाती है और फिर परिवार जन को कष्टों का सामना करना पड़ता है।

सुबह या शाम श्राद्ध क्यों नहीं करना चाहिए ?

धर्म ग्रंथों के अनुसार सुबह का समय देवी-देवताओं की पूजा का होता है, और पितर-देव पूजन एक साथ नहीं किए जाते हैं। वहीं शाम का समय राक्षसों के लिए होता है। यह श्राद्ध कार्यों के लिए निंदित माना जाता है।

संपादकीय

घुसपैठियों को कौन खदेड़ेगा

2016 में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद को बताया था कि भारत में लगभग 2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। यह ऑस्ट्रेलिया की पूरी आबादी के बराबर है। 2004 में तत्कालीन यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने खुलासा किया था कि देश के 17 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में कुल 1 करोड़ 20 लाख 53,950 अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मौजूद हैं। ये आंकड़े सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठियों के थे, जबकि म्यांमार, नेपाल और अन्य देशों से भी अवैध तरीके से लोग भारत में घुसते रहे हैं। अब 2025 में ये तमाम आंकड़े काफी ज्यादा बढ़ चुके होंगे! बुनियादी आंकड़ा 2 करोड़ भी मान लेते हैं, तो उस अनुपात में घुसपैठियों को देश के बाहर खदेड़ा क्यों नहीं जा रहा है? यदि उनके भी मानवाधिकार की चिंता करें, तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद, औसतन हर साल, घुसपैठियों को उनके मूल देश भेजने का आंकड़ा बेहद कम है। गति बेहद धीमी है। दरअसल हम न तो यूपीए की मनमोहन सरकार की कार्रवाई से तुलना के पक्षधर हैं और न ही अमरीका, ब्रिटेन और यूरोप के अवैध प्रवासियों को देश के बाहर करने के अभियानों को उदाहरण मानते हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी 'स्वतंत्रता दिवस' पर लालकिले की प्राचीर से 'राष्ट्रीय डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा करते हैं और असम, बंगाल, बिहार की जनसभाओं में घुसपैठ के लिए कांग्रेस को ही कोसते हैं, कांग्रेस को 'घुसपैठियों की रक्षक' करार देते हैं, तो यह घुसपैठ का कोई तार्किक समाधान नहीं है। यह विशुद्ध राजनीति है। प्रधानमंत्री 'राष्ट्रवाद बनाम घुसपैठिए' के जरिए हिंदू-मुसलमान की सियासत कर ध्रुवीकरण को तेज करना चाहते हैं। असम और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं। बिहार में तो दो माह में ही चुनाव संपन्न हो जाएंगे। लिहाजा घुसपैठियों के खिलाफ हुंकारें समझ में आती हैं। बेशक देश के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी संतुलन कई जगह बिगड़ चुका है। कई जगह मुसलमान बहुमत में आ चुके हैं और हिंदू अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। असम में 50 लाख से अधिक और बंगाल में 57 लाख से अधिक बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के कारण ये समीकरण बदल रहे हैं। नतीजतन सांप्रदायिक दंगों के हालात भी बनते रहे हैं। बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा में जो हिंदू-विरोधी उत्पात मचाए गए, हिंसक प्रहार किए गए, घर उजाड़ दिए गए, उस परिदृश्य पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला पढ़ा जा सकता है। सवाल है कि सरकार ने असम में एनआरसी की जो कवायद की थी, उसके नतीजों का क्या हुआ? वह प्रक्रिया अचानक रोक क्यों दी गई? प्रधानमंत्री मोदी इस जनसांख्यिकी परिवर्तन को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संवेदनशील खतरा मानते हैं। हमारे युवाओं के हिस्से के संसाधन और रोजगार छिन रहे हैं। महिलाओं की इज्जत के साथ छल-कपट, खिलवाड़ किए जा रहे हैं। यकीनन यह विकराल राष्ट्रीय समस्या लगती है, लिहाजा यह प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की प्राथमिक चिंता, बुनियादी सरोकार होना चाहिए। इसमें आम आदमी क्या कर सकता है? आम आदमी आबादी के असंतुलन और बहुमत को नहीं रोक सकता। सरकार किसलिए होती है? प्रधानमंत्री के पास तमाम एजेंसियां, सूचनाएं, पुलिस, सुरक्षा बल, संसाधन सभी कुछ उपलब्ध है, लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री देश की जनता को यह जानकारी नहीं देते कि उनके 11 साला कार्यकाल में घुसपैठियों को खदेड़ने की सालाना संख्या 51 तक सिमट कर क्यों रह गई? 300-400 का आंकड़ा भी नाकाफी है। हम प्रधानमंत्री से विपक्ष की मानिंद राजनीतिक सवाल नहीं कर रहे हैं। हम घुसपैठ के मुद्दे पर बेहद संजीदा हैं। वे भारत के लोकतंत्र की तस्वीर और संतुलन भी बिगाड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री देश को यह भी बताएं कि मिशन किस तरह काम करेगा? उसका जनादेश क्या होगा? उसकी अनुशंसाएं कितनी कानूनन होंगी, लिहाजा प्रभावशाली भी साबित होंगी? यदि ज्यादातर घुसपैठियों के पास सरकारी दस्तावेज हैं, तो उन्हें रद्द भी कैसे किया जा सकता है?

2004 में तत्कालीन यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने खुलासा किया था कि देश के 17 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में कुल 1 करोड़ 20 लाख 53,950 अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मौजूद हैं। ये आंकड़े सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठियों के थे, जबकि म्यांमार, नेपाल और अन्य देशों से भी अवैध तरीके से लोग भारत में घुसते रहे हैं। अब 2025 में ये तमाम आंकड़े काफी ज्यादा बढ़ चुके होंगे! बुनियादी आंकड़ा 2 करोड़ भी मान लेते हैं, तो उस अनुपात में घुसपैठियों को देश के बाहर खदेड़ा क्यों नहीं जा रहा है? यदि उनके भी मानवाधिकार की चिंता करें, तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद, औसतन हर साल, घुसपैठियों को उनके मूल देश भेजने का आंकड़ा बेहद कम है। गति बेहद धीमी है। दरअसल हम न तो यूपीए की मनमोहन सरकार की कार्रवाई से तुलना के पक्षधर हैं और न ही अमरीका, ब्रिटेन और यूरोप के अवैध प्रवासियों को देश के बाहर करने के अभियानों को उदाहरण मानते हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी 'स्वतंत्रता दिवस' पर लालकिले की प्राचीर से 'राष्ट्रीय डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा करते हैं और असम, बंगाल, बिहार की जनसभाओं में घुसपैठ के लिए कांग्रेस को ही कोसते हैं, कांग्रेस को 'घुसपैठियों की रक्षक' करार देते हैं, तो यह घुसपैठ का कोई तार्किक समाधान नहीं है। यह विशुद्ध राजनीति है।

"सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है

नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव

ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्त्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है। मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं।

नरेंद्र मोदी आज केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय लोकतंत्र की गौरवगाथा को नई ऊँचाइयों तक ले गया है। साधारण परिवार में जन्मा एक बालक, जिसने जीवन के संघर्षों को तपस्या की तरह जिया, आज विश्व राजनीति ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक बन गया है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में अटूट परिश्रम, कर्मनिष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का अदम्य संकल्प हो, तो वह इतिहास की धारा को भी मोड़ सकता है। नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्त्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है। मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नगण्य होता है, पर मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्त्तृत्व की छेनी से तराश कर महान् बना देते हैं। नरेन्द्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहाँ उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं

जीवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्वक देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरुआत होगी। मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कही जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने करोड़ों गरीबों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने भारत की नई आक्रामक और निर्णायक छवि प्रस्तुत की। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि मोदी ने भारतीय समाज में आत्मविश्वास का संचार किया और यह भावना मजबूत की कि भारत अब किसी से पीछे नहीं रहेगा। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके विचार, जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं। मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में ताजा है। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज की ऊर्जा और उत्साह के बीच गणि राजेन्द्र विजयजी ने बड़ी आत्मीयता से उनको कहा था-"अब आप दिल्ली चलो।" गणिजी का यह वाक्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी धर्मगुरु की अंतरदृष्टि थी, जो बाद में सार्थक भी हुई। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं। मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत की आत्मा के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज आज पूरी दुनिया सुनती है।

देश दुनिया से

गाँधी मार्ग पर चलते नरेन्द्र मोदी

गाँधी के भारत को देखना हो या आज के मोदी के भारत को तो एक साम्य दोनों में मिलेगा वह है आत्मनिर्भरता। गाँधीजी ने हमेशा आत्मनिर्भर समाज और देश की कल्पना की है। गाँधीजी की आत्मनिर्भरता का अर्थ स्वदेशी हो जाना है। भारत की बुनियाद में स्वदेशी के रास्ते आत्मनिर्भरता परिभाषित है। यह तय है कि गाँधी जी ने जिस स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की चर्चा की थी और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए जो स्वप्न देखा था आज 75 साल के नरेन्द्र मोदी भी उसी गाँधी मार्ग पर चलते दिख रहे हैं। यह बात सच है कि 1947 के पहले का भारत और आज 2025 का भारत बदल चुका है। स्वदेशी तब भी जरूरत था और आत्मनिर्भरता का मार्ग वही था जिस पर चलने का आग्रह नित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। थोड़ा पीछे पलटकर देखें तो आपको ज्ञात होगा कि गाँधीजी ने उद्योगों का विरोध नहीं किया। वे मशीनीकरण के विरोधी थे आज मोदी के समय में वही आदर्श, वही गाँधी मार्ग का अनुसरण होते हुए देख सकते हैं। जीवन के 75 वसंत देख चुके मोदी की विचारसम्मति अलग हो सकती है लेकिन भारत की माटी में गढ़े गए आदर्श से भला कोई कैसे विरक्त हो सकता है। समय के साथ बदलाव जरूरी है तो उन आदर्शों का अनुगमन भी करना उतना ही जरूरी है, यह आप पन्ने पलट कर देखेंगे तो सहज समझ जाएंगे। बदलते भारत में बहुत सारी चीजें समय के साथ सिमटती, मिटती जा रही हैं तो कुछ नए स्वरूप के साथ और भी प्रासंगिक हो गई हैं। खादी जो कभी स्वाधीन भारत की प्रतीक और अस्मिता का चिंह था, उससे लोग धीरे धीरे दूर हो रहे थे। और इसी के साथ बुनकर उद्योग पर संकट गहराता जा रहा था। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने संकट को समझा और खादी में क्रांति आ गई। डूबता-सिमटता खादी उद्योग बूम कर गया। मोदीजी ने इसे युवा से जोड़ दिया। खादी वस्त्रों की फैशन परेड होने लगी। युवाओं का खादी के प्रति क्रेज बढ़ गया और एक डूबता स्वदेशी उद्योग को ना केवल धड़कन मिली बल्कि वह चौगुनी रफ्तार से आगे बढ़ने लगा। खादी और स्वदेशी का यह नया रिश्ते की बात हम नहीं बाजार कह रहा है। वो बिक्री के आंकड़े कह रहे हैं कि खादी की गमक लौट आयी है। क्या आप इस बात से इंकार कर सकते हैं। गाँधी जी मशीनों का प्रयोग करने के विरोधी नहीं थे। वे हमेशा से इस बात की पैरवी करते रहे हैं कि बोझ और परिश्रम को

कम करने वाले यंत्रों की स्थापना की जाए। वे इस बात का प्रतिकार करते रहे हैं कि मानव उपयोगी श्रम को मशीनों के पास जाने दें। वह ऐसे उद्योग धन्धे स्थापित करने के पक्ष में थे, जिसमें काम करने के इच्छुक लोगों को न सिर्फ जीवन निर्वाह के लिए वेतन मिले अपितु स्वाभिमान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिले। उन्होंने गाँवों को भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल समस्या मानते हुए उन्होंने लिखा- हमारी समस्या अपने देश के करोड़ों लोगों के लिए खाली समय निकालने की नहीं है, समस्या यह है कि उनके बेकारी के समय का कैसे उपयोग किया जाए जो कि वर्ष में 6 महीने के कार्यकारी दिनों के बराबर होता है। यंत्रों का सही प्रयोग यह है, कि वह मानव श्रम में मदद करें और उसे सरल बनाएं। गाँधी का लक्ष्य ग्राम उन्मुख आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना था क्योंकि भारत गाँवों में बसता है। वर्तमान समय में फिर से पन्ने पलटने की जरूरत इसलिए है कि वर्तमान समय की जरूरत के अनुरूप नरेन्द्र मोदी भी गाँधी के बताये मार्ग पर चल रहे हैं। गाँव को शहर पर लंबित होने के बजाय शहरों को गाँव पर लंबित रहने की जुगत लगाने वाली नवीन योजनाओं के माध्यम से जोड़ रहे हैं। यह नया और युवा भारत है जिनके पास मौजूद कौशल को खुला और बड़ा आसमान दे रहे हैं। स्वदेशी से स्वच्छता का रास्ता गाँधी मार्ग का है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस रास्ते के राहगीर हैं। आज स्वच्छता का जो मानक हिन्दुस्तान ने गढ़ा है, वह कभी आजाद भारत के लिए स्वप्न सा था। स्वच्छता का स्वप्न गाँधीजी ने भी देखा था और वे बार-बार कहते थे कि स्वच्छता का भार हर भारतीय को उठाना होगा। सन 47 के पहले देखा गया यह स्वप्न आज हर घर में सच हो रहा है। प्रधानमंत्री होने के नाते मोदीजी ने देश को एक सपना दिया और वह सपना हकीकत में बदलने लगा। यह कहना भी ठीक नहीं होगा कि इस महादेश में सबकुछ सौफीसद हो गया है लेकिन शून्य से शिखर की ओर पहुँचने की शुरूआत हो चुकी है। नौनिहाल अब सड़कों पर कचरा फेंकने नहीं देते हैं। यही भाव स्वदेशी है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। गाँधीजी का स्वप्न था कि हर भारतीय का कौशल निखारा जाए। इसे भी वे स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के चश्मे से देखने का प्रयास किया। यहाँ भी आपको नरेन्द्र मोदी गाँधीमार्ग पर आगे बढ़ते दिखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल उन्नयन के साथ जोड़कर एक नवीन भारतीय शिक्षा पद्धति को आगे बढ़ाया है। हालांकि अभी इसके समूचे क्रियान्वयन में कुछ बाधा है लेकिन जब नीयत हो तो नियति बदल जाती है। सबसे खास बात यह है कि गाँधीजी अपने पूरे जीवनकाल मातृभाषा में शिक्षा की पैरवी करते रहे हैं और इस 2025 में गाँधीजी का स्वप्न जमीन पर उतर चुका है। शिक्षा को डिग्री बनाने की किसी काल में मैकाले ने साजिश की थी, वह निरंतरता पाता रहा लेकिन मोदी ने इस साजिश को दरकिनार कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को रोजगार से नहीं, कौशल से, मातृभाषा से जोड़कर भारतीय शिक्षा पद्धति में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर समाज को नयी दिशा दी है। ये थोड़ी सी बातें हैं बदलते भारत की। अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया जा सकता है लेकिन यहां जरूरी नहीं। 75 साल के मोदी से हिन्दुस्तान की अपेक्षा बड़ी है और यह स्वाभाविक भी है। विकास के मॉडल से असहमति हो सकती है। एक महादेश के समक्ष चुनौतियां बड़ी हैं और उन्हें सुलझाने में समय चाहिए होता है। 2047 का भारत मोदी का नहीं, डेढ़ सौ करोड़ भारतीय का सपना है। हिन्दुस्तान क्या अकेले मोदी का है? क्या विकास और विश्वास का रास्ता अकेले मोदी का कांधा मांगते हैं? नहीं, हिन्दुस्तान हम सबका है और हम सबकी बराबरी की जिम्मेदारी है कि हम इस सुदीर्घ अनुभवी नेता का साथ दें। वे अपने जन्मदिन पर कोई उपहार मांगेंगे तो उन्हें बहुमूल्य वस्तु नहीं, हरेक भारतीय का साथ चाहिए। विश्वास चाहिए। उनके इस जन्मदिन पर उन्हें हौसला दीजिए क्योंकि आपका यह हौसला मोदी का नहीं, भारत का है। हम सबका है।

आप का नजरिया

जरूरी है जिंदगी का एहसास

यह सोचने का मयार है जो हिमाचल को बड़े फैसलों का किरदार बना देता है। कई मुकाबले हैं तेरी इबादत के बीच, तूने पाने को खुदा की भी नुमाइश सजा दी। विकास की वर्किंग और विकास की सजावट के भीतर बस इतना है कि एक पीढ़ियां लांघ जाता है, दूसरा पीढ़ियों को पछाड़ जाता है। मसलन एक छोटी सी बुनियाद पर अगर निर्माण सही हो, तो भविष्य में घर ऊंचा हो सकता है, वरना ऊंचे भवनों में भी एक दिन कबूतर भी आकर परेशान होते हैं। हिमाचल के विकास का पाठ्यक्रम खूब दिखाई देता है और आंकड़ों के ऐसे मुकाबले भी जीत लेता है कि बड़े से बड़े राज्य भी परास्त हो जाएं, फिर भी मुकम्मल होने के लिए आज भी सही कदम की तलाश है। आईजीएमसी में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत के बाद टीएमसी में भी यह सुविधा शुरू हो गई। इसे एक उदाहरण मानें तो राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का नाम 'चढ़दी कलां' में हो जाएगा, लेकिन मशीनों के साये में कार्य संस्कृति नहीं पलती। धर्मशाला के सेवानिवृत्त शिक्षाविद व विभाग के उच्च पदों पर रहे प्रो. ललित मोहन शर्मा से उनकी दास्तान सुनी जाए, तो उन्होंने टीएमसी में मौत के रोबोट देखे हैं। अपनी पत्नी को खोने के लिए उनके पास बीमारी के की लक्षण थे, लेकिन इमरजेंसी में टीएमसी के कब्रिस्तान अनुभव भयावह रहा। बेहतरीन डाक्टर, सक्षम उपचार, सेवा में तल्लीन युवा प्रशिक्षु और एसआर डाक्टर पूरी तल्लीनता से सक्रिय दिखे, लेकिन नहीं दिखा कोई एक अदद स्ट्रेचर, जो मरीज को सुपरस्पैशियलिटी परिसर तक ले चले। उनकी कसरतों के पचास मिनट में एक मेडिकल कालेज की सांसें फूलीं और अंततः उस पीड़ा में एक प्रयास हार गया, एक इनसान तड़पता-तड़पता मौत के मुंह में चला गया। आश्चर्य यह कि हम प्रदेश में बड़े काम करते हुए छोटे कदमों को खराब कर लेते हैं। टांडा में अब हर सप्ताह शुक्र और शनिवार रोबोटिक सर्जरी होगी। जाहिर है इस मुकाम पर पहुंच कर उच्च चिकित्सा सेवाओं का एहसास होगा, लेकिन इसी के परिसर में जिंदा रहने का एहसास कहां से आएगा। वो स्ट्रेचर कहां से आएगा जो किसी मरीज को तड़पने से पहले डाक्टर तक ले जाएगा। खराब लिफ्टें कब फिर से पुनः चढ़ना-उतरना शुरू करेंगी। जाहिर है हर बीमारी का इलाज किसी मेडिकल कालेज में ही क्यों चुना जाए। एक डिस्पेंसरी भी अगर चुस्त हो तो बीमारी के लक्षण शुरुआत में ही पकड़े जाएंगे। प्रदेश की माताओं और संसार में आते शिशुओं की कतार के लिए क्यों मेडिकल कालेज अहम हो जाएं। कितने ही सिविल, क्षेत्रीय, जोनल या सीएचसी-पीएचसी अस्पताल अपनी इमारतों के भीतर बीमार हैं। हम चिकित्सा विभाग के सारे ताज क्यों छह सरकारी मेडिकल कालेजों को ही पहनाना चाहते हैं। इस दस्तूर ने मेडिकल कालेजों को चिकित्सा सुविधाओं का मकबरा बना दिया है। खास तौर पर जब गायनी जैसे विभाग के बिस्तरों पर 'मां' को सुकून नहीं मिलता, तो मुश्किलें खराब इंतजाम की महफिल बन जाती हैं। हम बहुत कुछ कर रहे हैं, लेकिन बहुत ऊपर कर रहे हैं। हम उपचार के बाद जिन अस्पतालों से मुस्करा कर लौटते थे, वे अब मेडिकल कालेजों की दुरुस्ती में सिफर हो गए। हम पीजीआई और एम्स को हिमाचल के करीब लाने की दौड़ में यह भूल गए कि जहां एक सूई की जरूरत है, वहां आपरेशन थियेटर नहीं एक वचनबद्ध डाक्टर देवता साबित हो जाएगा। पिछले एक दशक से हिमाचल, हिमाचल की सियासत, हिमाचल की योजनाएं-परियोजनाएं, हिमाचल के मरीज और हिमाचल के डाक्टर समस्त मेडिकल कालेजों के चक्कर काट रहे हैं, जबकि चिकित्सा को स्थायित्व प्रदान करने के लिए डिस्पेंसरी से एमसी तक एक कर्मठ रैफरल सिस्टम की जरूरत है। अगर धर्मशाला के जोनल अस्पताल में मेडिसन का विशेषज्ञ और गायनी के आवश्यक डाक्टर नहीं होंगे, तो यहां के खाली बेड टांडा के बिस्तरों को उजाड़ते रहेंगे। प्रदेश चाहे तो आठ-दस बड़े जिला अस्पतालों को किसी रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल के स्तर तक मौजूदा अधोसंरचना में ही कार्यान्वित कर सकता है।

हिमाचल के विकास का पाठ्यक्रम खूब दिखाई देता है और आंकड़ों के ऐसे मुकाबले भी जीत लेता है कि बड़े से बड़े राज्य भी परास्त हो जाएं, फिर भी मुकम्मल होने के लिए आज भी सही कदम की तलाश है। आईजीएमसी में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत के बाद टीएमसी में भी यह सुविधा शुरू हो गई। इसे एक उदाहरण मानें तो राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का नाम 'चढ़दी कलां' में हो जाएगा, लेकिन मशीनों के साये में कार्य संस्कृति नहीं पलती। धर्मशाला के सेवानिवृत्त शिक्षाविद व विभाग के उच्च पदों पर रहे प्रो. ललित मोहन शर्मा से उनकी दास्तान सुनी जाए, तो उन्होंने टीएमसी में मौत के रोबोट देखे हैं। अपनी पत्नी को खोने के लिए उनके पास बीमारी के की लक्षण थे, लेकिन इमरजेंसी में टीएमसी के कब्रिस्तान अनुभव भयावह रहा। बेहतरीन डाक्टर, सक्षम उपचार, सेवा में तल्लीन युवा प्रशिक्षु और एसआर डाक्टर पूरी तल्लीनता से सक्रिय दिखे, लेकिन नहीं दिखा कोई एक अदद स्ट्रेचर, जो मरीज को सुपरस्पैशियलिटी परिसर तक ले चले। उनकी कसरतों के पचास मिनट में एक मेडिकल कालेज की सांसें फूलीं और अंततः उस पीड़ा में एक प्रयास हार गया, एक इनसान तड़पता-तड़पता मौत के मुंह में चला गया। आश्चर्य यह कि हम प्रदेश में बड़े काम करते हुए छोटे कदमों को खराब कर लेते हैं। टांडा में अब हर सप्ताह शुक्र और शनिवार रोबोटिक सर्जरी होगी।

कुछ अलग

राष्ट्रीयता क्या?

एक बार एक सियार का बच्चा जंगल में घूमते समय अपनी मां से बिछुड़ गया। शाम हुई तो भूख और डर के मारे वह रोने लगा। उसी समय वहां से एक शेरनी जा रही थी। रोते बच्चे को देख वह उसे अपनी गुफा में ले आयी। उसे दूध पिलाया और अपने बच्चों के साथ-साथ उसका लालन-पालन भी करने लगी। धीरे-धीरे वह सियार का बच्चा शेर के बच्चों से घुलमिल गया। वह भी उनके साथ दिन भर जंगल में घूमता, खेलता और रात में शेरनी का दूध पीकर सो जाता। वह सियार का बच्चा शेर के बच्चों से आयु में बड़ा था। एक दिन जंगल में घूमते हुए उन्हें एक हाथी दिखायी दिया। शेर के बच्चे बहुत खुश हुए। वे बोले आज बहुत दिनों बाद मोटा-ताजा शिकार मिला है, आओ इसे मार डालें। यह देखकर सियार का बच्चा बोला अरे, क्या करते हो? देखते नहीं, यह हमसे शरीर में कितना बड़ा और बलवान है। यदि हमने इस पर हमला किया, तो यह हमें ही मार डालेगा। शेर के बच्चे नहीं माने, वे हाथी पर हमला करने की तैयारी करने लगे। यह देखकर सियार का बच्चा दौड़ता हुआ घर आया। उसने शेरनी को कहा मां, देखो मेरे छोटे भाई मेरी बात नहीं मानते। वे अपने से बहुत बड़े हाथी से लड़ रहे हैं। वह उन्हें मार डालेगा। शेरनी ने हंसकर कहा यह ठीक है कि तुम मेरा दूध पीकर बड़े हुए हो, पर तुम हो तो सियार ही। तुम्हारे वंश में कोई हाथी से नहीं लड़ता, पर हमारे यहां तो यह सामान्य सी बात है। इसलिए अच्छा यही है कि अब तुम अपने घर चले जाओ। ऐसा न हो कि मेरे बच्चे हाथी को मारने के बाद तुम पर ही हमला न बोल दें। इस कथा का अभिप्राय यह है कि यदि कोई व्यक्ति बाहर से आकर हमारे देश में रहने लगे, तो केवल इतने मात्र से ही वह भारत का राष्ट्रीय नहीं हो जाता।

दृष्टि कोण

जहाज निर्माण कारोबार की संभावनाएं

जब भारत 2047 तक विकसित देश बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में एक मजबूत समुद्री प्रणाली विकसित किए बिना यह संभव नहीं हो सकता है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कुछ विकास के बावजूद, लक्ष्य बहुत दूर है। स्वतंत्रता के बाद, हालांकि कुछ बंदरगाहों के नवीनीकरण, जहाज निर्माण और प्रमुख बंदरगाहों के आसपास बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कुछ प्रयास किए गए, फिर भी भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पिछड़ा रहा। केवल बंदरगाहों के मामले में ही नहीं, जहाज निर्माण के मामले में भी हम अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से पिछड़ गए। जहाज वहन क्षमता की बात करें तो इसमें भी भारत का योगदान बहुत ही मामूली है। दिसंबर 2023 तक, वैश्विक जहाज स्वामित्व में भारत का हिस्सा केवल 1.2 फीसदी है, जबकि ग्रीस का 17.8, चीन का 12.8 और जापान का 10.8 फीसदी है। इसके अलावा दुनिया के केवल 0.77 फीसदी जहाज ही भारतीय ध्वज के तहत पंजीकृत हैं। भारत की समुद्री परंपरा दुनिया की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। भारत के उच्च औद्योगिक विकास एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हमारी 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और हिंद महासागर में केंद्रीय स्थिति की विशेष भूमिका रही है। सिंधु घाटी सभ्यता के साक्ष्य लोथल में बंदरगाह और मेसोपोटामिया के साथ व्यापार को दर्शाते हैं, जहां सूती वस्त्र, मनके और हाथीदांत का धातुओं और घोड़ों के बदले आदान-प्रदान होता था। वैदिक काल में भी, समुद्री यात्रा सुप्रसिद्ध थी, ऋग्वेद और महाकाव्यों में जहाजों और यात्राओं का वर्णन मिलता है। मौर्य काल (321-185 ईसा पूर्व) तक, समुद्री व्यापार राज्य द्वारा नियंत्रित था, जैसा कि कौटिल्य के अर्थशास्त्र में देखा जा सकता है। ताम्रलिप्ति, भरूच और सोपारा जैसे बंदरगाह भारत को भूमध्य सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ते थे। दक्षिणी राजवंशों, विशेषकर चोलों (9वीं-13वीं शताब्दी) ने एक दुर्जेय नौसेना का निर्माण किया। मध्यकाल (13वीं-15वीं शताब्दी) में, कालीकट, कैम्बे और सूरत जैसे बंदरगाह हिंद

महासागर क्षेत्र में फल-फूल रहे थे, जो अरब, फारसी और चीनी व्यापारियों को आकर्षित कर रहे थे। भारत मसालों, वस्त्रों और रत्नों का निर्यात करता था, जबकि घोड़े, सोना और चांदी का आयात करता था। 1498 में पुर्तगालियों के आगमन के साथ, भारत का समुद्री प्रभुत्व कम हो गया, क्योंकि यूरोपीय शक्तियों ने धीरे-धीरे मसाला व्यापार पर एकाधिकार कर लिया। लेकिन औपनिवेशिक शासन से पहले सहस्राब्दियों तक, भारत एक समुद्री महाशक्ति बना रहा, जिसने पूरे एशिया और उसके बाहर व्यापार, संस्कृति और सभ्यता को प्रभावित किया। हाल ही में, केंद्र सरकार ने भारत में जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं और कई नीतिगत उपाय भी लागू किए हैं। उम्मीद है कि जल्द ही बड़े जहाज निर्माण को बुनियादी ढांचा का दर्जा दिया जाएगा, जिससे कंपनियों को बेहतर शर्तों पर वित्तपोषण प्राप्त हो सकेगा। इससे भारत में जहाज निर्माण में आसानी होगी और भारतीय शिपयार्ड संचालन को बढ़ावा मिलेगा। जहाज निर्माण और संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक, कम लागत वाला वित्त प्रदान करने हेतु 250 अरब रुपए (लगभग 2.9 अरब डॉलर) का एक समर्पित कोष भी शुरू किया गया है। जहाज निर्माण और जहाज तोड़ने में उपयोग होने वाले इनपुट पर आयात शुल्क अगले 10 वर्षों के लिए माफ कर दिया गया है, जिससे घरेलू कंपनियों की लागत कम हो गई है। शिप-ब्रेकिंग क्रेडिट नोट योजना एक पहल है, जो क्रेडिट नोट जारी करके भारतीय यार्डों में पुराने जहाजों को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बेड़े के नवीनीकरण को बढ़ावा मिलता है और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

नायब सिंह सैनी ने किया स्टेट एनवायरमेंट प्लान का शुभारंभ

जिले में ई-वेस्ट कलेक्शन सेंटर्स स्थापित करने का सरकार का लक्ष्य

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदूषण नियंत्रण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्टेट एनवायरमेंट प्लान-2025 का शुभारंभ और नॉन - सीओ2 पाथवेज़ रिपोर्ट 2025-26 का विमोचन किया। यह कदम हरियाणा के सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा। इस योजना के लागू होने से वायु गुणवत्ता में सुधार होगा, प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी और प्रदेश के नागरिकों को एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। साथ ही, यह पहल हरियाणा को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत् विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में अग्रणी बनाएगी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को पंचकूला में आयोजित स्टेट एनवायरमेंट प्लान-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में ऐसी पहल करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य पर्यावरण योजना केवल एक या दो विभागों का काम नहीं है। इस योजना के लिए कई विभागों को मिलकर काम करना होगा। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जो विभिन्न विभागों के बीच तालमेल और प्रगति की निगरानी का काम करेगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी विभाग मिशन मोड में काम करें, पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ें और जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि आज पेड़ काटे जा रहे हैं, जंगल सीमित हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण में असंतुलन पैदा हो रहा है और उसका दुष्परिणाम मानव जाति पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य पर्यावरण योजना भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और हरी-भरी धरती सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए राज्य सरकार ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर व्यापक योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जल, वायु, मिट्टी जैसे संसाधनों को बचाने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में कुछ ऐसे लोग भी हुए हैं, जो वाहवाही लूटने के लिए डंपिंग ग्राउंड पर खड़े होकर कचरे को साफ करने की बातें करते थे। लेकिन कचरा कभी साफ नहीं हुआ बल्कि उन्होंने लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया, ये भी एक प्रकार का प्रदूषण ही है, जबकि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में कचरे के निपटान की दिशा में मजबूत कदम उठाए गए हैं और कचरे का निरंतर निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा के शहरों में हर रोज 5,600 टन ठोस कचरा पैदा हो जाता है। इसमें से 77 प्रतिशत का निपटान तो हो रहा है, लेकिन अभी भी 23 प्रतिशत कचरे का प्रबंधन करना बाकी है। इसके समाधान के लिए पूरे राज्य में 13 इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट्स स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इसके अतिरिक्त, सालों से डंपिंग ग्राउंड में जमे कचरे को भी साफ किया जा रहा है। अब तक 50 प्रतिशत कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान हो चुका है और बाकी पर भी काम तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी एक बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए प्रदेश में 42 ई-वेस्ट रीसाइक्लर काम कर रहे हैं। आने वाले समय में, हम हर जिले में ई-वेस्ट कलेक्शन सेंटर्स स्थापित करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 7 हजार अस्पतालों से प्रतिदिन निकलने वाले 22 टन बायोमेडिकल अपशिष्ट का शत-प्रतिशत निपटान किया जा रहा है। यह निपटान 11 सामान्य जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान सुविधाओं के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अलावा, उद्योगों से निकलने वाले हानिकारक कचरे के निपटान के लिए फरीदाबाद के पाली में एक सामान्य कचरा प्रबंधन स्थल बनाया है। यह सुविधा पूरे राज्य से आने वाले हानिकारक कचरे के सुरक्षित निपटान की गारंटी देती है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वायु प्रदूषण जैसी बड़ी चुनौती से निपटने के लिए राज्य सरकार ने वर्ल्ड बैंक के साथ मिलकर 3600 करोड़ रुपये की लागत के 'क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' की शुरुआत की है।

हरियाणा में वोट चोरी रोकने के लिए जेजेपी के बूथ एजेंट निभाएंगे अहम भूमिका: दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। 25 सितंबर को जननायक चौधरी देवीलाल की 112वीं जयंती को जननायक जनता पार्टी प्रदेशभर में 112 कार्यक्रम करके मनाएगी। जेजेपी द्वारा 23 सितंबर तक प्रदेशभर में स्थापित चौ देवीलाल की सभी 72 प्रतिमाओं की साफ-सफाई व मरम्मत की जाएगी और जयंती के दिन वहां प्रार्थना सभाओं का आयोजन होगा। साथ में जेजेपी आपातकाल, पद यात्रा, रथ यात्रा के दौरान चौधरी देवीलाल के संघर्ष में सहयोगी रहे साथियों को सम्मानित भी करेगी। यह घोषणा पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने सिरसा में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला की अध्यक्षता में आयोजित पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद पत्रकारों से रूबरू होते हुए की। बैठक में जेजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के सभी 22 जिलों के जिला प्रभारियों व अध्यक्षों, प्रकोष्ठों के प्रदेश प्रभारियों और अध्यक्षों के साथ संगठन मजबूती पर विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी ने सभी जिलाध्यक्षों से चर्चा कर सभी 22 जिलों के प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्षों के नाम तय कर लिए है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जेजेपी की जिला कार्यकारिणियों और हलका कार्यकारिणियों का गठन भी कर दिया जाएगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 9 दिसंबर को बड़े स्तर पर जेजेपी स्थापना दिवस मनाएगी और इससे पहले 28 सितंबर से अगले 22 दिनों तक जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला प्रदेशभर का दौरा करेंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि युवा जेजेपी भी युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए बड़ा अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि 23 सितंबर को सिरसा से जेजेपी युवा योद्धा सम्मेलन अभियान का शुभारंभ होगा और 13 मार्च को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन के अवसर पर इस कार्यक्रम का समापन होगा। दुष्यंत चौटाला ने यह भी कहा कि जेजेपी ने सदस्यता अभियान के जरिए प्रदेशभर में पांच लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था, उनमें जींद, रोहतक व दादरी जिले ने शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है।

हरियाणा में कानून-व्यवस्था ध्वस्त, नशे के कारोबार ने बढ़ाया अपराध : सैलजा

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार और पुलिस की हीला हवाली के चलते हरियाणा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। सोमवार को एक ही दिन में सोनीपत, पलवल, बहादुरगढ़ और पानीपत में हुई चार हत्याएं यह साबित करती हैं कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। लोग और व्यापारी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम दे रहे हैं। भाजपा सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। प्रदेश की जनता को सुरक्षा देने की बजाय सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। सिर्फ कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि प्रदेश में नशे का कारोबार भी तेजी से फैल रहा है। हरियाणा के गांव-गांव और शहर-शहर में नशा युवाओं को बर्बाद कर रहा है और अपराध को बढ़ावा दे रहा है। सरकार की शह पर चल रहे इस नशे के धंधे ने समाज को खोखला कर दिया है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में सरकार चल नहीं रही, बल्कि सोई हुई है। केंद्र सरकार की सोशल प्रोग्रेस इंडेक्स (एसपीआई) रिपोर्ट में हरियाणा देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में शामिल है। प्रदेश में अपराध बड़ी तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं और अपराधी बेखौफ हैं। राज्य सरकार का ध्यान अपराध रोकने पर नहीं है और पुलिस पर सरकार का कोई अंकुश नहीं रह गया, जिस कारण अपराधी निरंकुश हो चुके हैं। हरियाणा में लापता हो रहे हैं लोगों का आंकड़ा बहुत चिंताजनक है। अपहरण की वारदातें भी बढ़ रही है। इसके साथ ही हत्या और गैर इरादतन हत्या की घटनाओं में पिछले वर्षों की तुलना में चौंकाने वाली वृद्धि देखी गई है। यह आंकड़े प्रदेश की बीजेपी सरकार के तहत आने वाले सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र के विफल होने की गंभीर स्थिति का स्पष्ट प्रमाण हैं।

क्षमापना भारतीय संस्कृति का आलोक पर्व : हरिभाऊ बागडे

नागौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने क्षमापना पर्व को भारतीय संस्कृति बताते हुए कहा कि जो क्षमा करता है, वह महान होता है। उन्होंने क्षमा को जीवन का अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जैनाचार्य नित्यानंद सुरीश्वर को नमन करते हुए उनके आदर्श अपनाने की आवश्यकता जताई। बागडे मंगलवार को नागौर में क्षमापना पर्व और जैनाचार्य नित्यानन्द सूरीश्वरजी के पदमश्री से अलंकृत किए जाने के अभिनन्दन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आचार्य नित्यानंद जी के जीवनभर के समर्पण एवं अनुकरणीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका समाजसेवा और धर्म के प्रति त्यागपूर्ण योगदान न केवल जैन समाज बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणादायी है। राज्यपाल ने जैन धर्म के मूल्यों-अहिंसा, परोपकार और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने स्वामी नित्यानंद जी को त्याग, साधना और करुणा का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जीवन समाज में सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण है।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया तथा बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने भी स्वामी नित्यानंद जी के कार्यों की सराहना की।

सरपंच और दलाल रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बारां ज़िले में बड़ी कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत खेड़ला जागीर, तहसील छीपाबड़ौद के सरपंच (प्रशासक) सुरजमल मालव और उसके दलाल (निजी व्यक्ति) रामकल्याण मेघवाल को 12,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में सामने आया कि आरोपियों ने परिवादी से उसके भतीजों का नाम राशन कार्ड में सही करवाने और स्वयं के नाम स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त (60,000 रुपये) खाते में जमा कराने की एवज में रिश्वत मांगी थी।

3200 मेगावाट की कोल आधारित विद्युत उत्पादन परियोजना राजस्थान में ही होगी स्थापित

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री का एक और प्रयास रंग लाया है। केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राज्य में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय कोयला मंत्रालय से इस परियोजना के लिए कोल लिंकेज का आवंटन का आग्रह किया था। उन्होंने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल के समक्ष इस परियोजना के राज्य में स्थापित होने से अपेक्षित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी लाभों पर पुरजोर तरीके से पक्ष रखा था। मुख्यमंत्री के इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार की अधिकार प्राप्त समिति (एम्पावर्ड कमेटी) ने परियोजना को राजस्थान में ही स्थापित करने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार भविष्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए बेस मांग पूर्ति हेतु कोयला आधारित परियोजनाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना की स्थापना से लगभग 40 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे राज्य में राजस्व वृद्धि के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान: डोटासरा बोले

अगर भजनलाल का नाम लेते तो भाजपा कभी सत्ता में नहीं आती

लालसोट, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर राजस्थान में चलाए जा रहे 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान ने राजस्थान में भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आज दौसा के लालसोट में एक जनसभा में कांग्रेस नेताओं ने वर्तमान भाजपा सरकार पर ऐसे तीखे हमले किए कि पूरा माहौल गरमा गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीधे तौर पर भाजपा पर झूठ और जुमलों के सहारे सत्ता हथियाने का आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली से भेजी गई पर्ची वाली गूंगी-बहरी सरकार काम नहीं कर रही है।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा ने चुनावों में अलग-अलग नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने का झूठा वादा कर जनता को भ्रमित किया। उन्होंने कहा, कहीं किरोड़ीलाल को तो कहीं सी.पी. जोशी को, कहीं राजेंद्र राठौड़, कहीं अर्जुन राम मेघवाल तो कहीं वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने की बात कही थी... अगर भजनलाल का नाम लेते तो भाजपा कभी सत्ता में नहीं आती। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 'दिल्ली की पर्ची' बताया, जो अपने विवेक से कोई फैसला नहीं लेते।

डोटासरा ने सरकार को जनता के बुनियादी मुद्दों पर भी घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में किसानों को स्मार्ट मीटर लगाकर परेशान किया जा रहा है, अतिवृष्टि से फसलें बर्बाद होने के बावजूद कोई सुध नहीं ले रहा, गिरदावरी नहीं हो रही, और फसल बीमा का क्लेम भी नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि सड़कें टूटी हुई हैं, बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और गरीब अपनी पेंशन के लिए भटक रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री हवा में उड़नखटौला लिए घूम रहे हैं। सरकार पर भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप लगाए गए।

डोटासरा ने कहा कि मंत्री अपने विभाग में काम नहीं करवा पा रहे हैं और विधायकों की एसडीएम-तहसीलदार नहीं सुनते, क्योंकि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने प्रतिदिन 8 करोड़ रुपये की बजरी चोरी की बात कही थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। डोटासरा ने विधानसभा में विधायकों की जासूसी करने के लिए कैमरे लगाने की बात कहकर लोकतंत्र के अपमान का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, यह भाजपा का कृत्य लोकतंत्र के मंदिर की गरिमा को तार-तार करने का कार्य है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें 14 हजार करोड़ का कर्ज माफ करना और 3.5 लाख नौकरियां देना शामिल है, और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इन सभी कामों को बर्बाद कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय हैं ।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आपमें बहुत-कुछ हासिल करने की क्षमता है- इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट-से दबोच लें। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी को सरप्राइज़ जरूर दें ।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके माता पिता आपकी फ़िज़ूलख़र्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें, जो आपको सुकून दें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और ख़ुशी भी। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आपका काम दरकिनार हो सकता है- क्योंकि आप अपने प्रिय की बांहों में ख़ुशी, आराम और उल्लास महसूस करेंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अपने क्षेत्र में आप-को अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बहुत रोमांचक काम कर सकते हैं।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. एक-दूसरे का नज़रिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ। इसे औरों के सामने न लाएँ, नहीं तो बदनामी हो सकती है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। अपने वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। आपका कोई क़रीबी आज काफ़ी अजीब मूड में होगा और उसे समझना लगभग असंभव साबित होगा। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी लेकिन साथ ही रिश्ते में मजबूती आएगी। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें- ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर-उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। सावधान रहें, कोई आपसे दिल्लगी या फ़्लर्ट करके अपना उल्लू सीधा कर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सकें और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 सितंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 11:39 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 06:25 तक
योग : परिघ रात्रि 10:54 तक
करण : बव प्रातः 11:57 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:07 (विजयवाड़ा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : इंदिरा एकादशी व्रत , एकादशी श्राद्ध , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर तक , विश्वकर्मा पूजा

» पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें «

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फव्वाड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

देहरादून में बादल फटा

मुरादाबाद के सात मजदूरों की मौत

कई लोग अभी भी लापता, मौके पर पहुंचे परिजन

मुरादाबाद , 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने के बाद बाढ़ की चपेट में आने से मुरादाबाद मंडल के दर्जनभर मजदूर बह गए। हादसे में बिलारी तहसील के मुंडिया जैन गांव के छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अब भी लापता हैं। अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा गांव के तीन मजदूर भी नदी में लापता हो गई। उनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया है।

मुरादाबाद जिले की तहसील बिलारी के थाना सोनकपुर क्षेत्र के मुंडिया जैन गांव निवासी लगभग 20 मजदूर कुछ दिन पहले देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार तड़के मजदूर नदी किनारे बजरी और रेत निकालने का काम कर रहे थे।

तभी सहस्रधारा क्षेत्र में बादल फटने से टॉस नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत मजदूर बह गए। हादसे में मदन (45), नरेश (48), हरचरन (60), सोमवती (55), रीना (31) और किरन (35) की डूबकर मौत हो गई। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा राजकुमार (21), होराम (32) और सुंदरी (42) का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इसी तरह अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा और आसपास के गांवों के 11 मजदूर भी देहरादून के बाजावाला गांव में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार को बादल फटने से रिस्पना नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस दौरान रहरा निवासी पुष्पेंद्र (20), पीतम (22) और पंकज (27) पानी के तेज बहाव में बह गए। पंकज का शव बरामद कर लिया गया है। पुष्पेंद्र और पीतम का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है।

हादसे की खबर मिलते ही मुंडिया जैन और रहरा गांवों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों को सांत्वना दे रहे हैं। उधर, सभी परिजन देहरादून रवाना हो गए हैं।

एससी के आदेश पर कोर्ट जाएगी योगी सरकार

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश 'शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता' पर बेसिक शिक्षा विभाग को रिवीजन दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी के शिक्षक अनुभवी हैं। समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सीएम के इस निर्णय का स्वागत किया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का निर्णय स्वागत योग्य एवं शिक्षक हित में है। उन्होंने अनुरोध किया है कि विभाग द्वारा रिवीजन में जाने से पूर्व एनसीटीई द्वारा यह भी स्पष्ट कराया जाए कि आरटीई-2009 के सेक्शन-23(2) का संशोधन आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर लागू नहीं होता है।

लम्पी वायरस प्रभावित 7 जिलों में पूरी तरह पशु लॉकडाउन लागू

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया है कि लम्पी प्रभावित पूरब के सात जिलों में पशु लॉक डाउन कर दिया गया है। बिहार से और एक से दूसरे जिले में कोई पशु न आएगा न जाएगा।

इन सात जिलों के साथ ही कुल 11 जिलों चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती, मऊ, सिद्धार्थनगर व महराजगंज में भी विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। प्रमुख सचिव, विशेष सचिव आदि अधिकारियों की टीम तैनात की गई है। किसी भी तरह की सूचना व जानकारी देने के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह पशुओं में छुआछूत से फैलता है। मक्खी से भी यह एक से दूसरे में फैलता है। इससे मनुष्य प्रभावित नहीं होता है। इसके लिए टीकाकरण भी शुरू कर दिया गया है। टीके की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने बताया कि इस दौरान इन जिलों में कोई पशु मेला नहीं लगेगा।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी समाजवादी पार्टी

उम्मीदवारों के चयन के लिए अपनाएगी सर्वे वाला फॉर्मूला

लखनऊ , 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को शुरू कर दिया गया है। तमाम राजनीतिक दल इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। उम्मीदवार की घोषणा के दौरान होने वाली मारामारी से सभी राजनीतिक दल परेशान रहते हैं। इसको लेकर टिकट के दावेदारों को संतुष्ट कर पाना आसान नहीं होता है। हालांकि, इस प्रकार की स्थिति से निपटने की रणनीति पर भी काम शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक प्राइवेट एजेंसी की मदद लेने की योजना बनाई है।

समाजवादी पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार तय करने से पहले एक बड़ा इंटरनल सर्वे कराने की तैयारी की है। इसके लिए निजी प्रोफेशनल कंपनी को जिम्मा दिया गया है। इस सर्वे के आधार पर जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश की जाएगी। सपा ने अपने लोगों को इस संबंध में संदेश देना शुरू कर दिया ।है सर्वे का काम जनवरी 2026 में होगा। सर्वे का आधार पीडीए वोट बैंक को टारगेट करना होने की बात सामने आ रही है। सर्वे में हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के जनाधार का आकलन करना होगा।

विधानसभा क्षेत्र में किस उम्मीदवार को उतारने से पार्टी को जीत मिल सकती है या पार्टी-गठबंधन फायदे में रह सकती है। सर्वे में इसका भी आकलन होगा। सर्वे की कसौटी पर जीत की संभावना भी देखी जाएगी। जीतने की संभावना वाले टिकट के दावेदारों का दावा भी मजबूत होगा। सर्वे के जरिए यह भी पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा के मुकाबले किन सीटों पर जीतने की स्थिति में होगा।

समाजवादी पार्टी के हिसाब से गठबंधन करीब 107 विधानसभा सीटों पर भाजपा के मुकाबले काफी कमजोर है। गठबंधन कमजोर पक्ष को दुरुस्त करने के लिए सबसे अधिक जोर देने की तैयारी में है। इन सीटों पर भाजपा का मजबूत जनाधार माना जा रहा है। ऐसे में प्राइवेट एजेंसी वहां समाजवादी पार्टी की जीत के फैक्टर तलास करेगी।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभी साफ कर दिया कि हर हाल में यूपी चुनाव 2017 के दौरान सपा-कांग्रेस गठबंधन बना रहेगा। दोनों दल लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी मिलकर लड़ेंगे।

ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंस कर नाबालिग ने उड़ाए 14 लाख, दी जान

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

शहर में ऑनलाइन गेम फ्री फायर खेलकर पिता के 14 लाख रुपये हारने के बाद 13 वर्ष के मासूम यश को जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह ऑनलाइन गेम के मकड़जाल में उलझ चुका था। जीत के लालच में या फिर हारी हुई रकम वापसी के लिए वह मात्र डेढ़ महीने में ही भारी-भरकम रकम हार गया। उसके घरवाले बताते हैं कि वह कुछ दिन से किसी से ठीक से बात नहीं कर रहा था।

उसके बदले हुए हावभाव को पहचान नहीं सके कि कोई बात उसे परेशान कर रही है। किसान

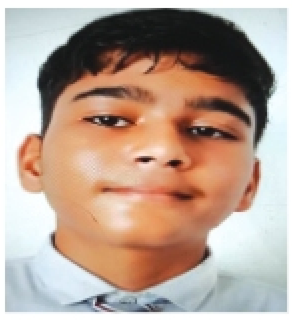

पिता सुरेश व मां विमला को मलाल है कि बेटे ने एक बार उनसे अपनी परेशानी नहीं बताई। यश की मौत से दोनों सुधबुध खो बैठे हैं।

सुरेश एक ही रट लगाए हैं कि पैसे तो आ जाते, लेकिन बेटा लौटकर नहीं आएगा। यश ने उन्हें पैसे हारने की बात बताई होती वह उससे नाराज नहीं होते। घरवाले बताते हैं कि यश फ्री फायर गेम का लती हो गया था। स्कूल से लौटते ही मोबाइल फोन लेकर बैठ जाता था। सुरेश ने बताया कि सोमवार को जरूरत पड़ने पर वह 20 हजार रुपये निकालने बैंक गए थे। खाते में रकम न होने की जानकारी हुई। उनकी शिकायत पर मैनेजर ने स्टेटमेंट निकाला।

इसमें पता चला कि पूरी रकम फ्री फायर गेम खेलने के दौरान खर्च की गई है। इससे पहले कि सुरेश यश से इस बारे में पूछताछ करते, उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुरेश ने आगे बताया कि घर में एक ही मोबाइल फोन है। फोन नंबर से उनका बैंक खाता लिंक है। यश ने उसी फोन में फ्री फायर डाउनलोड किया और गेम खेलने लगा। लालच में वह रकम लगाता गया और पूरा खाता खाली कर दिया। सुरेश का मोबाइल फोन सोमवार रात 9.00 बजे के बाद अचानक री-सेट हो गया। गैलरी, कॉल लॉग, मैसेज, फेसबुक, फ्री फायर गेम के अलावा सभी सोशल मीडिया अकाउंट अपने आप डिलीट हो गए। घरवालों को इसकी जानकारी करीब 10 बजे हुई। माना जा रहा है कि आत्महत्या से पहले यश ने फोन को री-सेट किया था।

चीनी मिल में खड़े टैंकर में मिले दो युवकों के शव सैकड़ों ग्रामीणों का हंगामा, ये मामला आ रहा सामने

बिजनौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

शुगर मिल के बायो वेस्टेज प्लांट में खड़े टैंकर में मंगलवार शाम गांव पल्लावाला निवासी सलमान (28) और गांव सरकड़ा निवासी मुकेश (25) के शव पड़े मिले। सूचना पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और शव नहीं उठने दिए। उधर, पुलिस ने टैंकर की सफाई करते हुए गैस से मौत होने की आशंका जताई है।

मुकेश पुत्र कैलाश सिंह शुगर मिल में टैंकर ले जाने वाले ट्रैक्टर पर चालक था। उसका पास में ही स्थित गांव पल्लावाला के सलमान पुत्र महबूब से मेलजोल

था। सलमान कबाड़ की फेरी करता था। भाई अरमान ने बताया कि सलमान मंगलवार दोपहर घर से धामपुर जाने के लिए निकला था। उसके बाद उन्हें उसका शव पड़ा होने की सूचना मिली।

पता लगते ही भारी संख्या में दोनों गांवों के ग्रामीण पहुंच गए। उन्होंने हत्या कर दोनों के शव टैंकर में डाले जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मुकेश के परिजनों का कहना है कि वह सुबह करीब आठ बजे काम पर गया था। पुलिस ने दोनों के शवों को टैंकर से बाहर निकलवाया। देर शाम तक ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए शव नहीं उठने दिए।

एएसपी पूर्वी एके श्रीवास्तव और सीओ अभय कुमार पांडे मौके पर पहुंचे। उधर, थाना धामपुर पुलिस की ओर से जारी प्रेसनोट में बताया गया कि मंगलवार शाम करीब पांच बजे शुगर मिल धामपुर के एचआर मैनेजर विजय गुप्ता ने बायो वेस्टेज प्लांट टैंकर में दो व्यक्तियों की मौत होने की सूचना दी। मुकेश टैंकर में धामपुर शुगर मिल की केमिकल यूनिट से बायो कंपोस्ट लेकर वेस्टेज प्लांट में आया था।

मृतकों के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। प्रथम दृष्टया वेस्टेज टैंकर की सफाई के दौरान बनी गैस में दम घुटने से दोनों की मौत होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सही कारणों का पता चल पाएगा।

दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को वकीलों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

वाराणसी, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

जिले में अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस की पिटाई का मामला सामने आया है। यहां मंगलवार को कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने बड़ागांव थाने पर तैनात दरोगा मिथिलेश समेत चार पुलिसकर्मियों को दौड़ा- दौड़ाकर बेरहमी से पीटा। मामले को लेकर मौके पर हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में दरोगा को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बड़ागांव थाने में जमीन के प्रकरण में विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर मंगलवार को भी दरोगा और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ। मामला बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गया। घटनास्थल पर डीएम सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा बार के पदाधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। पूरी कचहरी को छावनी में तब्दील किया गया है। कमिश्नरेट की पांच थानों की फोर्स मौके पर तैनात है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह अटल प्रेक्षागृह में मंगलवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की कुलपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कर की। इस दौरान कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, दिव्यांगजन एस. गोविन्द-राज, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि दीक्षांत में कुल 166 पदक दिए गए। इनमें 81 स्वर्ण पदक (छात्राएं 45.68 फीसदी और

छात्र 54.32 फीसदी) 43 रजत पदक (छात्राएं 53.49 फीसदी व छात्र 46.51 फीसदी) व 42 कांस्य पदक (छात्राएं 61.90 फीसदी और छात्र 38.10 फीसदी) हैं। कुल 2113 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। इनमें 962 छात्राएं व 1151 छात्र हैं। कुलपति संजय सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया की वर्तमान में दो नए संकाय, भेषज विज्ञान संकाय (फैकेल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल सांइसेज) व अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (फैकेल्टी आर्फ इंजीनियरिंग एंड टेकनोलॉजी) और संस्कृत विभाग व योग विभाग सहित कुल 10 संकाय और 35 विभाग हैं। यहां एक वर्ष में 14 नीतियां यथा खेल नीति-2024 (स्पोर्टस पॉलिसी), छात्रावास नीति 2024 (हॉस्टल पॉलिसी), यूजी, पीजी व पीएचडी नियमावली-2024 फैकल्टी बोर्ड रेगुलेशन-2024, छात्र आचरण एवं अनुशासन नियमावली बनाई गई है। कुलपति ने बताया की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2025-26 से चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम लागू कर दिया गया है, जिससे हमारे प्रोग्राम एवं कोर्सेज में भी बढ़ोतरी हुई है। अब विश्वविद्यालय में मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम घोषित होने से पहले दिखाई जाती हैं। इससे चुनौती मूल्यांकन में काफी कमी आयी है और परीक्षा परिणाम भी शीघ्र घोषित हो जा रहे हैं। कुलपति ने बताया की इंडेक्स रैंकिंग 2025 में 162वां स्थान व ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139वां एवं बायोलॉजिकल साइंस में 59वां स्थान मिला है। कुलपति ने कहा की शैक्षणिक शोध एवं नवाचार को गति देने के लिए पुस्तकालय नियमावली 2025 बनाई गई है। कुलपति ने बताया दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल पुस्तकों के साथ टॉकिंग बुक स्टूडियो के माध्यम से पुस्तकें और पाठ्य सामग्री, उपलब्ध करायी जा रही है। वर्तमान में 164757 ब्रेल पृष्ठ मुद्रित हुए हैं।

मछली मंडी पर गिरा विशालकाय पीपल का पेड़, नीचे दबकर एक की मौत

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

कैसरबाग में मंगलवार को मछली मंडी पर पीपल का पेड़ गिर पड़ा। घटना से वहां हड़कंप मच गया। पेड़ के नीचे दुकान में बैठे पांच लोग दब गए। पुलिसकर्मियों ने दमकलकर्मियों के साथ मिलकर घायलों को निकाला। मगर इनमें से एक की मौत हो गई। मछली मंडी में लाला सोनकर परिवार के साथ रहते हैं। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे लाल के मकान में लगा भारी भरकम पीपल का पेड़ मछली मंडी पर गिर पड़ा। मंडी में जानकीपुरम निवासी रामू व अन्य चार लोग भाग न सके और पेड़ के नीचे दब गए। घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी गई। लोगों ने

घायलों को निकालने की कोशिश की। इस बीच पहुंचे दमकलकर्मियों ने सभी को बाहर निकाल लिया। हादसे में रामू की मौत हो गई। अन्य घायलों की पहचान की जा रही है। मामले की जानकारी पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं, कुछ देर बार महापौर सुषमा खर्कवाल भी पहुंची। मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद हैं और पेड़ हटाने का प्रयास किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने घायलों का बलरामपुर अस्पताल में हालचाल लिया। कैसरबाग हादसे में त्रिवेणी नगर के राम चरन के बेटे रामू (60) को मृत अवस्था में बलरामपुर इमरजेंसी में लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच पड़ताल के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया है। वहीं, रिजवान (22), शोएब (22), अभिषेक (32) व मो. अरमान (30) अस्पताल में भर्ती हैं। खतरे से बाहर हैं।

सिरपुर विधायक ने एमएलसी दांडे विट्ठल के बयान की आलोचना की

कागजनगर/आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने एमएलसी दांडे विट्ठल के उस बयान की कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर जीवन रक्षक परियोजना शुरू नहीं हुई तो वे अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। विधायक हरीश बाबू ने इसे कांग्रेस सरकार के प्रति विट्ठल के अविश्वास का प्रतीक बताया।

मंगलवार को मंडल केंद्र में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, डॉ. हरीश बाबू ने कहा कि एमएलसी दांडे विट्ठल का यह हालिया बयान समझ से परे है। उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने 2008 में ही इस परियोजना को शुरू कर दिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब नया कुछ भी शुरू करने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि इस परियोजना को पूरा करने की ज़िम्मेदारी वर्तमान कांग्रेस सरकार की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अगले साढ़े तीन साल के भीतर यह जीवन रक्षक परियोजना पूरी नहीं हुई, तो जनता उन्हें भी उसी तरह सबक सिखाएगी, जैसा कि उन्होंने केसीआर को सिखाया था।विधायक ने सवाल उठाया कि जब खुद एमएलसी को अपनी ही कांग्रेस सरकार पर भरोसा नहीं है, तो जनता को कैसे होगा? उन्होंने कहा कि दांडे विट्ठल के बयान से ऐसा लगता है जैसे उन्होंने हार मान ली है और उन्हें विश्वास नहीं है कि यह परियोजना पूरी हो पाएगी। हरीश बाबू ने मांग की कि परियोजना का काम तुरंत शुरू किया जाए और अगले विधानसभा चुनाव तक इसे पूरा कर संयुक्त आदिलाबाद जिले को सिंचाई सुविधाएँ प्रदान की जाएँ।प्रेस वार्ता में विधायक ने अन्य मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने तालोडी-सालुगुपल्ली आरएंडबी सड़क के हिस्से के रूप में तलोडी चौराहे से बालाजी अनुकड़ा में रायथु वेदिका तक दोहरी सड़क के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से सीआरआईएफ (केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि) योजना के तहत धन स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए वे अधिकारियों से बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर अतिरिक्त आवंटन किया जा रहा है, और जल्द ही 1000 मीट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया की आपूर्ति की जाएगी।इस प्रेस सम्मेलन में भाजपा जिला अध्यक्ष धोनी श्रीशैलम, जिला उपाध्यक्ष बंदी राजेंद्र गौड़, मंडल अध्यक्ष कुंचला विजय, पूर्व जेडपीटीसी एल्मुले मलैया, नीरती सत्यनारायण, पूर्व एमपीटीसी दुर्गम मोतीराम, वनू पटेल, सत्तैया, तिरूपति गौड़, शिवराम, तिरूपति, मधुकर सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बालाजी झेंडे के पास महाप्रसाद का आयोजन

मदनूर, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर साल की तरह इस साल भी स्थानिक बालाजी झेंडे समिति द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। समिति ने बताया कि 9 सितंबर मंगलवार को नांदेड़ जिले के देगलूर तालुका से बालाजी झेंडे का गाजे-बाजे के साथ मदनूर शहर में भव्य स्वागत किया गया। पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच झेंडे को चबूतरे पर स्थापित किया गया, जहां हर दिन सुबह-शाम पूजा-अर्चना की जा रही है।

समिति ने आगे बताया कि यह परंपरा 250 वर्षों से चली आ रही है। ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति झेंडे के पास आकर अपनी मन्नत मांगता है, भगवान बालाजी उसे जरूर पूरा करते हैं। इसी आस्था के चलते हर एक बालाजी भक्त 11 दिनों के भीतर आकर अपनी मन्नत पूरी करते हैं।

मंगलवार दोपहर को बालाजी झंडा समिति द्वारा सार्वजनिक महाआरती और महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया और महाप्रसाद का सेवन कर पुण्य लाभ कमाया।

गांधी चौक पर बतुकम्मा उत्सव की तैयारियाँ तेज़, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

कागजनगर/आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कागज़नगर शहर के गांधी चौक पर आगामी बतुकम्मा उत्सव के मद्देनजर व्यापक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। नगर आयुक्त ए. राजेंद्र ने मंगलवार को स्वयं गांधी चौक का दौरा किया और स्थिति का निरीक्षण किया।

स्थानीय व्यापारियों ने आयुक्त का ध्यान इस ओर दिलाया कि पेड़ों की अधिकता के कारण हाल ही में चौक में साँप घूम रहे थे और बच्चों व बड़ों ने डर के मारे वहाँ जाना बंद कर दिया था। आयुक्त ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि दो दिन पहले नगर निगम के कर्मचारियों को पेड़ों को काटने और टूटी हुई शाखाओं को हटाने के लिए भेजा गया था।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आगामी बतुकम्मा उत्सव के दौरान महिलाओं को बिना किसी परेशानी के खुशी से उत्सव मनाने के लिए विशेष प्रकाश व्यवस्था, सफाई और सुरक्षा उपाय किए जाएँगे। आयुक्त ने कहा कि चूँकि गांधी चौक पूर्व में बतुकम्मा उत्सव का मुख्य स्थल रहा है, इसलिए इस बार भी उस परंपरा को जारी रखने के लिए सभी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

बाजार के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और नगर निगम के अधिकारियों के साथ अपने सुझाव साझा किए।

आसिफाबाद में आरएमपी डॉक्टरों का जेल भेजने के विरोध में धरना प्रदर्शन

आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज आसिफाबाद जिला मुख्यालय में जिले की सभी तहसीलों से आए आरएमपी और पीएमपी डॉक्टरों ने एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन और आंदोलन किया। उन्होंने रूपनार रमेश, मधुकर, और रविकांत के खिलाफ दर्ज किए गए मामलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की और इस संबंध में समर्थन जताते हुए आंदोलन किया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पूर्व सरकारों से लेकर वर्तमान सरकार तक, सभी मुख्यमंत्रियों ने विधानसभा में आरएमपी और पीएमपी के लिए मान्यता पत्र देने का वादा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी और आईएमसी द्वारा उन पर किए जा रहे हमले संविधान के खिलाफ हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार आरएमपी और पीएमपी को सुरक्षा प्रदान करे और उन्हें आधिकारिक तौर पर मान्यता पत्र जारी कर उनके कार्य को वैधता प्रदान करे।

इस कार्यक्रम में पोनल नारायण, जड़ी दिलीप, कैम्बाला वेंकन्ना, श्रीनिवास, चारी दास, केदारी गॉड सहित जिले भर से बड़ी संख्या में आरएमपी और पीएमपी उपस्थित थे।आरएमपी और पीएमपी डॉक्टरों ने इस धरने के माध्यम से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि वे ग्रामीण और दूरद-राज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जहां सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं अपर्याप्त हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि उनकी सेवाओं को मान्यता दी जाए और उनके खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाए।

आसिफाबाद के स्थानीय लोगों ने भी इस प्रदर्शन को समर्थन दिया। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने माना कि आरएमपी और पीएमपी डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रदर्शन ने स्थानीय प्रशासन का ध्यान भी आकर्षित किया है, और उम्मीद की जा रही है कि सरकार इस मुद्दे पर विचार करेगी।

आंदोलन में शामिल नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे भविष्य में और बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है ताकि आरएमपी और पीएमपी डॉक्टर बिना किसी भय के अपनी सेवाएं जारी रख सकें।

मंचेरियल जिला परिषद हाई स्कूल दोनबंडा में हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया

मंचेरियल, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल के जिला परिषद हाई स्कूल, दोनबंडा में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह कार्यक्रम बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में विविध सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी अध्यापक नीलेश काछवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि हिंदी दिवस के तहत स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, और निबंध प्रतियोगिता जैसे कई आयोजन किए गए। इन कार्यक्रमों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रधानाध्यापक पी. करुणाकर ने अपने अभिभाषण में हिंदी भाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और इसके महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों को हिंदी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभी अध्यापकों ने भी हिंदी भाषा के प्रति अपने विचार साझा किए और इसके प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया।

हिंदी अध्यापक सिकंदर ने अपने मधुर हिंदी गीत से सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा, दुर्दना नहीद और स्वरुपा रानी ने भी हिंदी गीत प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। नीलेश काछवाल ने व्यावहारिक हिंदी सीखने पर जोर देते हुए कहा कि हमें ऐसी हिंदी सीखनी चाहिए जो दैनिक जीवन में उपयोगी हो। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में हिंदी के प्रति प्रेम और लगाव को बढ़ाते हैं।

इस आयोजन में स्कूल के शिक्षक बानाला लक्ष्मीनारायण, आनंद राव, दुर्दना नहीद, स्वरुपा रानी, नागराजू, गोपाल, मनोज, बी. किसान, डी. सुधाकर, यम मूर्ति सहित सभी छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

यह आयोजन न केवल हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि छात्रों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा दिया। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की योजना बनाई है ताकि हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार और अधिक प्रभावी ढंग से हो सके।

छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी में हिंदी के महत्व को समझाने और इसे अपनाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रेल सेवा समिति कागजनगर में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्यरत : अध्यक्ष प्रयाग तिवारी

कागजनगर/आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेल सेवा समिति के अध्यक्ष प्रयाग तिवारी ने कहा कि समिति कागजनगर में शहरी रेल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है। मंगलवार को स्थानीय राजस्थान भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि समिति रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं को उन्नत करने और कागजनगर में कई ट्रेनों के ठहराव के लिए प्रयास कर रही है।

उन्होंने आदिलाबाद के सांसद गोदाम नागेश और सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस महीने की 18 तारीख को वंदे भारत एक्सप्रेस के कागजनगर में ठहराव के लिए सफल प्रयास किया। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री का विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रयाग तिवारी ने यह भी जानकारी दी कि जल्द ही केरल एक्सप्रेस के साथ-साथ सिकंदराबाद से कागजनगर होते हुए कोलकाता के लिए एक विशेष ट्रेन भी चलाई जाएगी, जो स्थानीय यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा होगी।

इस संवाददाता सम्मेलन में रेल सेवा समिति के कोषाध्यक्ष पवन बलदेव, अरुण लोया, पेड्डी हरीश, साई सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष सप्ताह समारोह में भाकपा नेताओं ने किया ऐतिहासिक योगदान का स्मरण

आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिला केंद्र में तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष सप्ताह समारोह का आयोजन स्थानीय बस स्टैंड के सामने किया गया, जहाँ भाकपा जिला सचिव बद्री साई कुमार ने पार्टी का झंडा फहराया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाकपा राज्य सचिव कलावेणी शंकर ने कहा कि तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष का नेतृत्व पूर्णतः भाकपा के हाथों में था और यह संघर्ष लाल झंडे की छाया में हुआ।

उन्होंने कहा कि निज़ाम शासन के दौरान जनता को धन, सम्मान और जीवन की सुरक्षा नहीं थी, जिसके विरोध में आंध्र महासभा का गठन हुआ और संघर्ष के माध्यम से 10 लाख एकड़ भूमि गरीबों को वितरित की गई। उन्होंने यह भी कहा कि हैदराबाद राज्य का भारत में विलय रवि नारायण रेड्डी, बद्दाम येल्ला रेड्डी और सोयबुल्लाह खान जैसे नेत-ाओं के संघर्ष का परिणाम था।

शिक्षक होते हैं सही मार्गदर्शक : कोवा लक्ष्मी

कागजनगर/आसिफाबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद की विधायक कोवा लक्ष्मी ने शिक्षकों को समाज का मार्गदर्शक बताया। यह बात उन्होंने भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर कागजनगर के विद्याधरी हाई स्कूल में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में कही। यह कार्यक्रम तेलंगाना मान्यता प्राप्त विद्यालय संघ (टीआरएएसएमए) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।समारोह की शुरुआत विधायक कोवा लक्ष्मी और टीआरएएसएमए के प्रदेश अध्यक्ष शिवरात्रि यादगिरी द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। दोनों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ राज्य के मुख्य सलाहकार यादगिरी शेखर राव, प्रदेश उपाध्यक्ष डेनियल्स और जिला अध्यक्ष देवभूषणम समेत कई अन्य नेताओं ने भी श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, विधायक कोवा लक्ष्मी ने निजी स्कूलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये स्कूल कम शुल्क में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने टीआरएएसएमए को आश्वासन दिया कि वे उनके भवन के निर्माण के लिए जिला केंद्र में 10 एकड़ ज़मीन उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगी।

टीआरएएसएमए के राज्य अध्यक्ष शिवरात्रि यादगिरी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी, शिक्षक का स्थान कोई नहीं ले सकता। वहीं, मुख्य सलाहकार यादगिरी शेखर राव ने कहा कि आज के समय में छात्र अपना ज़्यादातर समय सेल फोन पर बुरी आदतों में बिता रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से छात्रों को इन बुरी आदतों के प्रति जागरूक करने की अपील की। इस कार्यक्रम मेंटीआरए-एसएमए के जिला अध्यक्ष परद-ेसी देवाभूषणम, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष पेद्दापल्ली किशन राव, महासचिव तिरूपति चारी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, और अन्य टीआरएएसएमए नेता जैसे नरेंद्र, डिकोंडा संजीव कुमार, चिलुकुरी राधाकृष्ण चारी, राठौड़ तुलसीदास, जमील सुदर्शन गौड़ और ई. पोचैया भी शामिल हुए।

पुलिस स्टेशन के पास पान पट्टी में चोरी

मदनूर, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर में सोमवार की रात एक पान पट्टी की दुकान में चोरी हो गई। यह घटना पुलिस स्टेशन के बिल्कुल बगल में हुई, जिससे स्थानीय लोग हैरान हैं।

मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार शाम को पान पट्टी के मालिक ने दुकान बंद की।

इसके बाद, कुछ अज्ञात लोगों ने दुकान का ताला तोड़ दिया और अंदर रखे कुछ पैसे लेकर फरार हो गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य सड़क और पुलिस स्टेशन के पास चोरी होना एक बड़ी बात है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले भी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में देर रात कुछ अज्ञात लोग मुंह पर रुमाल बांधकर घूमते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। स्थानीय जनता ने पुलिस से रात में गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाने की मांग की है।

बाघों की आवाजाही पर लगाम लगाने के लिए वन अधिकारी लगाएंगे ड्रोन कैमरा

मदनूर, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर में बाघ की लगातार आवाजाही से परेशान किसानों को राहत देने के लिए वन अधिकारियों ने जंगल में ड्रोन कैमरे लगाने का आश्वासन दिया है। यह फैसला मंगलवार को तहसीलदार मुजीब एम.डी. द्वारा बुलाई गई एक बैठक में लिया गया।

सोमवार को किसानों ने अपनी समस्या को लेकर तहसीलदार मुजीब को एक ज्ञापन सौंपा था।

इसके बाद, तहसीलदार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को अपने कार्यालय में वन अधिकारियों और स्थानीय किसानों के साथ एक बैठक आयोजित की।

बैठक में, किसानों की समस्याओं को सुनते हुए तहसीलदार ने वन अधिकारियों को जंगल में बाघ की पहचान करने के लिए ड्रोन कैमरे लगाने का निर्देश दिया। वन अधिकारियों ने इस पर सहमति जताई और जल्द ही ड्रोन कैमरों की मदद से बाघों की पहचान कर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

जीके एनर्जी का आईपीओ 19 सितंबर को खुलेगा मूल्य का दायरा 145-153 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)।

जीके एनर्जी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 सितंबर 2025 को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 23 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 145-153 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

जीके एनर्जी लिमिटेड ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 19 को खुलकर 23 सितंबर को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 18 सितंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने 2 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू के लिए मूल्य का दायरा 145-153 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक न्यूनतम 98 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 98 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। पुणे स्थित कंपनी जीके एनर्जी लिमिटेड आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। कंपनी के शेयरधारकों द्वारा 65 करोड़ रुपये की 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। इस प्रकार कुल निर्गम का आकार 465 करोड़ रुपये हो जाता है। कंपनी की योजना नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त 322.5 करोड़ रुपये का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए और शेष राशि का सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी। जीके एनर्जी लिमिटेड भारत की एक सौर ऊर्जा से चलने वाली कृषि जल पंप प्रणाली प्रदाता कंपनी है। सौर ऊर्जा से चलने वाले कृषि जल पंप प्रणाली प्रदाता ये कंपनी किसानों को सौर ऊर्जा चालित पंप प्रणालियों के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति, संयोजन और स्थापना, परीक्षण, उसे चालू करना और रखरखाव के लिए संपूर्ण एकल स्रोत समाधान प्रदान करती है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत सौर पंप प्रणालियों का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

न्यूजब्रीफ

इंडिगो आठ अक्टूबर से मुंबई से कोपेनहेगन की सीधी उड़ान शुरू करेगी

मुंबई। एयरलाइन कंपनी इंडिगो 8 अक्टूबर से मुंबई से डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करेगी, जिससे उत्तरी यूरोप में उसके अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का और विस्तार होगा। इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि नई सेवाएं सप्ताह में तीन बार संचालित की जाएंगी और इसके लिए वह नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से पट्टे पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल करेगी। कंपनी के मुताबिक इस मार्ग पर ग्राहकों के पास इकोनॉमी क्लास के साथ-साथ इंडिगो के विशेष व्यावसायिक उत्पाद, इंडिगोस्ट्रेच में उड़ान भरने का विकल्प होगा। वे लगभग 300 घंटे की आकर्षक सामग्री के साथ-साथ उड़ान के दौरान मनोरंजन के साथ-साथ मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थों का आनंद ले सकेंगे। इंडिगो ने बताया कि ये उड़ानें अब सभी प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें इंडिगो की वेबसाइट मोबाइल ऐप और सभी अधिकृत यात्रा साझेदार शामिल हैं। इसके साथ ही इंडिगो एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का उत्तरी यूरोप में विस्तार करेगी, जिससे कोपेनहेगन उसका 44वां अंतरराष्ट्रीय और कुल मिलाकर 138वां गंतव्य बन जाएगा।

खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं........भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश में खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं होगी और भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा। दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' को संबोधित कर कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश में कृषि 3.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे अधिक है, और इसका श्रेय हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य एकजुट हैं और हमारे राष्ट्र, हमारे लोगों और हमारे किसानों के लिए, हम पूरी ताकत से मिलकर काम करते करने वाले हैं, क्योंकि उनका कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है। राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' में बोले कृषि मंत्री केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी मिली है। हम साधारण लोग नहीं हैं। हम वे लोग हैं जो देश की आधी आबादी का भाग्य गढ़ते हैं। हमें पूरी लगन से काम करना होगा। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि अब केवल सभी मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले बायो-स्टिमुलेंट्स (पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाले) ही बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। केंद्र के साथ मिलकर सभी राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सभी संबंधित संगठनों को ठोस कार्यक्रम और रणनीति तैयार करनी चाहिए और जमीनी स्तर पर तेजी से काम करना चाहिए। अधिकारियों को अपने काम में मूल्यवर्धन करना चाहिए।

मदर डेयरी ने दूध, पनीर और घी के दाम घटाये, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

नई दिल्ली। मदर डेयरी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में 100 फीसदी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देगी। इसीलिए अब अपने उत्पादों की कीमतों में 2 रुपये से लेकर 30 रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। मदर डेयरी ने मंगलवार को रोजमर्रा की जरूरतों वाले उत्पादों जैसे टोन्ड मिल्क, पनीर, बटर, घी, पनीर और प्रीमियम गाय के घी की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। कीमतों में कटौती के बाद एक लीटर टोंड यूएचटी टेट्रा पैक दूध की कीमत 77 रुपये प्रति लीटर से घटकर 75 रुपये हो जाएगी, जबकि 450 एमएल वाला पैक अब 33 रुपये के बजाय 32 रुपये में मिलेगा। फ्लेवर्ड मिल्कशेक के 180 एमएल पैक की कीमत भी 30 रुपये से घटकर 28 रुपये हो जाएगी। मदर डेयरी ने पनीर के दामों में भी कटौती की है। अब 200 ग्राम वाला पनीर 95 रुपये की जगह 92 रुपये में और 400 ग्राम वाला पनीर का पैकेट 180 रुपये की जगह 174 रुपये में मिलेगा।

एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की मजबूती से निवेशकों को एक दिन में 2.91 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेत, अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की उम्मीद और रुपये की मजबूती के कारण घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तेजी का माहौल बना रहा। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.96 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.05 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.91 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,309 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,508 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,606 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 195 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,777 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,787 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 990 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 66.37 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,852.11 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के झटके के कारण ये सूचकांक कुछ पल के लिए 5.80 अंक की कमजोरी के साथ 81,779.94 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 657.74 अंक की मजबूती के साथ 82,443.48 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 60 अंक से अधिक फिसल कर 594.95 अंक की मजबूती के साथ 82,380.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 4.40 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,073.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि, बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का मामूली झटका भी लगता रहा। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में तेजी बनी रही। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 192.20 अंक उछल कर 25,261.40 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली की वजह से निफ्टी ने ऊपरी स्तर से 20 अंक से अधिक टूट कर 169.90 अंक की तेजी के साथ 25,239.10 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा 2.58 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.28 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.20 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 2.02 प्रतिशत और भारती एयरटेल 1.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.95 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 0.89 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.87 प्रतिशत, नेस्ले 0.68 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

अगस्त में भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि

कोलकाता,16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और व्यापार युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत ने इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में मजबूती दिखाई है। अगस्त 2025 में देश से इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात 4.9 प्रतिशत बढ़कर 9.90 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 9.44 अरब डॉलर था।

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी इंडिया) के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों (अप्रैल से अगस्त) में कुल निर्यात 5.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 49.24 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि अगस्त में हुई यह बढ़ोतरी उत्साहजनक है, लेकिन अमेरिकी शुल्कों की वजह से तनाव के शुरुआती संकेत भी दिख रहे हैं। जुलाई की तुलना में अगस्त में निर्यात लगभग पांच प्रतिशत घटा। चड्ढा ने बताया कि करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात अमेरिकी शुल्कों की चपेट में हैं, जिससे यह क्षेत्र संवेदनशील बना हुआ है। ईईपीसी इंडिया ने सरकार से ब्याज समानता योजना (इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम) को फिर से लागू करने की मांग की है, ताकि निर्यातकों को सस्ती दरों पर वित्त उपलब्ध हो सके। इसके अलावा मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) को भी पुनः शुरू करने और मजबूत करने की जरूरत बताई गई है। इस योजना से छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नए बाजारों की खोज करने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेने और वैश्विक स्तर पर भारत की इंजीनियरिंग क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर मिल सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान के...

लेकिन कश्मीर को अलग मुद्दा बनाना गलत। व्यापार या मध्यस्थता का कोई लिंक नहीं।गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिसमें अधिकतर हिंदू पर्यटक थे। भारत ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और झेघ में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के नौ कैंपों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की और हवाई झड़पें हुईं। जिसमें भारतीय वायुसेना ने पाँच पाकिस्तानी लड़ाकू विमान गिराए।

2047 तक...

आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज़ के लिए उपयोगी हो। यह बहुत ज़रूरी है और जिस तरह प्रत्यर्पण ज़रूरी है, उसी तरह व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ निर्वासन भी ज़रूरी है। जिन लोगों को आपने यहाँ जेल में रखा है, वे किसी न किसी तरह से यहाँ से कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। गृह मंत्रालय की ओर से कुछ दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इस प्रक्रिया के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, उन्हें निर्वासित करने की व्यवस्था का रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। गृह विभाग इसके लिए एक एसओपी भी जारी करने वाला है।

विवाहघर बनाने के...

करके 27 मंदिरों में विवाह हॉल के निर्माण की घोषणा की थी। इस हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम और उसके नियमों के प्रावधानों के तहत सरकार को विवाह हॉल के निर्माण के लिए मंदिर के धन या अधिशेष धन का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है।याचिका में कहा गया कि मंदिर का धन व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं है और ये सरकारी आदेश तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1959 की धारा 35, 36 और 66 का उल्लंघन है। वहीं राज्य के वकील ने उच्च न्यायालय को बताया कि हिंदू विवाह एक धार्मिक गतिविधि है। हिंदुओं को कम खर्च में विवाह संपन्न कराने में सहायता करने के लिए सरकार ने विवाह हॉल बनाने का निर्णय लिया।

ऑपरेशन सिंदूर में ...

हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई थी।बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी मसूद ने परिवार के लोगों के मरने के बाद एक बयान भी जारी किया था। इसमें उसने कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता।

मसूद अजहर सालों से बहावलपुर के चौक आजम इलाके के मरकज सुभानल्लाह नाम के कैंपस में ही रह रहा था। साल 2011 तक इस कैंपस में सिर्फ एक मस्जिद थी, उसके बाद आतंकियों की ट्रेनिंग और बाकी एक्टिविटीज के लिए कैंपस में इमारतें और बाकी स्ट्रक्चर बढ़ता चला गया। सैटेलाइट इमेजेज के आधार पर इसका पूरा इलाका 18 एकड़ बताया जाता है।फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद जैश-ए-मोहम्मद ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद भारत की मांग पर संयुक्त राष्ट्र ने मसूद को ग्लोबल टेररिस्ट की लिस्ट में डाला था। अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर पाकिस्तान ने कहा था कि जैश के बहावलपुर हेडक्वार्टर को सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने मसूद की सिक्योरिटी और बढ़ा दी थी। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को इस तरह की स्ट्राइक का अंदेशा था, इसलिए माना जाता है कि मसूद को पहले ही वहां से शिफ्ट कर दिया गया था।ले. ज. रामेश्वर रॉय के मुताबिक, पाकिस्तान में मसूद को सेना का प्रोटेक्शन मिला हुआ है, लेकिन पाकिस्तान यह नहीं मानता कि मसूद उसकी जमीन पर मौजूद है। इसलिए पाकिस्तान मसूद अजहर के मारे जाने की बात छिपाने की कोशिश कर सकता है।

उत्तराखंड की टोंस ...

इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं।सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

सेना बनेगी टेक...

यह दो महीने, एक साल या पाँच साल भी हो सकता है। हमें तैयार रहने की ज़रूरत है। हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि हमारी क्षमता पर्याप्त बनी रहे।

भारत के रक्षा क्षेत्र को आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं का सम्मिश्रण बताते हुए, रक्षा मंत्री ने कमांडरों से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुरूप सुदर्शन चक्र के निर्माण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परियोजना की जाँच और एक यथार्थवादी कार्य योजना तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने इस परिकल्पना को साकार करने के लिए अगले पाँच वर्षों के लिए एक मध्यम अवधि और अगले दस वर्षों के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाने का सुझाव दिया।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि देश का रक्षा क्षेत्र आधुनिकीकरण, परिचालन तत्परता, तकनीकी श्रेष्ठता और विश्वसनीय प्रतिरोध पर केंद्रित है, राजनाथ सिंह ने 15 सितंबर, 2025 को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए जय (संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार) के मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। सिंह ने भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों के विकास में उद्योग और शिक्षा जगत के साथ गहन जुड़ाव की वकालत की। उन्होंने एक मजबूत रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और घरेलू उद्योग को दुनिया में सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ बनाने में निजी क्षेत्र की भूमिका को और बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण की पुष्टि की।

महाराष्ट्र में...

इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की थी।शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला अध्यादेश लेकर आई थी।

इससे पहले दिसंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा। ट्रिपल टेस्ट के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर डेटा एकत्र करने, आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करने की आवश्यकता थी कि ऐसा आरक्षण एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

देशभर में एक साथ...

सूची से हट सकते है। हालांकि यह स्थिति 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद ही साफ हो सकेगी।

आयोग से जुड़े विश्लेषकों के मुताबिक देश भर में एसआईआर होने से जहां मतदाता सूची की गड़बड़ियां दूर हो जाएगी, वहीं इसका स्वत: असर मतदान प्रतिशत पर पड़ेगा। एक अनुमान के मुताबिक यदि देश भर की मतदाता सूची से करीब 15 करोड़ लोगों के नाम हट जाएंगे, तो मतदान प्रतिशत में करीब दस प्रतिशत का उछाल दिखेगा।

उदाहरण के तौर पर 2024 में सौ करोड़ मतदाताओं की संख्या पर हुए चुनाव में जहां करीब 66 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं 85 करोड़ मतदाताओं पर होने पर मतदान का प्रतिशत करीब 77 प्रतिशत हो जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 17 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आज 16 सितंबर, 2025 को हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन बड़े उत्साह के साथ किया गया। समारोह का शुभारंभ भाकृअनुप गान के प्रदर्शन के साथ हुआ। डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके समारोह के शुभारंभ की घोषणा की।

डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह समारोह हर वर्ग को एक मंच पर लाने का एक सुनहरा अवसर है और हमारी राजभाषा हिंदी भी यही कार्य कर रही है। इसके पश्चात डॉ. श्याम प्रसाद ने संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई।

इस अवसर पर श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश का वाचन किया। वहीं, श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अपील को प्रस्तुत किया।डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व स्तर पर हिंदी के बढ़ते प्रभाव और वर्चस्व के बारे में बताया। उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध लेखन, अनुवाद, आशुभाषण, प्रश्नमंच आदि के साथ-साथ हिंदी में हस्ताक्षर अभियान की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। डॉ. श्याम प्रसाद ने अपने संबोधन में हिंदी चेतना मास समारोह के सफल आयोजन के लिए संस्थान के अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे कार्यों की सार्थकता तभी सिद्ध हो सकती है, जब उनके प्रयोक्ता अर्थात किसान उनका उपयोग कर सकें, और यह केवल हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं के प्रयोग से ही संभव है। उन्होंने कहा, हमारी भाषाओं का विकास हमारे देश और संस्कृति के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस चेतना मास के दौरान अपने हस्ताक्षर हिंदी में करने चाहिए, जिसके लिए एक आदेश भी जारी किया गया है।समारोह का समापन डॉ. महेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय और संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब और डॉ. महेश कुमार द्वारा किया गया।

मां दुर्गा की कृपा संस्था ने किया अन्न प्रसाद का वितरण

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पितृ पक्ष की दशमी के श्राद्ध के अवसर पर, मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट ने अन्न प्रसाद का वितरण किया। यह आयोजन विशेष रूप से उन पितरों के निमित्त किया गया, जिनके परिवार नहीं हैं और जो भूखे-प्यासे भटकते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य ऐसे लोगों को भरपेट भोजन कराना था।

इस आयोजन को सोनासर बाबा की प्रेरणा और श्याम बाबा के आशीर्वाद से सफल बनाया गया। यह सेवा पूरी तरह से नियमित रूप से जारी है।

इस नेक कार्य को सफल बनाने में विनय किशोर तायल, योगेश खत्री, मीता खत्री और अशोक कुमार अग्रवाल ने अपनी सेवाएं दीं और इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

आईआईएफ प्रतिनिधिमंडल ने किया मिधानि का दौरा

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय फाउंड्रीमैन संस्थान (आईआईएफ) के प्रतिनिधिमंडल ने आपसी सहयोग और तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हेतु आज मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा दोनों संस्थानों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति के उद्घाटन उद्बोधन से हुआ, जिसके उपरांत आईआईएफ के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। आप दोनों ने उद्योग और संस्थानों के बीच सहयोग को देश के धातुकर्म एवं रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने में अत्यंत आवश्यक बताया। अवसर पर मिधानि की निदेशक (वित्त) श्रीमती मधुबाला ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की।

प्रतिनिधिमंडल को मिधानि एवं आईआईएफ की प्रस्तुतियों और कॉर्पोरेट वीडियो के माध्यम से दोनों संस्थानों की उपलब्धियों, क्षमताओं और भविष्य की दृष्टि से अवगत कराया गया। इसके पश्चात हुई खुली चर्चा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें मिधानि की रक्षा क्षेत्र हेतु कास्टिंग आवश्यकताएँ, विक्रेता नामांकन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी उन्नयन में सहयोग, आईआईएफ सदस्यों हेतु मिधानि की सुविधाओं का उपयोग, कच्चे माल पर परामर्श, तथा आगामी आईएफईएक्स 2026 में मिधानि की संभावित सहभागिता शामिल रही। आईआईएफ और मिधानि के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का समापन संयंत्र भ्रमण से हुआ, जहाँ प्रतिनिधिमंडल ने मिधानि की उन्नत उत्पादन प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर ने दीर्घकालिक एवं पारस्परिक लाभकारी सहयोग की संभावनाओं को और प्रबल किया।

नराकास को राष्ट्रीय उत्कृष्ट नराकास पुरस्कार: हिंदी कार्यान्वयन में उत्कृष्टता का सम्मान

नराकास राष्ट्रीय पुरस्कार सामूहिक उपलब्धि है : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद को राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित हिंदी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर का 'उत्कृष्ट नराकास' सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार सामूहिक उपलब्धि का प्रतीक है, जो समिति के निरंतर प्रयासों को मान्यता देता है।सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के कर-कमलों से नराकास (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष तथा ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने इस पुरस्कार को ग्रहण किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा समिति के सदस्य-सचिव तथा ईसीआईएल कॉरपोरेट कार्यालय के प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी को प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर इस पुरस्कार को प्राप्त कर ईसीआईएल ने नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के अप्रतिम कीर्तिमानों पर एक और नया अध्याय जोड़ दिया है।इस पुरस्कार को प्राप्त करने पर नराकास (उपक्रम) के अध्यक्ष ने सभी सम्मानित सदस्य कार्यालयों से प्राप्त सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि समिति आधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा एआई के तकनीकी टूल्स, मशीन ट्रांसलेशन, क्लाउड ट्रांसलेशन जैसे क्षेत्रों में नराकास (उपक्रम) को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान बनाया जाएगा। समिति के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने सभी सदस्य कार्यालयों के राजभाषा संवर्ग के अधिकारियों तथा नोडल हिंदी अधिकारियों के सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलुरु का मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश विशेष रूप से प्रभावी रहा है।

नराकास (उपक्रम) समन्वय कार्यालय, ईसीआईएल विभिन्न सदस्य कार्यालयों के सहयोग से बारह प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। अखिल भारतीय स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन अप्रतिम है। समिति के तत्वावधान में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। इनमें मौलिक वैज्ञानिक लेखन, प्रौद्योगिकी अनुवाद, पत्रिका प्रकाशन कौशल तथा संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण प्रश्नावली एवं उसके महत्वपूर्ण अनुलग्नक तथा निरीक्षण की समुचित तैयारी पर विशेष रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना है।

एनआईआईएमएच द्वारा रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी में आयुर्वेद और पोषण जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने 10वें आयुर्वेद दिवस (23 सितंबर, 2025) के उपलक्ष्य में आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए की थीम पर आधारित एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी के निवासियों के लिए आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में आयुर्वेद को अपनाने और संतुलित पोषण आहार के महत्व से अवगत कराना था।

केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन एनआईआईएमएच के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ. जी.पी. प्रसाद ने किया। डॉ. प्रसाद ने उपस्थित लोगों के प्रश्नों का सटीक उत्तर दिया और उन्हें अपनी प्रकृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संस्थान में चल रहे प्रकृति परीक्षण कार्यक्रम में पंजीकरण कराने का आग्रह किया।कार्यक्रम में सहायक निदेशक (आयुर्वेद) डॉ. सुबोस ने पोषण माह की थीम सुपोषित एवं समृद्ध भारत का निर्माण के अनुरूप वृद्धावस्था में सही पोषण के लिए उचित खान-पान पर विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष माने ने आयुर्वेद दिवस के इतिहास और संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया। अनुसंधानकर्ता (आयुर्वेद) डॉ. तपस्वी ने कार्यक्रम का संचालन किया और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली अश्वगंधा वटी के लाभों की जानकारी दी, जिसे उपस्थित लोगों के बीच वितरित भी किया गया। इस अवसर पर जागरूकता से संबंधित शैक्षिक सामग्री भी बांटी गई।

संस्थान के श्री के. श्रीनिवास राव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए कॉलोनी के सोसायटी अध्यक्ष श्री हनुमंत राव और अन्य अधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी को आयुर्वेद दिवस समारोह में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा एक शाम गोमाता के नाम विशाल जागरण और रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा आयमाता गोशाला, बालाजी नगर में 'एक शाम गोमाता के नाम' विशाल जागरण का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें 55 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष पंकज राठौड़ ने की।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा मंत्री युवा पन्नालाल भाटी ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में भजन गायक महावीर सांखला और गायिका मीना कटारिया ने भी भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की। अतिथियों का स्वागत मंच की ओर से शॉल, माला एवं दुपट्टा से किया गया।

इस विशाल रक्तदान शिविर में आंध्र-तेलंगाना प्रांत सहमंत्री प्रकाश सिरवी, प्रांत पूर्व रक्तदान संयोजक मनोज जैन, प्रांत रक्तदान संयोजक सुशील भायल, मेडचल शाखा पूर्व अध्यक्ष कैलाश प्रजापत, मेडचल शाखा कैलाश वैष्णव, गोतम भायल, हरिश माली, मंगलाराम चौधरी, रमेश प्रजापत, शेषाराम चौधरी, नवीन मालवीय, नरपतसिंह भाटी, रामअवतार कच्छावा, घीसाराम चौधरी, श्रवण प्रजापत, मनोज शर्मा, जितेंद्र, किशोर कुमावत का विशेष सहयोग रहा। सभी रक्तवीरों को ब्लड बैंक द्वारा प्रशस्ति पत्र और उपहार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगण एवं युवा सदस्यों का शाखा के रक्तदान संयोजक युवा दिनेश गहलोत ने आभार व्यक्त किया।

श्रीकृष्ण कथा का तृतीय दिवस

भक्ति और ज्ञान का संगम

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीचिन्ना अनंतगिरि शिवालयम, अत्तापुर, हैदराबाद में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 14 से 20 सितंबर 2025 तक आयोजित श्रीकृष्ण कथा के तृतीय दिवस पर भक्तों ने एक बार फिर प्रभु श्रीकृष्ण की रसमयी कथा का आनंद लिया। दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी आस्था भारती जी के मुखारविंद से भक्तों को यशोदा मैया के पूर्वजन्म की गाथा और गोकुलाष्टमी उत्सव की कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर गोकुलाष्टमी उत्सव को बड़े धूमधाम से मनाया गया।

साध्वी जी ने अपने प्रवचन में बताया कि जब मानव प्रभु की अलौकिक लीलाओं को अपनी सीमित बुद्धि और लौकिक दृष्टि से समझने का प्रयास करता है, तब वह भ्रमित हो जाता है। उन्होंने कहा:

राम देखि सुनि चरित तुम्हारे।

जड़ मोहहिं बुध होहिं सुखारे।।इसका अर्थ है कि प्रभु के चरित्र को देखकर या सुनकर जहाँ विवेकीजन आनंद रस का पान करते हैं, वहीं जड़बुद्धि लोग मोहित और संशयग्रस्त हो जाते हैं। यही कारण था कि कंस और दुर्योधन श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझ नहीं पाए, जबकि गोपियों, गोप-ग्वालों, अर्जुन और उद्धव ने प्रभु के मर्म को जाना, समझा और उसका आनंद उठाया। साध्वी जी ने जोर देकर कहा कि यह समझ केवल जगद्गुरु की कृपा और ब्रह्मज्ञान से ही संभव है।

गोकुलाष्टमी उत्सव को बड़े धूमधाम से मनाया गया

साध्वी जी ने तितली के मेटामॉर्फोसिस की प्रक्रिया का उदाहरण देकर आध्यात्मिक ज्ञान को सरलता से समझाया। जैसे तितली को अपने रंगीन पंखों के साथ उड़ान भरने के लिए रेशमी जाल और क्रीसलस के सख्त खोल को तोड़ना पड़ता है, वैसे ही मानव को अज्ञानता के आवरण को चीरकर अपने शुद्ध स्वरूप को प्राप्त करना होता है। योगयोगेश्वर श्रीकृष्ण मानव की अंतरात्मा को यही स्वच्छंदता और उन्मुक्त उड़ान प्रदान करने आए थे। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान आज भी सभी जिज्ञासुओं को सनातन ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने का आह्वान करता है, ताकि वे प्रभु की लीलाओं को समझ सकें और उनके दिव्य दर्शन अपने अंतर्मन में कर सकें।

इस भव्य आयोजन में स्वामी प्रदीपानंद जी, साध्वी भावना भारती जी, साध्वी साक्षी भारती जी के साथ-साथ उत्सव यजमान राजगोपाल डोडिया, पुष्पा डोडिया, प्रसाद यजमान बृज गोपाल असावा, ओंकार राम चौधरी, कैलाश मंत्री, रमेश चौधरी, रामप्रकाश चौधरी, श्रीनिवास सोमानी, नारायण रोहिवाल, श्रवण कुमार व्यास, नरेश मिश्रा, प्रेमराज चौधरी, नरेश अग्रवाल, जानकीलाल संगी, सुशील कुमार तोतला, हरि नारायण मूंदड़ा, नारायण प्रजापत, मोतीलाल कुमावत, छोगा लाल चौधरी, भीखाराम चौधरी, कवि पुरुषोत्तम कड़ेल, पवन भारती और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कथा का समापन प्रभु की पावन आरती के साथ हुआ, जिसके पश्चात भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन भक्तों के लिए भक्ति, ज्ञान और आनंद का एक अनुपम संगम रहा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सभी भक्तों और जिज्ञासुओं को निमंत्रण है कि वे इस श्रीकृष्ण कथा में शामिल होकर ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति करें और प्रभु की लीलाओं का सच्चा आनंद लें।

प्रभु को पाने के लिए काम, क्रोध, मद, लोभ का त्याग करें : आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चादर घाट स्थित गणेश मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत पुराण कथा के दौरान आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री ने श्रद्धालुओं को काम, क्रोध, मद और लोभ का त्याग कर प्रभु की भक्ति में लीन होने का संदेश दिया। कथा के इस सत्र में महाभारत के एक मार्मिक प्रसंग का वर्णन किया गया, जिसमें कौरव-पांडव युद्ध के अंत में दुर्योधन की अंतिम इच्छा और अश्वत्थामा के कुकृत्य को दर्शाया गया।

आचार्य जी ने बताया कि जब कौरव सेना का अंत हो गया और दुर्योधन घायल अवस्था में अंतिम सांसें ले रहा था, उसने अश्वत्थामा से एक पांडव की मृत्यु की इच्छा व्यक्त की। अश्वत्थामा ने रात के अंधेरे में पांडवों के शयन कक्ष में प्रवेश किया, लेकिन श्रीकृष्ण ने पांडवों को सुरक्षित ले जाकर उनके पुत्रों को वहां छोड़ा था।

अश्वत्थामा ने गलती से पांडवों के पुत्रों के सिर काटकर दुर्योधन को दिखाए, जिससे दुर्योधन ने दुखी होकर कहा कि अब दोनों कुलों में तिलांजलि देने वाला कोई नहीं बचा। जब अर्जुन को यह पता चला, तो उन्होंने अश्वत्थामा का वध करने का प्रयास किया, लेकिन श्रीकृष्ण ने गुरुपुत्र की हत्या रोककर उसकी मणि छीनने का आदेश दिया, जिससे वह जीते-जी मृतक समान हो गया।आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री ने कहा, कोई भी कितना शक्तिशाली हो, यदि उसने अन्याय किया है, तो उसे उसका दंड भोगना ही पड़ता है। अति का अंत निश्चित है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि काम, क्रोध, मद और लोभ का त्याग कर जीवन को भक्ति और सत्कर्मों से संवारना चाहिए।

कार्यक्रम में पूजा आचार्य आलोक मिश्रा, सुनील पाण्डेय, आचार्य ओम प्रकाश, रामराज तिवारी, नीरज तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी, देवेंद्र महराज, रमेश मोदानी, मुरलीधर गुप्ता, विपुल अग्रवाल, भरत अग्रवाल, उदय राम, नारायण दास भराडिया, दिनेश बंसल, ओमप्रकाश अग्रवाल, वेंकट लाल, सत्यनारायण बंग, बंशीलाल, हरि गोपाल तोतला, पुरुषोत्तम दास, सचिन तोशनीवाल, राम डालियां, विकास अग्रवाल, श्री नियास, नटवर दरक, बलराम जी, अमरीश जायसवाल, राजस्थानी महिला संगठन, ईसामिया बाजार की सुमित्रा राठी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन में एम सी अग्रवाल एवं विपिन अग्रवाल बने आजीवन ट्रस्टी

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा हिसार के अग्रोहा धाम में भव्य लक्ष्मीजी के मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। साथ ही, 114 एयर कंडीशन कमरों वाला अतिथि गृह, विशाल भोजनालय आदि भी बनाए जा रहे हैं। इस पुनीत कार्य में सहयोग देकर एम सी अग्रवाल एवं विपिन अग्रवाल आजीवन ट्रस्टी बने। इसके पूर्व महा लक्ष्मीजी की अखंड ज्योत के रथ के समय भी उन्होंने कई आजीवन ट्रस्टी बनकर सहयोग दिया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष योगेश जैन ने दोनों का आभार प्रकट किया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने बताया कि आभास तेलंगाना द्वारा आगामी रविवार, 21 सितंबर को एक शाम अग्रसेनजी के नाम कार्यक्रम इस्कॉन मंदिर, गोल्डन टेंपल में अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होगा। राजस्थान कोटा के सुप्रसिद्ध अग्र भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। मंत्री विनय जैन ने सभी अग्र बंधुओं से निवेदन किया कि इस अग्र भजन कार्यक्रम में अपने परिवार एवं प्रिय मित्रों के साथ पधारकर, श्री अग्रसेनजी के भजन जो कि पहली बार किए जा रहे हैं, का सहभोज आनंद लें। अवसर पर अंकुर अग्रवाल और अंजलि अग्रवाल उपस्थित थे।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती पर वृक्षारोपण

अग्रवाल समाज का पर्यावरण संरक्षण अभियान

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती उत्सव पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना के द्वारा वृक्षारोपण, पेड़-पौधों तथा हरियाली के प्रति जागरूकता हेतु प्रारंभ किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फिल्म नगर स्थित राउंड टेबल स्कूल में एक भव्य वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह आयोजन न केवल महाराजा श्री अग्रसेन जी के आदर्शों को साकार करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समाज की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

जयंती समारोह के प्रचार-प्रसार और मीडिया चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, सचिव विकास केशान, सह-सचिव और जयंती की प्रधान संयोजिका डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और जयंती के सह-संयोजक आंचल गुप्ता, वृक्षारोपण कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका सुमन गुप्ता तथा अन्य की उपस्थिति में इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता दीपक रेड्डी ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के उपरांत विद्यालय परिसर में आम, अमरूद, पपीता और विभिन्न फल-फूलों के पौधे लगाए।

जयंती कार्यक्रम की सह-संयोजिका दीपा भालोटिया, वृक्षारोपण कार्यक्रम समिति की सह-संयोजिकाएं वर्षा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, शशि सिंघल, रिंकू गर्ग, मोनिका अग्रवाल, दीपा अग्रवाल के साथ ही रजनी अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, गौरी ढाणी, राणी सती दादी महिला शाखा की सदस्याएं और अन्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के उपरांत समाज की मोती नगर महिला शाखा के द्वारा स्कूल के बच्चों को चॉकलेट और बिस्कुट वितरित किए गए। समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और परामर्शदाताओं बद्री विशाल बंसल तथा हरीश गुप्ता ने जयंती अवसर पर वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए आयोजन समिति को बधाई दी।

माथुर वैश्य दक्षिणांचल की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य दक्षिणांचल की मीटिंग का आयोजन प्रेम की रसोई में किया गया। इस कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसमें सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान कई गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। सदस्यों ने सबसे पहले वंदना गाई, जिसके बाद गरबा और डांडिया का भी आयोजन हुआ।

इस दौरान लकी ड्रॉ भी निकाला गया, जिसमें रागिनी का नाम निकला।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में पुष्पा गुप्ता, ज्योति, रागिनी, पूजा, सुमन, पूनम, प्राची, रचना, आस्था, सीता, पायल, प्रीति, शेफाली, और सोनिया शामिल थीं। दक्षिणांचल की अध्यक्ष सपना गुप्ता ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और मुक्ति दिवस की बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

मां आप की बहुत याद आएंगी : तमन्ना अग्रवाल

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां आप की बहुत याद आई और आयेगी क्योंकि काल के कुचक्र ने आपको हमसे छिन लिया ये उद्गार तमन्ना अग्रवाल के मन में है जो उजागर नहीं किये जा सकते फिर भी बेटी ने मां का जन्मदिन निराश्रितजनो को भोजन करवा कर अपनी मां को श्रद्धांजली दी। तमन्ना अग्रवाल की तमन्ना थी की अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती रेणुजी अग्रवाल के 50 वें जन्मदिन पर एक भव्य आयोजन किया जाए उसकी तैयारियां भी कर ली थी पर विधि के विधान को कौन टाल सकता है। 10 सितंबर को श्रीमती रेणुजी अग्रवाल का बहुत ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। अभी मां की चिता की आग भी ठंडी नहीं हुई है परंतु बेटी तमन्ना के मन मां का जन्म दिन मनाने का जो उत्साह था वो आज भी कायम था पर जो खुशी मां के होने पर होती वो नहीं थी बस एक ही नाम था राम-राम।

स्वर्गीय श्रीमती रेणु देवी को केक बहुत पसंद था तो परिवारजनों ने आज मंगलवार को राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों के बीच

अल्पाहार के साथ साथ केक भी वितरित किया।

यह दृश्य हृदय विकारक तो था ही साथ ही उस परिवार की हिम्मत और हौसले को भी नमन करता है जो इतने दुख और संकट के समय में भी हौसला बना रखा।राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान सेवा मंगलवार को स्वर्गीय श्रीमती रेणु अग्रवाल की जयंती अवसर पर जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार करवाया गया।

नियमित अन्नदान करवाया गया। आज की सेवा श्यामलाल जी राकेश कुमार अग्रवाल परिवार (मैसर्स सदुरु स्टील,फतेहनगर) की और से की गई। अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, सुशील गुप्ता, महेश गुप्ता, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, अशोक गुप्ता, राजेश नथानी, अनिता नथानी, गौरव गोयल, संजय अग्रवाल,वैभव अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अनीष अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, विशाका अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, श्रेया अग्रवाल, तमन्ना अग्रवाल सहित राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.6947653N NK SIRSATH SANJAY TEJRAO of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Father name is changed from TEJRAO SIRSATH to TEJRAO YASHVANTA SIRSATH

CHANGE OF NAME

I, RAJNI is legally wedded spouse of Army No. JC 732723P Sub Maj Jaydev Singh, R/o. Adress : HNo.754, Shanti Colony, Teh:Etawah, Dist:Etawah, Uttar Pradesh 206001 have changed my name from RAJNI to RAJNI DEVI vide affidavit 16/09/25 before C.SAMEUL, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, No. JC 732723P Sub Maj Jaydev Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my daughter name is changed from KUMARI RAJ to KUMARI RAJ CHAUHAN

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: NED/E-19 20/2025-26 दिनांक: 12.09.2025

निम्नलिखित ई-निविदाएं @:www.ireps.gov.in पर आमंत्रित हैं।

क्रम. सं.01 : निविदा सं. NED/E-19/2025-26 **कार्य का नाम:** मुदखेड स्टेशन पर 30 बिस्तरों की क्षमता वाले नए बहुमंजिला रनिंग रूम का प्रावधान - विद्युत व्यवस्था। **अनुमानित लागत (रु):** 48,15,897.80/- **बोली सुरक्षा (रु):** 96,300/- **ऑफर की वैधता:** 60 दिन **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने **उपलब्ध:** http:www.ireps.gov.in पर, नांदेड मंडल प्रशासन के तहत **बंद होने की तिथि और समय:** 06.10.2025 को 15.00 बजे

क्रम. सं.02 : निविदा सं. NED/E-20/2025-26 **कार्य का नाम:** 1) हिमायतनगर स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने के लिए प्लेटफार्म पर कवर का विस्तार। 2) भोकर स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने के लिए प्लेटफार्म पर कवर का विस्तार से संबंधित विद्युत व्यवस्था का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रु):** 60,45,617.50/- **बोली सुरक्षा (रु):** 1,20,900/- **ऑफर की वैधता:** 60 दिन **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने **उपलब्ध:** http:www.ireps.gov.in पर, नांदेड मंडल प्रशासन के तहत **बंद होने की तिथि और समय:** 06.10.2025 को 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज़, पात्रता मानदंड, विशेष शर्तों आदि के विवरण के लिए, ऊपर दी गई हमारी वेबसाइट पर जाएं। ऑफर जमा करने से पहले ऑनलाइन प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र की जांच करने की सलाह दी जाती है।

मंडलीय रेल प्रबंधक (विद्युत), नांदेड़

No. NW/148/WIII/निविदा सूचना /2025-26 दि. : 15.09.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा आमंत्रित हैं। कार्य का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम.सं.01 निविदा सं.: टी-202526-3-062 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** सीनियर डीईएन/डब्ल्यू/नांदेड़ के अधिकार क्षेत्र में पीएससी गर्डर पुलों के लिए क्रैडल टाइप निरीक्षण प्लेटफार्मों का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रु.):** 46597474.66 **पूधरा (रु):** 383000.00 **पूरा करने की अवधि:** बारह महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु):** 0

क्रम.सं.02 निविदा सं.: टी-202526-3-063 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** बसमत गुड्स शेड में 65011 वर्ग मीटर का हर मौसम में उपयोग होने वाला कवर ओवर प्लेटफार्म (उवप्ल) का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रु.):** 81107710.04 **पूधरा (रु.):** 555500.00 **पूरा करने की अवधि:** नौ महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.03 निविदा सं.: टी-202526-3-064 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** नांदेड़ मंडल: डीईएन/एलई/नांदेड़ के अधिकार क्षेत्र में पीएससी गर्डर पुलों के लिए क्रैडल टाइप निरीक्षण प्लेटफार्मों का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रु.):** 73878840.02 **पूधरा (रु.):** 519400.00 **पूरा करने की अवधि:** छह महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.04 निविदा सं.: टी-202526-3-065 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** आदिलाबाद में हर मौसम में उपयोग होने वाला सीओपी, सीसी एप्रोच रोड, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी और सीमा दीवार, व्यापारी और हमाल कमरों में सुधार का प्रावधान। (केवल हर मौसम में उपयोग होने वाला सीओपी)। **निविदा मूल्य (रु.):** 71433583.94 **पूधरा (रु.):** 507200.00 **पूरा करने की अवधि:** नौ महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.05 निविदा सं.: टी-202526-3-066 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** नांदेड़ मंडल: मालटेक्डी में जीएल-2 पर गुड्स शेड सुविधाओं और हर मौसम में उपयोग होने वाला सीओपी (650एमX10एम) का प्रावधान। (केवल हर मौसम में उपयोग होने वाला सीओपी)**निविदा मूल्य (रु.):** 71433583.94 **पूधरा (रु.):** 507200.00 **पूरा करने की अवधि:** नौ महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.06 निविदा सं.: टी-202526-3-067 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** वाशिम गुड्स शेड में गुड्स प्लेटफार्म के निकट सीसी रोड के साथ मध्यम स्तर के गुड्स प्लेटफार्म का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रु.):** 83607842.69 **पूधरा (रु.):** 568000.00 **पूरा करने की अवधि:** नौ महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.07 निविदा सं.: टी-202526-3-068 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** SWI-पुराने केवीएस भवन को डिविजनल ऑफिस कॉम्प्लेक्स नांदेड़ में सामुदायिक हॉल में परिवर्तित करना। SWII-सेवा भवनों और डीओसी कॉलोनी में समग्र सुधार जैसे पीछे के भवनों के छत के रिसाव की मरम्मत, कार्यालयों में अलमारी, विभाजन प्रदान करना आदि और डीओसी में जल निकासी और सीवरेज प्रणाली, फुटपाथ के साथ सड़क सुधार आदि में सुधार। SWIII-डीओसी/नांदेड़ में दो साल की अवधि के लिए लॉन और बगीचे का प्रस्तावित रखरखाव। SWIV-नांदेड़ डिविजनल ऑफिस कॉम्प्लेक्स के शौचालयों, गलियारों, सामान्य क्षेत्रों का रखरखाव। **निविदा मूल्य (रु.):** 38855137.56 **पूधरा (रु.):** 344300.00 **पूरा करने की अवधि:** चौबीस महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

क्रम.सं.08 निविदा सं.: टी-202526-3-069 प्राधिकारी: को-ऑर्ड **कार्य का विवरण:** मालटेक्डी में जीएल-2 पर गुड्स शेड सुविधाओं और हर मौसम में उपयोग होने वाला सीओपी (650एम X 10एम) का प्रावधान- (हर मौसम में उपयोग होने वाले सीओपी को छोड़कर) **निविदा मूल्य (रु.):** 57509863.84 **पूधरा (रु.):** 437600.00 **पूरा करने की अवधि:** बारह महीने **निविदा फॉर्म की लागत (रु.):** 0

निविदा संख्या: टी-202526-3-062, टी-202526-3-063, टी-202526-2-064, टी-202526-2-065, टी-202526-2-066 **इसी तरह का कार्य (50 लाख से अधिक लागत वाले के लिए):** कोई भी कार्य जिसमें स्टील फैब्रिकेशन और इरेक्शन शामिल हो: एकओबी या स्टील/कम्पोजिट गर्डर पुल या स्टील कम्पोजिट गर्डर के साथ आरओबी या औद्योगिक शेड या पीएफ शेल्टर (स्टील) या माइक्रोवेव/एचटी टॉवर या स्टील गर्डर पुलों पर स्टील के सदस्यों को बदलना/मरम्मत या स्टील स्लीपर।

निविदा सं.: टी-202526-2-067, टी-202526-2-068, टी-202526-2-069 **इसी तरह का कार्य (50 लाख से अधिक लागत वाले के लिए):** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/क्षेत्रीय कार्यों को छोड़कर)। उपरोक्त सभी टेंडर 13.10.2025 को 15:00 बजे बंद हो जाएंगे।

सीनियर डीईएन/को-ऑर्ड/नांदेड़

A1437

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

53वें रामायण मेले की समितियों का गठन

भव्य दशहरा आयोजन की तैयारी

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन समिति द्वारा आयोजित होने वाले दशहरा सम्मेलन के तहत, नुमाइश मैदान में सोमवार, 22 सितंबर 2025 से गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले 53वें रामायण मेले की समिति की बैठक हसमत गंज में संपन्न हुई। राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद राठी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मेला को भव्य एवं सफल बनाने हेतु विभिन्न समितियों एवं उनके संयोजकों का प्रारंभिक गठन किया गया। इसका समयानुसार विस्तार किया जाएगा।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेला आयोजन को सफल बनाने के लिए निम्नलिखित नियुक्तियां की गईं। जिनमें- कोषाध्यक्ष: गिरधारी लाल डागा, मेला संयोजक: श्रीमती कलावती जाजू, रमेश कुमार बांग, मनोज जायसवाल, नंद गोपाल बटर, सुमित राठी, रामदेव नगला, लक्ष्मी नारायण राठी, श्रीमती प्रेमलता काकानी, श्री प्रेमचंद शर्मा, कोलेरू पवन कुमार, राजेंद्र कुमार सांखला, भगत सिंह सोलंकी, श्रीमती शकुंतला नवंबर, विमल दलिया, गद्दाम रघु, पवन मिश्रा, श्रीनिवास लोया शामिल हैं।

मेले के विभिन्न विभागों के लिए भी संयोजकों की नियुक्ति की गई। जिनमें- घट स्थापना संयोजक: रमेश चंद्र व्यास, जुगल किशोर सोनी, पंकज वर्मा। मानव झांकियां संयोजक: श्रीमती श्यामा , श्रीमती सुरेखा शारदा। कवि सम्मेलन संयोजक: श्रीमती रूबी मिश्रा, सविता सोनी। डांडिया आयोजन संयोजक: घनश्याम तोषनीवाल, सुरेंद्र मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडे। व्यवस्थापक संयोजक: दामोदर तिवारी, रूपम तुरकिया, संजय तिवारी, विजय कुमार, विनोद कुमार, मणिकांत शामिल हैं।

उक्त महत्वपूर्ण बैठक में गोविंद राठी, गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, शकुंतला नावंदर, श्रीमती सुरेखा शारदा, पवन कुमार मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडेय, जुगल किशोर सोनी, पंकज वर्मा, सुनीता वर्मा, सविता सोनी, रामदेव नगला, दामोदर तिवारी, कोलेरू पवन कुमार मुदिराज, भारत बिरादर, मणिकांत, विनोद, गणेश उपस्थित रहे।

श्रीमती शकुंतला नावंदर के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात बैठक संपन्न हुई। यह आयोजन राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा परंपरागत उत्सवों को जीवंत रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें भक्ति, संस्कृति और सामुदायिक एकता का संगम होगा।

पारिवारिक सामंजस्य पर कार्यशाला: परिवार को स्वर्ग बनाने की प्रेरणा

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में कैसे हो पारिवारिक सामंजस्य विषय पर एक अत्यंत उपयोगी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परिवार में सामंजस्य और प्रेम को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणादायी रहा।

साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी ने अपने प्रवचन में परिवार को स्वर्ग बनाने के लिए आपसी सहयोग, विश्वास और संवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारिवारिक सामंजस्य को मजबूत करने के लिए कई व्यावहारिक टिप्स प्रदान किए, जो उपस्थित लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी रहे। साध्वीश्री ने कहा कि आपसी समझ और प्रेम ही परिवार को सुखी और समृद्ध बनाता है।

मुंबई से पधारे वरिष्ठ उपासक और मोटिवेशनल स्पीकर श्री सोहनलालजी वडेरा ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने के उपाय साझा किए। उन्होंने आपसी विश्वास बढ़ाने, संवाद को प्रभावी बनाने और परिवार में सकारात्मक वातावरण स्थापित करने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके विचारों ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यशाला में सुश्री तूलिका गोगड़ ने सुमधुर गीतिका की प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का रंग भरा। इसके साथ ही श्रीमती प्रेक्षा कुमट ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जो परिवार में सामंजस्य के लिए प्रेरणादायी रहे।

इस अवसर पर श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा द्वारा श्री सोहनलालजी वडेरा का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वीश्री मेरुप्रभा जी ने किया, जिनके संयोजन ने कार्यशाला को व्यवस्थित और प्रभावी बनाया।

यह कार्यशाला न केवल परिवार में सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रेरक रही, बल्कि समाज में सकारात्मकता और एकता को बढ़ावा देने का भी एक प्रयास थी। उपस्थित सभी लोगों ने इस आयोजन से प्राप्त ज्ञान और प्रेरणा को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

ग्रैंड पोस्टर लॉन्च: डांडिया नाइट्स और दशहरा उत्सव अवॉर्ड्स 2025 की शुरुआत

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर ने एक रंगारंग शाम का गवाह बना जब वीइवेंट्ज़ इवेंट्स द्वारा आयोजित डांडिया नाइट्स के ग्रैंड पोस्टर लॉन्च के साथ-साथ दशहरा उत्सव अवॉर्ड्स 2025 की घोषणा की गई। यह कार्यक्रम उत्साह, त्यौहारों की भावना और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति से भरा रहा।

इस भव्य आयोजन में निम्नलिखित गणमान्य अतिथियों ने पोस्टर लॉन्च किया। जिनमें- दुर्गा प्रसाद, सीईओ एवं फाउंडर, वीइवेंट्ज़। श्रीमती प्रसन्ना कंजारला, सीईओ एवं फाउंडर, वीमेंस एन्ट्रप्रेन्योर एसोसिएशन। सुश्री भाव्या रेड्डी, फाउंडर, बीबीआर फाउंडेशन। श्रीमती सिंधु अरुटला, फाउंडर, सिंधु हीलिंग सर्विसेज। डॉ. चवन स्वेथा, फाउंडर, चवन्स स्किनकेयर क्लिनिक। पंकज कुमार संघी, फाउंडर, जगदंबा साड़ीज़ और डॉ. तिरुनागरी स्वामी, वैज्ञानिक शामिल थे। इन विशिष्ट अतिथियों ने अपनी शुभकामनाएँ दीं और यह बताया कि डांडिया और दशहरा जैसे सांस्कृतिक उत्सव समाज को जोड़ने में कितने महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए दुर्गा प्रसाद, सीईओ एवं फाउंडर, वीइवेंट्ज़ ने साझा किया कि डांडिया नाइट्स 2025 शहर का सबसे यादगार उत्सव होगा, जिसमें संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी। वहीं, पंकज कुमार संघी ने साझा किया कि दशहरा उत्सव अवॉर्ड्स उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करेंगे जो समाज में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं।

यह शाम एकता, परंपरा और उत्सव का सशक्त संदेश देकर समाप्त हुई और हैदराबाद में आने वाले त्यौहारों की शुरुआत का स्वर निर्धारित किया। वीइवेंट्ज़ इवेंट्स की यह पहल शहरवासियों को सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का एक अनुपम प्रयास है।

बेगम बाजार में पितृपक्ष की दशमी पर हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान मे मंगलवार को पितृपक्ष पक्ष की दशमी के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के नजदीक नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, राजेश सर ,गोविंद राम पचेरीया, सुनील, अरुण विजयवर्गीय, अनिल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, मुकेश केडिया,मनोज शर्मा, आशीष एवं किशन पाल उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध : मंत्री विवेक

चेन्नूर, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर विधायक शिविर कार्यालय में कोटापल्ली मंडल के गाँवों के कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने। इस महत्वपूर्ण बैठक में कार्यकर्ताओं ने गाँवों की समस्याओं, लोगों की ज़रूरतों और विकास कार्यों की प्रगति जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की तथा मंत्रियों का ध्यान आकर्षित किया। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकर्ताओं की हर समस्या का समाधान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। यह बैठक न केवल स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रही, बल्कि पार्टी की मजबूती के लिए रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर मंत्री ने सुझाव दिया कि पार्टी को मज़बूत करने के लिए हर गाँव में सशक्त समितियाँ बनाई जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को गति देगी। विवेक वेंकटस्वामी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ग्रामीण स्तर पर सक्रिय रहें और पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।बैठक में चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि सरकार ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। सड़क, पानी, बिजली और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मंत्री ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी आवाज़ सरकार तक पहुँचेगी और समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। यह बैठक कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह और एकजुटता का संचार करने वाली साबित हुई। कार्यकर्ताओं ने मंत्री के आश्वासन पर संतोष व्यक्त किया और पार्टी के लिए और अधिक सक्रिय होने का संकल्प लिया।

गीत चाँदनी का कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर के कवियों की सक्रिय संस्था गीत चाँदनी का मासिक कवि सम्मेलन राजधानी होटल के पास स्थित बाहेती भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की।बैद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि 'गीत चाँदनी' का उद्देश्य सिर्फ कविताओं का मंच देना नहीं, बल्कि समाज में साहित्य और संस्कृति के प्रति रुचि जगाना है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक जीवन की भागदौड़ में कविताएँ हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं।कार्यक्रम का संचालन गोविंद अक्षय ने किया। कवि सम्मेलन में कवियों ने राष्ट्रीय समस्याओं, समसामयिक मुद्दों और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में राजकुमार यादव, ममता मिश्रा, शिवकुमार तिवारी कोहिरी, पूनम जोधपुरी, एस.के. जैन लौंगपुरिया, आरती कुमारी, सुनील मिश्रा, मंजुला यादव और अन्य शामिल थे।इस अवसर पर, कवयित्री आरती कुमारी को डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव द्वारा प्रोत्साहन राशि के रूप में 1100 प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संयोजन रत्नकला मिश्र ने किया, जिन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। अंत में, डेली शुभ लाभ के संपादक गोपाल अग्रवाल और दक्षिण समाचार के कार्यकारी संपादक नीरज कुमार के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

मंचेरियाल में स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार कार्यक्रम का शुभारंभ आज से

मंचेरियाल, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिला स्वास्थ्य संरक्षण मंत्रालय और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया आरोग्य महिला, महात्म्यजी कुटुम्बु'(स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार) कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के सफल शुभारंभ के लिए मंचेरियाल जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।सोमवार को, इस कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर और पर्चे जिला कलेक्टर कार्यालय में राज्य मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा, कलेक्टर कुमार दीपक, जिला एसपी भास्कर और अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रय्याला द्वारा जारी किए गए। इस अवसर पर जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।डॉ. अनीता ने बताया कि इस 13 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों, बस्ती अस्पतालों और आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्रों पर कुल 91 विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में महिलाओं को विशेष चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएंगी।

महेश अग्रवाल को मिला कला बंधु पुरस्कार

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल्चरल फैन आर्ट्स फेडरेशन द्वारा नौबत पहाड़ स्थित बिरला मंदिर के भास्कर ऑडिटोरियम में आयोजित 9वें राष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत चैंपियंस प्रतियोगिता में, पूर्व केंद्रीय मंत्री समुद्राला वेणुगोपाल चारी ने श्री महेश अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट गौसेवा के लिए 'कला बंधु पुरस्कार' से सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रभाकर राव, सिनेमा निर्देशक अनुज्ञा रेड्डी, और तेलंगाना ओलंपिक विकास संस्था के संयोजक बाबू राव भी उपस्थित थे।

नामपल्ली स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश उपाध्यक्ष लड्डू यादव ने चेवेल्ला लोकसभा के सांसद विश्वेश्वर रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की।

तेलंगाना को जीएसटी राजस्व में 5,000 करोड़ रुपए का नुकसान

फिर भी गरीबों के कल्याण के लिए दरें तर्कसंगत बनाने का निर्णय : भट्टी विक्रमार्का

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार को जीएसटी दरों के संशोधन के कारण हर वर्ष 5,000 करोड़ रुपये का राजस्व हानि का सामना करना पड़ेगा, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरे कैबिनेट ने गरीब, मध्यम वर्ग और किसान परिवारों के कल्याण के लिए जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने का नीतिगत निर्णय लिया है, यह बात आज उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने कही।

भट्टी ने आज डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान में वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जीएसटी दर संशोधनों के पृष्ठभूमि में आयोजित एक कार्यक्रम में व्यापारिक समुदाय के साथ बातचीत करते हुए कहा कि राज्य को 5,000 करोड़ रुपये के राजस्व हानि का सामना करने के बावजूद, सरकार ने आम और मध्यम वर्ग के लोगों के विकास के लिए जीएसटी दर संशोधन पर नीतिगत निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।जीएसटी काउंसिल के सदस्य के रूप में उन्होंने लोगों की ओर से निर्णय लेने में सक्रिय भूमिका निभाई है, उन्होंने कहा कि जीएसटी दर संशोधन करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाने वाला कदम है। संशोधित दरों के साथ अब बड़ी संख्या में वस्तुएं कम कीमतों पर उपलब्ध होंगी, और यह सरकार और व्यापारियों दोनों की जिम्मेदारी है कि ये लाभ जनता तक पहुंचें, उन्होंने कहा। दिल्ली में जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए लंबी चर्चाएं हुईं, और समझौतों के बिना लिए गए निर्णय राज्य के लोगों को लाभान्वित करेंगे, उन्होंने जोड़ा।प्रगति तभी हासिल की जा सकती है जब सरकार और व्यापारी प्रभावी ढंग से सहयोग करें, उन्होंने जोर देकर कहा। उन्होंने व्यापारियों से दर परिवर्तनों के बाद वस्तुओं की संशोधित कीमतों को जनता के सामने पारदर्शी ढंग से प्रदर्शित करने और जीएसटी संशोधनों के वास्तविक प्रभाव को बिना हिचकिचाहट के खुलकर संप्रेषित करने का आग्रह किया।उपमुख्यमंत्री ने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वे अपनी दुकानों के सामने प्रमुखता से प्रदर्शित करें कि जीएसटी तर्कसंगत कैसे विभिन्न वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि संशोधित जीएसटी दरें कृषि उपकरणों और खाद्य उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण मूल्य कमी लाएंगी। इसके अलावा, उन्होंने नोट किया कि सीमेंट के लिए जीएसटी स्लैब को 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है, जिससे कीमतें कम होंगी, जो बदले में निर्माण क्षेत्र में पर्याप्त विकास के अवसर पैदा करेगा।हैदराबाद का 'सिटी स्टेट' में परिवर्तन और तेलंगाना भर में बढ़ती शहरीकरण से बुनियादी ढांचा क्षेत्र अपनी गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने में सक्षम होगा, उन्होंने कहा।उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे संशोधित सीमेंट कीमतों को अपनी दुकानों के सामने प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इनपुट टैक्स क्रेडिट पर, उपमुख्यमंत्री ने जोर दिया कि यह ईमानदार व्यवसायों को लाभ पहुंचाता है लेकिन कुछ लोगों की अनैतिक प्रथाओं से राज्य को राजस्व हानि हो रही है। उपमुख्यमंत्री ने ईमानदार व्यापारियों को गलत प्रथाओं की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया, आश्वासन देते हुए कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा।उन्होंने सरकार की संवाद के लिए खुली नीति पर जोर दिया, कहा, व्यापारियों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं पर चर्चा और समाधान के लिए हमारे द्वार हमेशा खुले हैं, राज्य भर में व्यवसाय को आसान बनाने के लक्ष्य के साथ।

उपमुख्यमंत्री भट्टी ने वाणिज्यिक कर में सर्कल-वार समीक्षा का आदेश दिया

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने वाणिज्यिक कर विभाग को सर्कल-वार समीक्षाएं करने और राजस्व संग्रह बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने का निर्देश दिया है।

आज डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में राज्य राजस्व संसाधन जुटाने उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने वस्तुओं की श्रेणी-वार विश्लेषण करने और अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कैबिनेट उप-समिति के सदस्यों और मंत्रियों जुपल्ली कृष्णा राव और दुद्दिला श्रीधर बाबू ने भी समीक्षा में भाग लिया।

वित्त मंत्री भी रह चुके उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से एचएमडीए, जीएचएमसी और हाउसिंग बोर्ड के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा ताकि स्टाम्प्स एंड रजिस्ट्रेशन विभाग की आय बढ़ाई जा सके।उन्होंने मुख्य सचिव रामकृष्णा राव को विभाग के राजस्व क्षमता पर गहन अध्ययन करने और 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।उन्होंने राजस्व वृद्धि पर पिछली वर्ष की समिति की रिपोर्ट की समीक्षा की और अधिकारियों को ठोस कार्रवाई के साथ इसे आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

परिवहन विभाग के लक्ष्यों को पूरा करने में कमी पर, मंत्रियों ने कारणों की पहचान करने और आवश्यकता पड़ने पर विशेष नीति तैयार करने का सुझाव दिया।

भट्टी ने आगे निर्देश दिया कि सभी वरिष्ठ अधिकारी भविष्य की राजस्व समीक्षा बैठकों में अपनी संबंधित विभागों में आय बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे उपायों पर स्पष्ट रिपोर्ट लेकर उपस्थित हों।बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्णा राव, वित्त प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वाणिज्यिक कर प्रधान सचिव एस.ए. रिजवी, स्टाम्प्स एंड रजिस्ट्रेशन आयुक्त राजीव गांधी हनुमंथु, परिवहन आयुक्त सुरेंद्रमोहन, वाणिज्यिक कर आयुक्त हरिता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

हैदराबाद मुक्ति दिवस पर गोलमेज सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के नेतृत्व में 16 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे, सुंदरैया विज्ञान केंद्र, बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद में एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती पादूरी करुणा ने की, जिसमें कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। जिनमें बंडारू दत्त-त्रेय, पूर्व राज्यपाल, सी एच विद्यासागर राव, पूर्व राज्यपाल, प्रोफेसर तिरुपति राव, पूर्व कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, प्रोफेसर मुरली मनोहर, पूर्व सदस्य, एनसीईआरटी, वकुलभरणं कृष्णमोहन राव, पूर्व अध्यक्ष, बीसी आयोग, डॉ. मनोहर रेड्डी, भाजपा के वरिष्ठ नेता, विट्ठल राव आर्य, स्वतंत्रता सेनानी, पाषम यादगिरी, वरिष्ठ पत्रकार, चिंता संबमूर्ति, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग और कप्परा प्रसाद, वरिष्ठ पत्रकार।

इस अवसर पर, हैदराबाद मुक्ति दिवस के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और भविष्य की पीढ़ियों पर उनके प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

हैदराबाद के एमजीबीएस मेट्रो स्टेशन पर नया पासपोर्ट सेवा केंद्र शुरू

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में पासपोर्ट सेवाओं के विस्तार के लिए, परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) मेट्रो स्टेशन पर एक नए पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन किया।इस अवसर पर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव, एमएलसी रियाजुल हसन, और शहर की मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।उद्घाटन के बाद, मंत्री प्रभाकर ने कहा कि पासपोर्ट जारी करने के मामले में तेलंगाना देश में पाँचवें स्थान पर है, जिसकी वर्तमान क्षमता प्रति दिन लगभग 4,500 पासपोर्ट जारी करने की है। उन्होंने एमजीबीएस केंद्र की क्षमता 750 से बढ़ाकर 1,200 स्लॉट और करीमनगर केंद्र की क्षमता 250 से बढ़ाकर 500 स्लॉट करने का सुझाव दिया। मंत्री ने पासपोर्ट को आधार की तरह ही एक आवश्यक दस्तावेज़ बताया। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले केवल श्रमिक ही खाड़ी देशों की यात्रा करते थे, वहीं अब छात्र और पेशेवर भी शिक्षा और रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं।एमजीबीएस केंद्र के लाभों पर जोर देते हुए, मंत्री ने कहा कि यह एक प्रमुख परिवहन केंद्र पर स्थित होने के कारण विभिन्न जिलों के लोगों के लिए सुविधाजनक होगा। उन्होंने कर्मचारियों से आवेदकों के साथ विनम्रता से पेश आने और पुलिस विभाग से सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया ताकि पासपोर्ट जल्द से जल्द जारी किए जा सकें।सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पुराने शहर में इस केंद्र की स्थापना की सराहना की और इसके सुविधाजनक स्थान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आज भी पासपोर्ट जारी करने में अग्रणी शहरों में से एक है। राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव ने कहा कि यह नई सुविधा लोगों के लिए प्रक्रिया को और भी आसान बनाएगी।

श्रीमद् भागवत महापुराण : भक्ति माता हृदय में आ जाएगी तब भगवान में अंतर नहीं दिखेगा : देवी स्वीकृति जी

हैदराबाद, 16 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दो दिनों में हमने भगवान से बड़ी मधुर-मधुर बातें की हैं। तो आज हम पहले भगवान को अपने किये हुए जाने-अनजाने कार्य हो गये हैं वह बतायेंगे। भगवान के प्रति शरणागत हो जाए, तब ही भगवान मिलेंगे। यदि लक्ष्मी माता भी चाहिए तो श्रीमद् भागवत पुराण का श्रवण करें। मोह-माया चाहिए तो भी श्रीमद् भागवत पुराण का श्रवण करें। यदि भक्ति, ज्ञान और वैराग्य चाहिए तो भी श्रीमद् भागवत पुराण का श्रवण करना होगा। भगवान 24 अवतारों का वर्णन किया है उनमें से एक अवतार से भी हृदय लग गया तो बेड़ा पार हो जाएगा। जब भक्ति माता हृदय में आ जाएगी जब भगवान के किसी भी रूप में अंतर नहीं दिखेगा। कोई भी जीव जब तक मनुष्य रूप में नहीं आता तब तक उसे भगवत प्राप्ति नहीं होती। इसलिए मनुष्य का जीवन बड़ा महत्वपूर्ण है।

उक्त उद्गार बड़ीचावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण के तृतीय दिवस पर कथावाचक देवी स्वीकृति अच्युत रामानुज ने व्यक्त किये।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण में कुल 18,000 श्लोक हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भक्ति मार्ग के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति है। श्रीमद् भागवत पुराण का महत्व असीम है क्योंकि यह न केवल भगवान की दिव्य लीलाओं का वर्णन करता है, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पर प्रकाश डालता है। यह ग्रंथ भक्ति को सर्वोच्च स्थान प्रदान करता है और कहता है कि सच्ची भक्ति से ही भगवान का साक्षात्कार संभव है। इसमें वर्णित 24 अवतारों की कथाएं (वास्तव में विष्णु के दस प्रमुख अवतारों सहित अन्य रूपों का वर्णन) भक्तों को प्रेरित करती हैं कि एक अवतार की भक्ति से ही जीवन-मरण का चक्र समाप्त हो सकता है। भागवत श्रवण से मन शुद्ध होता है, अज्ञान का नाश होता है, और हृदय में भक्ति की ज्योति प्रज्वलित हो जाती है। आधुनिक संदर्भ में, यह ग्रंथ तनावपूर्ण जीवन में शांति और आध्यात्मिक बल प्रदान करता है, परिवार और समाज में सामंजस्य स्थापित करने में सहायक है। महात्मा गांधी से लेकर स्वामी विवेकानंद तक ने इस ग्रंथ को जीवन दर्शन का आधार माना है। भागवत कथा का श्रवण करने से पापों का नाश होता है, पुण्य की प्राप्ति होती है, और भगवान की कृपा प्राप्त होती है।इस अवसर पर जसमत पटेल ने अनेक सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के संस्थापकों, अधिकारियों का व्यासपीठ द्वारा शॉल से सम्मान करवाया। जिनमें-पावन गुरु 9 टेम्पल, वरुण कौशिक, गौ रत्ना सरस्वती बाई, गौभक्त गोल्ड एसोसिएशन के हरि भाई, पंकज वर्मा, समाज सेवी रमेश दचानई, अग्रसेन समाज के गोपाल मोर, जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, रमेश मोदानी, गौ युवा मंडल, सतीश जाजू, गोपाल डोबा, तेलंगाना गौ फेडेरेशान के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, गोपी किशन, इंदिरा बंग और श्याम सुंदर दायमा आदि शामिल थे।

डी जगन्नाथ महिला समिति, जीतेन्द्र, शकुंतला नावंदर, भाग्यनगर आकांक्षा लेडीज ग्रुप की ओर से डी. सोनाली वर्मा ने शॉल और मोती की माला से कथा वाचक का स्वागत किया।यह आयोजन भक्तों के लिए आध्यात्मिक उल्लास का केंद्र रहा, जहां श्रीमद् भागवत महापुराण के माध्यम से जीवन के गहन रहस्यों को समझने का अवसर मिला। आयोजकों ने सभी को सप्ताह पारायण के शेष दिनों में शामिल होने का आह्वान किया।

ट्रेन दुर्घटना के पीड़ित को मिली मदद

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वारंगल जिले के दासेरा मंडल के पुलकुर्थी गाँव के निवासी गुंडेती राहुल ने आज अपने परिवार के साथ मिलकर सीएम से शिष्टाचार भेंट की।

2 नवंबर, 2024 को एक दुर्भाग्यपूर्ण ट्रेन दुर्घटना में राहुल ने अपने दोनों पैर खो दिए थे, जब कुछ बदमाशों ने उन्हें चलती ट्रेन से धक्का दे दिया था। मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, कृत्रिम पैर लगाए गए और अब वे फिर से चल पा रहे हैं।

राहुल ने इस मदद के लिए व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।मुख्यमंत्री ने राहुल के उज्ज्वल भविष्य और उनके जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.